आज का विचार

सबके दुख में साथ देने वाला इंसान अक्सर अपने दुख में अकेला ही होता है।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

8

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । सोमवार, 30 जून, 2025 वर्ष 23, अंक 159, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

रेलवे टिकटिंग में बड़ा सुधार: अब प्रति मिनट बन सकेंगे 1.5 लाख टिकट, दिसंबर तक नया आरक्षण सिस्टम तैयार

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

भारतीय रेलवे यात्रियों के सफर को सुविधाजनक, स्मार्ट और पारदर्शी बनाने की दिशा में तेजी से कदम उठा रही है। रेलवे ने घोषणा की है कि वर्ष 2025 के अंत तक एक नया और अत्याधुनिक पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) तैयार हो जाएगा, जिसकी टिकट बुकिंग क्षमता मौजूदा 32,000 टिकट प्रति मिनट से बढ़ाकर 1.5 लाख टिकट प्रति मिनट कर दी जाएगी। इसके साथ ही, टिकट पूछताछ की क्षमता भी दस गुना बढ़ाई जाएगी। अब प्रति मिनट 40 लाख से अधिक पूछताछ की जा सकेगी।

नया पीआरएस सिस्टम बहुभाषीय होगा और इसमें दिव्यांगजन, छात्र, रोगी सहित अन्य वर्गों के लिए विशेष सुविधाएं शामिल होंगी। उपयोगकर्ता अब सीट का चयन, किराया कैलेन्डर जैसी जानकारी आसानी से देख सकेंगे।

रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वेटलिस्ट यात्रियों की परेशानी को ध्यान में रखते हुए आरक्षण चार्ट पहले बनाने का निर्णय लिया है। अब दोपहर 02 बजे से पहले रवाना होने वाली ट्रेनों के लिए चार्ट एक दिन पहले रात 09 बजे ही तैयार कर लिया जाएगा। इससे वेटलिस्ट यात्रियों को पहले से स्थिति की जानकारी मिल सकेगी और वैकल्पिक व्यवस्था करने का समय भी मिलेगा।

एक जुलाई से तत्काल टिकटों की बुकिंग अब केवल प्रमाणित यूजर्स ही कर सकेंगे। इसके लिए आधार या कोई अन्य सरकारी पहचान पत्र की पुष्टि डिजीलॉकर के माध्यम से की जाएगी। जुलाई के अंत से इसमें ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण भी अनिवार्य होगा। इससे बुकिंग प्रक्रिया अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनेगी।

रेलवे मंत्रालय के अनुसार, ये सभी सुधार स्मार्ट टिकटिंग, यात्रियों की सुविधा, और डिजिटल भारत की दिशा में उठाए गए अहम कदम हैं। रेलवे लगातार अपने सिस्टम को आधुनिक और नागरिकों के अनुकूल बनाने की दिशा में कार्यरत है।

इंदौर डिजिपिन अपनाने वाला देश का पहला शहर, यहां हर घर का होगा डिजिटल

एजेंसी (हि.स.)

इंदौर

देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर ने डिजिटलाइजेशन के दौर में एक और कदम आगे बढ़ाया है। स्वच्छता में लगातार सात बार परचम फहराने वाला यह शहर डिजिटल गवर्नेंस में भी नई मिसाल कायम करने जा रहा है। दरअसल, इंदौर में अब हर घर का जीपीएस आधारित यूनीक डिजिटल पता होगा। घरों के बाहर क्यूआर कोड लगाए जाएंगे। स्कैन करते ही मोबाइल पर प्रॉपर्टी की सभी जानकारी मिल जाएगी। लोग इससे पानी और प्रॉपर्टी का टैक्स भी भर सकेंगे।

इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने रविवार को शहर के वार्ड 82 (जोन-14) सुदामा नगर से डिजिटल एड्रेस पायलट प्रोजेक्ट की शुरूआत की। साहित्यकार सदाशिव कौतुक के घर में पहली डिजिटल प्लेट लगाई गई। यह प्रोजेक्ट केंद्र सरकार के डिजिपिन (ड्रब्क्ठ) प्लेटफॉर्म से जुड़ा है। इंदौर इसे अपनाने वाला देश का पहला शहर बनने जा रहा है। इस अवसर पर अश्विनी शुक्ल, अभिषेक बबलू शर्मा, निरंजन सिंह चौहान, मनीष शर्मा, शानू शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों, निगम आयुक्त शिवम वर्मा जी सहित निगम अधिकारियों-कर्मचारियों एवं स्थानीय रहवासियों की उपस्थिति रही।

इस मौके पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर ने नवाचारों को आत्मसात करते हुए डिजिटल क्रांति को अपनाकर डिजिटल सिटी बनने की ओर एक सार्थक कदम बढ़ाया है। डिजिटल सिटी को सार्थकता प्रदान करने के क्रम में आज वार्ड क्रमांक 82 में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में यूनिक

क्यूआर कोड आधारित डिजिटल पते की शुरूआत की गई, जिसके माध्यम से 20 से अधिक सेवाएं एक स्कैन के माध्यम से नागरिकों को प्राप्त होगी। इंदौर देश का पहला शहर है, जो डिजिपिन से जुड़ा है और जहां हर घर को एक यूनिट कोड प्रदान किया जाएगा। महापौर भार्गव ने कहा कि क्लीन सिटी अब डिजिटल सिटी होगी। इंदौर के हर घर की अपनी एक डीपी होगी। जिस तरह हम सोशल मीडिया पर डीपी लगाते हैं, वैसे ही ये डिजिटल प्रोफाइलिंग का काम हर घर को एक यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर देने का काम और उस डिजिटल पते के क्यूआर कोड स्कैनर से नगर निगम की सारी सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही अधिकारियों के नाम-नंबर, टैक्स की जानकारी, टैक्स भरने की सुविधा ये सब स्क्रीन और क्यूआर कोड स्कैनर पर उपलब्ध रहेगी। रहवासियों को कहीं जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ये पायलट प्रोजेक्ट वार्ड 82 में कर रहे है ये पूरा होगा, इसके बाद पूरे शहर में लागू करेंगे।

नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के तहत हर घर के बाहर एक डिजिटल प्लेट लगाई जाएगी। इसमें जीपीएस आधारित यूनिक डिजिटल पता (डिजिटल एड्रेस कोड -डीएसी), स्वच्छता रेटिंग, नागरिक सेवाओं से संबंधित जानकारी एवं क्यूआर कोड शामिल होगा। यह एक ऐतिहासिक पहल है जो नगर सेवाओं को पारदर्शी, सुलभ और तकनीक-सक्षम बनाएगी। इसमें भवन स्वामी की जानकारी पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। आने वाले समय में दूसरे वार्डों में भी इसे शुरू किया जाएगा।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपातकाल को बताया लोकतंत्र की हत्या

मासिक मन की बात कार्यक्रम के दौरान संविधान रक्षकों को किया नमन

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

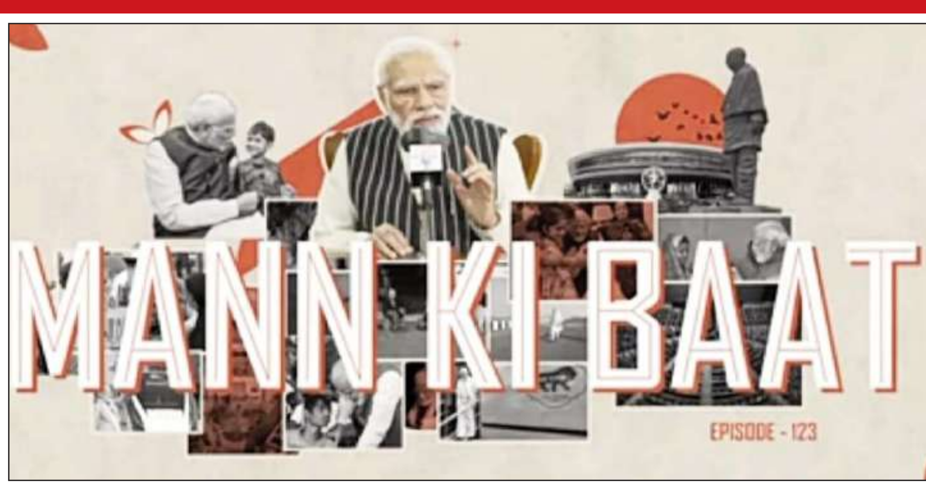

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में आपातकाल की 50वीं बरसी पर उसके काले अध्याय को याद किया और कहा कि यह सिर्फ संविधान की हत्या नहीं थी, बल्कि न्यायपालिका को भी गुलाम बनाने का प्रयास था। उन्होंने उन हजारों लोगों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने अत्याचारों का सामना करते हुए लोकतंत्र की रक्षा की।

प्रधानमंत्री ने आज 'मन की बात' कार्यक्रम के 123वें एपिसोड में अनेक विषयों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने हाल के दिनों में देश में हुए सकारात्मक बदलावों, सांस्कृतिक पर्वों, सामाजिक सहभागिता, महिलाओं की प्रगति, पर्यावरण संरक्षण और भारत की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए देशवासियों को गर्व और प्रेरणा का अनुभव कराया।

प्रधानमंत्री ने आपातकाल की 50वीं बरसी पर लोकतंत्र की रक्षा में जुटे लोगों को याद किया। मोदी ने कहा कि 1975 में लगाए गए आपातकाल के दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर प्रताड़ित किया गया। आप कल्पना कर सकते हैं कि वह दौर कैसा था। आपातकाल लगाने वालों ने ना सिर्फ हमारे संविधान की हत्या की बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को भी गुलाम बनाए रखने का था। इस दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर प्रताड़ित किया गया था। इसके ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जिन्हें कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई, बाबू जगजीवन राम और अटल बिहारी वाजपेयी के पुराने ऑडियो भी साझा किए, जिनमें उन्होंने उस दौर की भयावहता को स्पष्ट किया।

उन्होंने कहा कि जॉर्ज फर्नांडिस साहब को जंजीरों में बांधा गया था। अनेक लोगों को कठोर यातनाएं दी गई। मीसा के तहत किसी को भी ऐसे ही गिरफ्तार कर लिया जाता था। छात्रों को भी परेशान किया गया। अभिव्यक्ति की आजादी का भी गला घोंट दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उस दौर में जो हजारों लोग गिरफ्तार किए गए उन पर ऐसे ही अमानवीय अत्याचार हुए लेकिन यह भारत की जनता का सामर्थ्य है कि वो झुकी नहीं, टूटी नहीं और लोकतंत्र के साथ कोई समझौता स्वीकार नहीं किया। आखिरकार, जनता-जनार्दन की जीत हुई-आपातकाल हटा लिया गया और आपातकाल थोपने वाले हार गए। मोदी ने कहा, यह भारत की जनता का सामर्थ्य था कि वो झुकी नहीं, टूटी नहीं और लोकतंत्र के साथ कोई समझौता स्वीकार नहीं किया। 25 जून को लागू किए गए आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर केंद्र सरकार द्वारा इसे संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया गया। मोदी ने कहा कि देश पर आपातकाल थोपे जाने के 50 वर्ष कुछ दिन पहले ही पूरे हुए हैं। हम देशवासियों ने 'संविधान हत्या दिवस' मनाया है। हमें हमेशा उन सभी लोगों को याद करना चाहिए, जिन्होंने आपातकाल का डट कर मुकाबला किया था। इससे हमें अपने संविधान को सशक्त बनाए रखने के लिए निरंतर सजग रहने की प्रेरणा मिलती है।

प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की भव्यता का वर्णन करते हुए बताया कि इस बार योग दिवस पर तीन लाख लोगों ने विशाखापत्तनम के समुद्र तट पर एक साथ योग किया। दो हजार से अधिक आदिवासी छात्रों ने 108 मिनट तक सूर्य नमस्कार किए। दिल्ली में यमुना के किनारे योग को स्वच्छता के संकल्प से जोड़ा गया। हिमालय की बर्फीली चोटियों से लेकर नौसेना के जहाजों तक, योग हर जगह हुआ। इस बार की थीम ह्यएक धरती, एक स्वास्थ्यह्ल को उन्होंने वैश्विक एकता और भारतीय संस्कृति का सन्देश बताया। प्रधानमंत्री ने तीर्थ यात्राओं में सेवा की भावना का उल्लेख करते हुए कहा कि जब लोग तीर्थ पर निकलते हैं, तो हजारों लोग सेवा में लग जाते हैं – भोजन, पानी, चिकित्सा और आश्रय जैसी व्यवस्थाएं भाव से की जाती हैं। उन्होंने कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने और अमरनाथ यात्रा, जगन्नाथ रथ यात्रा जैसे आयोजनों की चर्चा की और सेवा भाव से जुड़े लोगों की सराहना की। उन्होंने देश को ट्रेकोमा रोग से मुक्त घोषित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की और बताया कि यह उपलब्धि स्वच्छता, जल की आपूर्ति और स्वास्थ्यकर्मियों की मेहनत से संभव हुई है।

मोदी की ओर से देशहित में नागरिकों के अनुभवों को सांझा करने से अन्य लोगों को मिलती है प्रेरणा : नायब सैनी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को गुरुग्राम में सुना गया

संवाददाता

चंडीगढ़

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात का आज गुरुग्राम में सामूहिक श्रवण आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और भाजपा हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहनलाल कौशिक, उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नेताओं ने बादशाहपुर विधानसभा के बूथ संख्या 4 में स्थित जीएनएच कन्वेंशन सेंटर में स्थानीय नागरिकों और पार्टी कार्यकताओं के साथ मिलकर प्रधानमंत्री के विचारों को सुना और उस पर संवाद किया।

कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी मन की बात कार्यक्रम में अपनी स्वयं की मेहनत से देशहित में योगदान देने वाले नागरिकों के अनुभवों को सांझा करते हैं जिससे आमजन को प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम से एक बड़ा लाभ हमारी आने वाली पीढ़ी व आमजन को मिलता है।

कार्यक्रम के उपरांत भाजपा नेताओं द्वारा आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत लाभान्वित पात्र नागरिकों को आयुष्मान कार्ड लाभ पत्र भी वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सुनिश्चित करना है। गुरुग्राम में आयोजित यह कार्यक्रम जनसंपर्क और जनविश्वास को और अधिक सुदृढ़ करने वाला रहा, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों और कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने पौधारोपण कर आमजन से एक पेड़ मां के नाम अभियान में सक्रिय सहभागिता का किया आह्वान

मुख्यमंत्री ने पौधारोपण कर आमजन से एक पेड़ मां के नाम अभियान में सक्रिय सहभागिता का किया आान

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा, पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह के साथ वाटिका चौक के नजदीक वन विभाग द्वारा बादशाहपुर ड्रेन के ऊपर विकसित किए गए फॉरेस्ट कॉरिडोर पर पौधारोपण कर प्रदेशवासियों से आान किया कि वे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक पेड़ मां के नाम अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के माध्यम से प्रत्येक नागरिक अपनी मां के नाम पर एक पौधा लगाकर उसे संरक्षित करने का संकल्प ले। यह प्रयास न केवल हरियाणा को हरा- भरा बनाने में सहायक होगा बल्कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी योगदान देगा।

तेलंगाना के हल्दी उत्पादक किसानों के लिए प्रतिबद्ध है सरकार: शाह

एजेंसी (हि.स.)

निजामाबाद

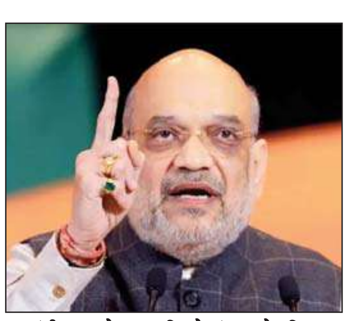

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हल्दी किसानों का चालीस साल पुराना सपना पूरा किया है। केंद्र तेलंगाना के हल्दी उत्पादक किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। वर्ष 2030 तक एक बिलियन डॉलर की हल्दी का निर्यात करने का लक्ष्य है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह यहां निजामाबाद के विनायकनगर में स्थापित राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड कार्यालय का उद्घाटन समारोह को संबोधित कररहे थे। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि तेलंगाना के लिए हल्दी बोर्ड के लिए भाजपा सांसदों ने लड़ाई लड़ी। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के हल्दी उत्पादककिसानों के लगभग चालीस साल पुराना सपना पूरा किया है। मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूँ कि मैंने अपने हाथों से हल्दी बोर्ड की शुरूआत की।शाह ने कहा कि तेलंगाना के लिए हल्दी बोर्ड के लिए भाजपा सांसदों ने लड़ाई लड़ी। हमने न केवल तेलंगाना को हल्दी बोर्ड दिया, बल्कि तेलंगाना के ही एक व्यक्ति को इसका अध्यक्ष भी नियुक्त किया। उन्होंने कहा कि निजामाबाद की हल्दी की फसल पूरी दुनिया में मशहूर है। हल्दी एक दिव्य औषधि है। यह एंटी-वायरल, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-कैंसर के रूप में काम करती है। हमें वर्ष 2030 तक एक बिलियन डॉलर की हल्दी का निर्यात करने का लक्ष्य बनाना चाहिए।

केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने केंद्र सरकार तेलंगाना के हल्दी उत्पादक किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इस बोर्ड के माध्यम से हम किसानों को खेती के नए तरीकों के बारे में प्रशिक्षित करेंगे। हम यहां हल्दी की फसल के लिए जियो-टैगिंग कर रहे हैं। हम भारत सहकारी समिति के माध्यम से किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए काम कर रहे है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि वर्तमान हल्दी का मंडी में भाव 14 हजार क्विंटल के आसपास है और अगले साल तक इसके भाव 19 हजार तक पहुंचने की उम्मीद है।

पंजाब के निवासियों के लिए बड़ा तोहफा; धूरी रेलवे ओवरब्रिज का काम जल्द शुरू होगा: भगवंत मान

संवाददाता

चंडीगढ़

पंजाब के लोगों, विशेष रूप से धूरी के निवासियों को बड़ा तोहफा देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रविवार को घोषणा की कि धूरी में दो-मार्गी रेलवे ओवरब्रिज (आर.ओ.बी.) का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के लगातार प्रयासों के बाद रेलवे मंत्रालय से आवश्यक मंजूरी मिल गई है। उन्होंने कहा कि यह अत्याधुनिक आर.ओ.बी. लेवल क्रॉसिंग (फाटक) नंबर 62ए पर बनाया जाएगा और यह मालवा क्षेत्र के लोगों, विशेष रूप से धूरी के निवासियों को ट्रैफिक समस्या से निजात दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि इस प्रोजेक्ट की कुल लागत 54.76 करोड़ रुपए है, जिसका पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि यह प्रोजेक्ट 18 महीनों में पूरा हो जाएगा। भगवंत सिंह मान ने उल्लेख किया कि प्रोजेक्ट का प्रारंभिक कार्य 2024 में शुरू

हुआ था, लेकिन मार्च 2025 में रेलवे की मंजूरी/एन.ओ.सी. के कारण कार्य में देरी हुई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इस मामले में पूरी तत्परता से पैरवी की और रेलवे अधिकारियों से आवश्यक मंजूरी मिलने के साथ ही प्रोजेक्ट पर काम जल्द शुरू हो जाएगा। पंजाब के विकास और लोगों की खुशहाली के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि सर्वांगीण विकास के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि उनके प्रशासन के दृढ़ प्रयासों के कारण पंजाब अभूतपूर्व विकास के नए युग का साक्षी बन रहा है। भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि राज्य सरकार ने रंगला पंजाब बनाने के लिए विकास कार्यों में तेजी लाई है और यह प्रोजेक्ट उसी का प्रतीक है।

वित्तीय वर्ष 2021-22 से वर्ष 2024-25 तक खनिज राजस्व में औसतन 18.14 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई

यूपी की एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य में खनन क्षेत्र की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका: योगी

संवाददाता

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश की एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य में खनन क्षेत्र की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका है। यह क्षेत्र अब केवल खनिज उत्पादन का जरिया नहीं, बल्कि राज्य की आर्थिक प्रगति, निवेश संवर्धन और स्थानीय रोजगार सृजन का प्रभावशाली केंद्र बन गया है।

मुख्यमंत्री जी आज अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की खनन नीति अब पारदर्शिता और तकनीकी दक्षता का संगम बन चुकी है। वित्तीय वर्ष 2021-22 से वर्ष 2024-25 तक खनिज राजस्व में औसतन 18.14 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2024-25 में मुख्य खनिजों से 608.11 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि वर्ष 2025-26 में केवल मई माह तक ही 623 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति हो चुकी है, जो इस क्षेत्र की लगातार प्रगति और विभाग की दक्षता को दशार्ता है।

मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि हाल के वर्षों में फॉस्फोराइट, लौह अयस्क और स्वर्ण जैसे मुख्य खनिजों के पट्टों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई है। उन्होंने निर्देश दिए कि कम्पोजिट लाइसेंस प्रक्रिया को और तेज किया जाए तथा सम्भावित खनन क्षेत्रों

की अग्रिम पहचान और भू-वैज्ञानिक रिपोर्टों की समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि स्पष्ट, पारदर्शी और प्रोत्साहक नीतियों के चलते जे0एस0डब्ल्यू0, अडानी ग्रुप, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट जैसी अग्रणी कम्पनियां प्रदेश में निवेश को लेकर गहरी रुचि दिखा रही हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य को स्टेट माइनिंग रेडीनेस इंडेक्स (एस0एम0आर0आई0) में शीर्ष रैंकिंग दिलाने के लिए विभाग द्वारा 70 से अधिक उप-संकेतकों पर ठोस कार्य किया गया है। राज्य के सभी खनन जनपदों में 100 प्रतिशत ह्यमाइन सर्विलांस सिस्टमह्ल लागू कर दिया गया है। पर्यावरणीय मंजूरियों की औसत अवधि में उल्लेखनीय सुधार आया है और नियामकीय प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनी है। उन्होंने निर्देश दिए कि एस0एम0आर0आई0 में ह्यकैटेगरी-एह्ल की स्थिति सुनिश्चित करने के लिए शेष सुधारों को निश्चित समयसीमा में पूर्ण किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण की गतिविधियों पर प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ट्रांसपोर्टरों के साथ समन्वय बनाकर एक मजबूत निगरानी तंत्र स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नदी के कैचमेंट एरिया में कहीं भी खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी और यदि ऐसी गतिविधियां सामने आती हैं तो जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी।

विभागीय अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया कि अब तक 57 तकनीक-सक्षम चेकगेट्स स्थापित किए जा चुके हैं। 21,477 वाहन काली सूची में डाले गए हैं। जबकि व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम (वी0टी0एस0), कलर कोडिंग, व्हाइट टैगिंग जैसी प्रणालियाँ प्रभावी ढंग से कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि केवल मानक जी0पी0एस0 युक्त वाहन ही खनिज परिवहन हेतु अधिकृत किए जाएं और उन्हें वी0टी0एस0 मॉड्यूल से रीयल टाइम ट्रैक किया जाए।

नशे के खिलाफ प्रदेश में चलेगा बड़ा अभियान: सुक्खू

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि प्रदेश सरकार शीघ्र ही नशे के विरुद्ध एक व्यापक और प्रभावी अभियान शुरू करने जा रही है, जिसमें समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री रविवार को शिमला में आयोजित 12वीं हिमाचल प्रदेश पुलिस हाफ मैराथन के विजेताओं को सम्मानित करने के बाद बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है। उन्होंने बताया कि अब तक 80 सरकारी कर्मचारियों के विरुद्ध नशे से जुड़ी गतिविधियों में लिप्त होने पर सख्त कार्रवाई की जा चुकी है। कुछ मामलों में पुलिस कर्मियों की संलिप्तता भी सामने आई है, जिसके चलते सरकार पुलिस मैनुअल में बदलाव पर विचार कर रही है ताकि जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

मुख्यमंत्री ने बताया कि नशे की रोकथाम के लिए पंचायत स्तर पर मैपिंग का कार्य जारी है और एक विशेष टास्क फोर्स गठित की जा रही है, जिसके लिए भर्ती प्रक्रिया भी चल रही है। इसके अलावा पुलिस विभाग में 500 नए पदों को भरने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने एनडीपीएस एक्ट के तहत पीआईटी लागू किया है, जिसके अंतर्गत इस वर्ष अब तक 36 डिटेंशन आदेश जारी किए जा चुके हैं। साथ ही सात नशा तस्करों की संपत्तियों को भी जब्त किया गया है और कई मामलों में आगे की कार्रवाई की जा रही है। हिमाचल प्रदेश एंटी ड्रग्स एक्ट को लागू करके सरकार ने नशा पीड़ितों और अपराधियों में स्पष्ट अंतर स्थापित किया है।

मुख्यमंत्री ने समाज से आान किया कि युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए अभिभावक और समुदाय मिलकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि नशा पीड़ितों के पुनर्वास के लिए सरकार गंभीर प्रयास कर रही है ताकि उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाया जा सके। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ह्यहार्मनी ऑफ पाइनह्न शीर्षक से तैयार नशा विरोधी जागरूकता गीत भी जारी किया।

मैराथन कार्यक्रम में हाफ मैराथन (21.5 किमी) पुरुष वर्ग के विजेता रविदास और महिला वर्ग की विजेता रूबी कश्यप को 51-51 हजार रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया। मिनी मैराथन (10 किमी) में पुरुष वर्ग में रवि चौधरी और महिला वर्ग में सुनीता विजेता रहीं। ड्रीम रन (3 किमी) के विभिन्न आयु वर्गों में मोहम्मद सोहेल, विपाशा वर्मा, नागेंद्र पाल, प्रतिभा, कुलदीप, हर्ष कुमार और रीतिका वर्मा को पुरस्कार दिए गए।

हिमाचल में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, दो वर्षों में 3.27 करोड़ लोगों को मिला इलाज

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक बदलाव की दिशा में लगातार आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से आधुनिकीकरण हो रहा है। बीते दो वर्षों में प्रदेश के 2,926 राजकीय स्वास्थ्य संस्थानों के माध्यम से 3 करोड़ 27 लाख बाह्य रोगियों और करीब 37.5 लाख अंतरंग रोगियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई हैं। एक सरकारी प्रवक्ता ने रविवार को ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने 6 मेडिकल कॉलेज, 3 जोनल हॉस्पिटल, 9 क्षेत्रीय, 92 नागरिक, 107 सीएचसी, 585 पीएचसी और 2,116 सब सेंटर सहित सभी संस्थानों की क्षमता और संसाधनों को उन्नत किया है। दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने के लिए कई अस्पतालों का स्तरोन्नयन किया गया है। काजा अस्पताल को 50 बिस्तर का किया गया, वहीं सुजानपुर, सुन्नी और हरोली अस्पतालों की क्षमता भी दोगुनी की गई है। सिरमौर, सोलन और कांगड़ा में नए स्वास्थ्य केंद्र खोले गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक आदर्श स्वास्थ्य संस्थान खोलने की योजना पर भी काम तेज कर दिया है। 69 में से अधिकांश केंद्र शुरू हो चुके हैं, जिनमें 134 प्रकार की लैब सेवाएं और विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध रहेंगे। यहां एमआरआई, सीटी स्कैन, डिजिटल एक्स-रे जैसी सुविधाएं भी चरणबद्ध तरीके से शुरू की जा रही हैं। प्रवक्ता ने कहा कि सरकार ने अब तक 185 डॉक्टरों, 130 स्टाफ नर्सों सहित करीब 500 स्वास्थ्य कर्मियों की भर्ती की है। साथ ही 491 नए पद भी सृजित किए गए हैं। वर्ष 2025-26 के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में मशीनरी और सुविधाओं के लिए 1,730 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। 20 संस्थानों में डायलिसिस सेवाएं शुरू हो चुकी हैं और 49 अन्य में शीघ्र शुरू होंगी।

बौद्ध मठों के जीर्णोद्धार को केंद्र सरकार का बुद्धिस्ट डेवलपमेंट प्लान: किरेन रिजिजू

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिलों के 5 दिवसीय दौरे के अंतिम चरण में रविवार को केलांग में ह्यमल निकासी योजनाह्न की आधारशिला रखी और बौद्ध मठों के संरक्षण को लेकर बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार शीघ्र ही ह्यबुद्धिस्ट डेवलपमेंट प्लानह्न के तहत देशभर के प्राचीन बौद्ध मठों और गोम्पाओं के जीर्णोद्धार के लिए सहायता प्रदान करेगी।

योजना के तहत लाहौल-स्पीति, किन्नौर और अन्य बौद्ध बहुल क्षेत्रों के मठों द्वारा भेजे गए प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत कर आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। देश में लाहौल-स्पीति जिला को अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा सबसे अधिक बजट प्रदान किया गया है, जो क्षेत्र की विशेषता और आवश्यकताओं को दशार्ता है।

केलांग में जनसभा को संबोधित करते हुए रिजिजू ने प्रधानमंत्री जनकल्याण योजना के तहत बनने वाली मल निकासी योजना को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बताया। कहा कि इससे केलांग और बिलिंग गांव में स्वच्छता और जनस्वास्थ्य की स्थिति में व्यापक सुधार आएगा। यह परियोजना केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है और लाहौल-स्पीति जैसे दुर्गम क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में अहम पहल है।

जनजातीय जिलों का यह दौरा विशेष अनुभव रहा, जिसमें उन्हें लोगों से मिलने और उनकी समस्याओं को सीधे सुनने का अवसर मिला। अटल टनल को क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर बताते हुए कहा कि अब लाहौल-स्पीति को आगे ले जाना केंद्र और राज्य सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी है। गृह मंत्रालय की 'वाइब्रेंट विलेज योजना' के तहत सीमावर्ती गांवों में सड़क, स्कूल, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, ताकि दूरदराज के गांव भी मुख्यधारा से जुड़ सकें।

केंद्रीय मंत्री ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास एवं वित्त निगम द्वारा आयोजित जागरूकता शिविर में भाग लिया और लाभार्थियों से बातचीत की। बताया कि निगम ने राज्य सरकार के साथ समझौता कर अल्पसंख्यकों को कम ब्याज दर पर ऋण मुहैया करवाकर स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने की योजना लागू की है।

नाहन में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा धूमधाम से निकली, जनसैलाब उमड़ा

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

जिला सिरमौर के मुख्यालय नाहन में भगवान जगन्नाथ की पावन रथयात्रा रविवार को बड़े हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ निकाली गई। बड़ा चौक स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर से प्रारंभ हुई यह यात्रा पूरे नगर में भ्रमण करती है जिसमें असंख्य श्रद्धालु रथ को खींच कर स्वयं को धन्य मानते हैं।

नाहन में यह रथयात्रा पिछले सोलह वर्षों से आयोजित की जा रही है जो कि ओडिशा के प्रसिद्ध जगन्नाथ पुरी मंदिर की परंपरा पर आधारित है। मान्यता के अनुसार, भगवान जगन्नाथ जो भगवान विष्णु के आठवें अवतार माने जाते हैं, ने अपनी बहन सुभद्रा की पुरी नगर दर्शन की इच्छा पूरी करने के लिए रथ सजवाया था। तभी से यह परंपरा वहां आरंभ हुई और अब नाहन जैसे पर्वतीय नगर में भी यह आस्था का प्रतीक बन चुकी है। रथयात्रा समिति के अध्यक्ष प्रकाश बंसल ने बताया कि नाहनवासी पूरे वर्ष इस आयोजन की प्रतीक्षा करते हैं और सभी धर्म व समुदाय के लोग इसमें भाग लेकर आपसी सौहार्द की मिसाल पेश करते हैं। शहर के प्रमुख स्थानों पर रथयात्रा का भव्य स्वागत किया गया।इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने मंदिर में पहुंचकर पालकियों को कंधा दिया और यात्रा को रवाना किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सामाजिक एकता और श्रद्धा का प्रतीक है। उन्होंने भगवान जगन्नाथ से प्रदेश और सिरमौर की सुख-समृद्धि की कामना की।

मन की बात ने देश को जोड़ा: संजय टंडन

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का आयोजन रविवार को शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के टूटू बाजार में किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से भाजपा के प्रदेश सह प्रभारी संजय टंडन उपस्थित रहे। इस दौरान उन्होंने कहा कि ह्यमन की बातह्न ने देशवासियों को आपस में जोड़ा है और यह संवाद आज भारत की सामाजिक चेतना का हिस्सा बन चुका है।

कार्यक्रम में उनके साथ कांगड़ा सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव कटवाल, शिमला ग्रामीण से भाजपा प्रत्याशी रवि मेहता, मीडिया प्रभारी कर्ण नंदा, मंडल अध्यक्ष यशपाल व अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संजय टंडन ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ह्यमन की बातह्न सिर्फ एक रेडियो कार्यक्रम नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण की एक मजबूत कड़ी बन गया है। उन्होंने योग की चर्चा करते हुए कहा कि पीएम ने पूरे विश्व को योग का महत्व बताया। इस बार 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशाखापत्तनम के समुद्र तट पर तीन लाख लोगों ने एक साथ योग किया। दो हजार से अधिक आदिवासी छात्रों ने 108 मिनट तक 108 सूर्य नमस्कार कर अद्वितीय अनुशासन का परिचय दिया। नौसेना के जहाजों से लेकर तेलंगाना में तीन हजार दिव्यांगजनों तक, योग हर वर्ग में ऊर्जा और सशक्तिकरण का माध्यम बन रहा है। प्रधानमंत्री के पर्यावरण संरक्षण के संदेश को लेकर भी टंडन ने कहा कि लोगों ने व्यक्तिगत स्तर पर पेड़ लगाने जैसे प्रयासों से समाज को जोड़ा है। पुणे के रमेश खरमाले जैसे उदाहरण प्रेरणा देते हैं, जो हर सप्ताहांत अपने परिवार के साथ पर्यावरण की सेवा में जुटते हैं। कार्यक्रम में स्थानीय जनता और कार्यकताओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और पीएम मोदी की बातें ध्यान से सुनीं।

संक्षिप्त-समाचार

पुरमंडल में हुआ लड़कियों का क्रिकेट मैंच

जम्मू। पुरमंडल के खड़ा मढ़ाना में टीचर एसोसिएशन पुरमंडल और स्थानीय लोगों के सहयोग से लड़कियों का क्रिकेट मैच आयोजित किया गया। इस रोमांचक मुकाबले में डियोन पंचायत और खड़ा मढ़ाना पंचायत की लड़कियों की टीमों ने भाग लिया। मैच को देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मैदान में पहुंचे और खेल का आनंद लिया। इस आयोजन के जरिए ग्रामीण क्षेत्र की लड़कियों को खेल में आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला। स्थानीय लोगों ने भी इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बेटियों का उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ता है।

सिरमौर में मूसलधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, गिरी नदी उफान पर

नाहन। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में मध्यरात्रि से लगातार हो रही मूसलधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। विशेष रूप से पहाड़ी और मध्यवर्ती क्षेत्रों में पिछले 10 घंटों से जारी भारी वर्षा के कारण गिरी नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। गिरी नदी, जो यमुना की एक प्रमुख सहायक नदी है, के उफान पर आने से कई गांवों का संपर्क मुख्य सड़कों से पूरी तरह कट गया है। नदी पर बने पारंपरिक तार झूले सियूं, खाडना और अणु खुर्कन, इन क्षेत्रों के निवासियों के लिए आर-पार जाने का एकमात्र साधन हैं। भारी वर्षा के चलते इन झूलों का उपयोग जोखिम भरा हो गया है और लोग एक-दूसरे की मदद से पार करने को मजबूर हैं। यह क्षेत्र रेणुका बांध परियोजना के अंतर्गत आता है लेकिन वर्तमान में परियोजना के अंतर्गत कोई कार्य प्रगति पर नहीं है, जिससे स्थानीय निवासियों को सुविधाओं का अभाव झेलना पड़ रहा है। लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं भी सामने आई हैं, जिससे सड़क मार्ग बाधित हो गए हैं। लोक निर्माण विभाग की टीमें युद्ध स्तर पर यातायात बहाल करने में जुटी हैं, लेकिन दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और भारी बारिश कार्यों में बाधा बन रही है। प्रशासन ने लोगों से नदी किनारे न जाने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

नामी पहलवान के परिवार को दी आर्थिक मदद

जम्मू। कुश्ती के अखाड़े में जब कोई नामी पहलवान उतरता है, तो दर्शकों का उत्साह देखते ही बनता है और माहौल में खास रोमांच भर जाता है। लेकिन जब किसी पहलवान के साथ कोई दुखद घटना हो जाती है, तो आमतौर पर सरकार की ओर से उसके परिवार की कोई आर्थिक मदद नहीं की जाती, जिससे उसके परिजनों के सामने भरण-पोषण का संकट खड़ा हो जाता है। हाल ही में कठुआ के हीरानगर के कुछ समाजसेवियों पुष्पेंद्र सिंह उर्फ पिंटू (अशोक सैडा वाले) और सतीश (गुड़ा मुंडियां वाले) ने ऐसी ही एक मिसाल कायम की है। उन्होंने कुछ दिन पहले डिंगाअंब कुश्ती के दौरान हादसे में जान गंवाने वाले नामी पहलवान सोनू के परिवार की मदद के लिए विशेष पहल की। दोनों समाजसेवियों ने अपने स्तर पर और अपने क्षेत्र के लोगों से आर्थिक मदद एकत्र की और जालंधर जाकर सोनू पहलवान के घर पर उनके परिजनों को यह सहायता राशि सौंपी। उनके इस प्रयास की क्षेत्र में खूब सराहना हो रही है और कई लोग आगे बढ़कर इस नेक काम में सहयोग कर रहे हैं।

पंचौरी में डूबने से दो सगे भाईयों की मौत

जम्मू। उधमपुर जिले की तहसील पंचौरी के सुमन पंचायत में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां पैंथली नाला में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई। दोनों भाई अपने पशुओं को घास चराने के लिए नाले के पास गए थे, इसी दौरान पैर फिसलने से वे गहरे पानी में चले गए और डूब गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और करीब छह घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों के शव नाले से बाहर निकाले। मृतकों की पहचान बांटू राम और गणेश चंद, पुत्र राम नाथ निवासी सुमन पंचायत, के रूप में हुई है। इस दर्दनाक हादसे से इलाके में शोक की लहर है।

प्रधानमंत्री की मन की बात का हर एपिसोड ज्ञान में वृद्धि करता है: बलबीर

जम्मू। जम्मू कश्मीर भाजपा के प्रवक्ता और पूर्व वाईस चेयरमैन बलबीर राम रत्तन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हर माह के अंतिम रविवार को प्रस्तुत मन की बात कार्यक्रम का प्रत्येक एपिसोड न केवल जनभावनाओं से जुड़ा होता है बल्कि वह लोगों को नई जानकारियाँ, प्रेरणा और समाजहित के विचार भी प्रदान करता है। यह कार्यक्रम भारतीय समाज के हर वर्ग को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। बलबीर राम रत्तन ने कहा कि मन की बात में प्रधानमंत्री मोदी जिस सरल भाषा में आम जनता से संवाद करते हैं वह देशवासियों के दिलों को छू जाता है। चाहे वह पर्यावरण संरक्षण की बात हो, महिला सशक्तिकरण की चर्चा हो, नई तकनीकों का प्रचार हो, या फिर देश के अज्ञात नायकों को सम्मान देने की बात हो – हर विषय में ज्ञान, संवेदना और प्रेरणा का संचार होता है। मन की बात के माध्यम से मोदी उन व्यक्तियों और संस्थाओं को भी राष्ट्रीय मंच प्रदान करते हैं जो अपने-अपने क्षेत्रों में सराहनीय कार्य कर रहे हैं लेकिन जिन्हें व्यापक पहचान नहीं मिली।

हिमाचल में मानसून का कहर, 8 दिनों में 34 लोगों की मौत

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में मानसून ने इस बार जून में ही विकराल रूप धारण कर लिया है। आमतौर पर जुलाई-अगस्त में तबाही मचाने वाला मानसून इस बार 20 जून को दस्तक के साथ ही कहर बरपा रहा है। बीते 8 दिनों में राज्यभर में बारिश जनित घटनाओं में 34 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 74 से अधिक लोग घायल हुए हैं। वहीं, 4 लोग अब भी लापता हैं। भारी तबाही के चलते राज्य में सरकारी व निजी संपत्ति को 71 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 जून से 28 जून के बीच हुई घटनाओं में सबसे ज्यादा 17 लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई है। इसके अतिरिक्त फ्लैश फ्लड में 7, पानी के तेज बहाव में बहने से 4, पहाड़ी से फिसल कर गिरने से 2, बिजली का करंट लगने से 2, सांप के काटने से 1 और अन्य कारणों से 1 व्यक्ति की जान गई है। अकेले कांगड़ा जिले में फ्लैश फ्लड से 6 लोगों की जान गई है।

इस अवधि में 38 मवेशियों की मौत, 6 मकानों के पूरी तरह ध्वस्त होने और 17 मकानों के आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त होने की सूचना है। इनमें सबसे ज्यादा नुकसान कुल्लू जिले में सामने आया, जहां 10 घर प्रभावित हुए। इसके अलावा 7 दुकानें, 9 पशुशालाएं और एक घराट भी पूरी तरह से तबाह हो गए हैं।

प्राकृतिक आपदा से सरकारी विभागों को भी भारी नुकसान झेलना पड़ा है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार जलशक्ति विभाग को 38.56 करोड़ और लोक निर्माण विभाग को 30.76 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इन आंकड़ों के अनुसार राज्य को अब तक कुल 71.19 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति क्षति का सामना करना पड़ा है। इस बीच प्रदेश में बारिश का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मौसम विभाग ने राज्य में आगामी 5 जुलाई तक भारी बारिश का पूवार्नुमान जारी किया है। विशेष रूप से 29 और 30 जून को ₹ऑरेंज अलर्ट₹ जारी किया गया है। विभाग ने चेतावनी दी है कि लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर प्रदेश के अन्य 10 जिलों में अगले 24 घंटों में फ्लैश फ्लड की आशंका है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे नदी-नालों व पहाड़ी ढलानों से दूर रहें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रशासन से संपर्क करें।

इस बीच राज्य सरकार और आपदा प्रबंधन विभाग अलर्ट मोड पर हैं। जिलों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें तैनात की गई हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रभावित क्षेत्रों में तुरंत राहत व पुनर्वास कार्यों में तेजी लाएं और हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

कटरा से श्रीमद्भागवत कथा और भव्य कलश यात्रा का आयोजन

एजेंसी (हि.स.)
कटरा

शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर ईकाई प्रमुख मनीश साहनी ने हिन्दुओं से अपने बच्चों को बचपन से ही सनातन व धार्मिक शिक्षा देने का सुझाव दिया है। धर्म नगरी कटरा में आज गुरु पूर्णिमा एवं गुप्त नवरात्र के उपलक्ष्य में श्री राज माता झंडे वाले आश्रम से भूमिका मंदिर तक स्वामी श्री राजेश्वरानंद के आशीर्वाद से संत राजा राम वोहरा के नेतृत्व में श्रीमद्भागवत कथा से पूर्व एक भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया । इस मौके पर उपस्थित शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर ईकाई प्रमुख मनीश साहनी ने सनातन धर्म में कलश यात्रा का महत्व बताते हुए कहा कि यह एक शुभ और पवित्र शोभा यात्रा है जिससे भगवान के आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा समेत सुख-समृद्धि की कमना की जाती है। इससे कथा स्थल पर दिव्य ऊर्जा का संचार होता है। साहनी ने कहा कि आज का युवा पाश्चात्य संस्कृति की तरफ आकर्षित तथा सनातन धर्म से दूर होता जा रहा है। माता-पिता , बड़े बुजुर्गो को धार्मिक समारोहों में अपने बच्चों को भी लाना चाहिए । हम विकास और आधुनिकता की आड़ में शार्ट कट अपनाने लगे हैं। साहनी ने हिन्दुओं से अपने बच्चों को स्कूली शिक्षा के साथ अपने धर्म, ग्रंथों की शिक्षा देने की नसीहत दी है। साहनी ने इस आयोजन के लिए संत राजा राम वोहरा तथा कथा वाचक आचार्य मनोज कृष्ण को मां की चुनरी से सम्मानित कि।

पैरामिलिट्री कल्याण संगठन ने उपमुख्य सचेतक से की भेंट, कल्याण बोर्ड की उठाई मांग

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

पैरामिलिट्री कल्याण संगठन जिला कांगड़ा के एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को उपमुख्य सचेतक एवं शाहपुर विधायक केवल सिंह पठानिया से भेंट कर अपनी विभिन्न मांगों को रखा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संगठन के जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश चीफ पैट्रन एम.एल. ठाकुर ने किया। उन्होंने पैरामिलिट्री बलों के लिए सेना की तर्ज पर पैरामिलिट्री कल्याण बोर्ड के गठन तथा संगठन के जिला कांगड़ा कार्यालय हेतु भवन उपलब्ध करवाने की मांग की। विधायक केवल सिंह पठानिया ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि पैरामिलिट्री बलों की इन जायज मांगों को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के समक्ष रखा जाएगा और जल्द ही सकारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर पुलवामा हमले में शहीद हुए हिमाचल के वीर जवान तिलक राज की पत्नी सावित्री देवी को टोपी व शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस बैठक में संगठन के उपाध्यक्ष बलदेव सिंह राणा, मानवीर कटोच, जिला कोषाध्यक्ष कुशल राणा, जगदीश चौधरी, मुल्तान सिंह, इंद्र सिंह, मदन लाल, उत्तम सिंह, रमेश चौधरी, बिनता देवी, सुजाता देवी सहित 50 से अधिक सेवानिवृत्त पैरामिलिट्री बलों के सदस्य उपस्थित रहे।

आयोजन
राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ वार्षिक सम्मेलन

धर्मशाला पंहुचे छह राज्यों के विस स्पीकर

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

धर्मशाला के तपोवन विधानसभा भवन में आयोजित हो रहे राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ वार्षिक सम्मेलन भारत क्षेत्र-2 के लिए तपोवन भवन को दुल्हन की तरह सजाया गया है। वहीं सम्मेलन में भाग लेने पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना तथा कर्नाटका राज्य के स्पीकर धर्मशाला पहुंच गए हैं।

राज्य सभा उप सभापति हरिवंश भी धर्मशाला पहुंच चुके हैं। सोमवार 30 जून को प्रातः 10 बजे सम्मेलन का शुभारम्भ करने लोक सभा अध्यक्ष एवं राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ भारत के चेयरमैन ओम बिरला प्रातः 8 बजे हवाई मार्ग द्वारा गगल एयरपोर्ट पहुंच रहे हैं।

गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू उदघाटन अवसर पर सम्मेलन को सम्बोधित करेंगे। तपोवन धर्मशाला राष्ट्रमण्डल संसदीय सम्मेलन को प्रथम बार आयोजित करने जा रहा है जो अपने आप में ऐतिहासिक होगा। राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ भारत क्षेत्र-2 में पांच राज्य शामिल हैं जिसमें हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली तथा जम्मूझ्रकश्मीर शामिल हैं। हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया इन सभी राज्यों के संयोजक हैं।

विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि इस सम्मेलन में कुल 178 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं जिसमें लोक सभा अध्यक्ष, राज्य सभा उप-सभापति और 8 राज्यों के स्पीकर, डिप्टी स्पीकर, नेता प्रतिपक्ष, मुख्य सचेतक, उप-मुख्य सचेतक तथा विधानसभा सदस्य शामिल हैं। इस सम्मेलन का मुख्य थीम डिजिटल युग में सुशासन : संसाधनों का प्रबन्धन, लोकतन्त्र की रक्षा और नवाचार को अपनाना है।

उन्होंने कहा कि इस वार्षिक सम्मेलन में तीन सत्रों का आयोजन किया जाएगा जिसमें 30 जून को उदघाटन समारोह के बाद पहला सत्र आयोजित किया जाएगा तथा पहले विषय के रूप में राज्य के विकास की तुलना में राज्य के संसाधनों के प्रबन्धन में विधायिका की भूमिका पर मंथन किया जाएगा। इस सत्र में सभी राज्यों के प्रतिनिधि अपने-अपने विचार रखेंगे। एक जुलाई को दो सत्रों का आयोजन किया जाएगा जिसमें दो विषयों क्रमशः अनुच्छेद 102 (2) और 191 (2) की 10वीं अनुसूची के तहत दलबदल के आधार पर अयोग्यता का प्रावधान तथा विधान सभाओं में एआई (कृत्रिम बुद्धिमता) का उपयोग पर चर्चा की जाएगी।

एक जुलाई को ही राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ के वार्षिक सम्मेलन भारत क्षेत्र-2 का समापन होगा जिसकी अध्यक्षता हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल करेंगे तथा अपना सम्बोधन देंगे जबकि इस कार्यक्रम में विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, राज्य सभा उप-सभापति हरिवंश, उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री भी शामिल होंगे और अपना सम्बोधन देंगे।

इस अवसर पर विधान सभा उपाध्यक्ष विनय कुमार धन्यवाद सम्बोधन करेंगे। सम्मेलन में लोक सभा महासचिव, राज्य सभा महासचिव तथा सभी राज्य विधान सभाओं के सचिव भी शिरकत करेंगे।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

जेपी नड्डा, नायब सैनी और बड़ौली ने गुरुग्राम में सुना प्रधानमंत्री मोदी का मन की बात कार्यक्रम

नड्डा, नायब, बड़ौली ने मां के नाम किया पौधारोपण, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पात्र नागरिकों को वितरित किए आयुष्मान कार्ड

संवददाता
चंडीगढ़

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मन की बात कार्यक्रम को गुरुग्राम के बादशाहपुर विधानसभा के बूथ नंबर 408 में स्थित जीएनएच कन्वेंशन सेंटर पर लोगों के साथ सुना। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के उपरांत सभी नेताओं ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत लाभान्वित पात्र नागरिकों को आयुष्मान कार्ड लाभ पत्र भी वितरित किए।

इस कार्यक्रम के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया और लिखा कि पीएम मोदी जन-जन को एक सूत्र में पिरोने और विकसित भारत निर्माण के लिए मन की बात कार्यक्रम के जरिए संवाद करके लोगों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। आज के संवाद में प्रधानमंत्री मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर दुनिया भर में नागरिकों के योग के प्रति उत्साह, देश में संचालित विभिन्न ऐतिहासिक एवं धार्मिक यात्राओं के पौराणिक महत्व के साथ ही आपातकाल के 50 वर्ष में संविधान हत्या दिवस का जिक्र किया और लोकतंत्र सेनानियों का स्मरण किया। उन्होंने आगे लिखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मेघालय व बोडोलैंड में लोगों द्वारा किये जा रहे नवाचार को लेकर प्रेरणास्पद विचार भी मन की बात कार्यक्रम के जरिए देशवासियों से साझा किये।

जेपी नड्डा ने मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष और अन्य नेताओं के साथ पीएम मोदी के देशव्यापी अभियान एक पेड़ मां के नाम के तहत गुरुग्राम स्थित वाटिका चौक में पौधारोपण किया। इस संबंध में भी श्री नड्डा ने पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को दोहराते हुए लिखा कि प्रकृति का संरक्षण हमारी संस्कृति का

अभिन्न अंग है। उन्होंने सभी लोगों से आह्वान किया कि हम सभी मिलकर अपनी वसुंधरा को हरा-भरा बनाएं और अधिक से अधिक संख्या में वृक्ष लगाएं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात कार्यक्रम में अपनी स्वयं की मेहनत से देशहित में योगदान देने वाले नागरिकों के अनुभवों को सांझा करते हैं जिससे आमजन को प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम से एक बड़ा लाभ हमारी आने वाली पीढ़ी व आमजन को मिलता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों से आान किया कि वे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक पेड़ मां के नाम अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के माध्यम से प्रत्येक नागरिक अपनी मां के नाम पर एक पौधा लगाकर उसे संरक्षित करने का संकल्प ले। यह प्रयास न केवल हरियाणा को हरा- भरा बनाने में सहायक होगा बल्कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी योगदान देगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो संकल्प लिया है आज पूरा देश उनके दिखाए मार्ग पर चल रहा है और विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एकजुट है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम में इसी विकसित राष्ट्र के परिकल्पना दिखाई देती है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने भी अपने सोशल मीडिया पर लिखते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात कार्यक्रम के जरिए उज्जवल भारत के भविष्य की झलक लोगों के सामने प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज के संवाद में देशवासियों को कांग्रेस द्वारा लगाए गए आपातकाल की काली छाया का स्मरण कराया। संविधान की रक्षा करने वाले लोकतंत्र सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के जरिए 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की सफलता, भारत की सांस्कृतिक पहचान और विश्व में उसकी प्रतिष्ठा का जिक्र किया। पौधारोपण विषय पर उन्होंने कहा कि यह केवल एक पेड़ नहीं, बल्कि संवेदना, संस्कार और सेवा का प्रतीक है। भाजपा हरियाणा परिवार ने भी संकल्प लिया है कि प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी माता के नाम पर एक पौधा अवश्य लगाएगा।

इस अवसर पर केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य सुधा यादव, कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, विधायक मुकेश शर्मा, बिमला चौधरी, तेजपाल तंवर, जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी, राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी, राजीव जेटली, प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी, संदीप जोशी, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, अरूण यादव, नगर निगम पार्षद कुलदीप यादव, सहित पार्टी एवं संगठन के अनेक वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के लिए गुरुग्राम नगर निगम पार्षद कुलदीप यादव एवं उनकी टीम का हार्दिक आभार जताया।

एक पेड़ माँ के नाम, एक पौधा वीर जवान के नाम

संवाददाता
चंडीगढ़

पर्यावरण संरक्षण और देशभक्ति का अनूठा संगमः राव नरबीर सिंह

हरियाणा के सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण तथा वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने आज कहा कि देश की सेनाओं में हर दसवां सैनिक हरियाणा से है, यह पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना की बहादुरी और संकल्प का प्रतीक है, जिसकी सफलता ने समूचे देश को गौरवान्वित किया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने मन की बात कार्यक्रम के 123वें संस्करण में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का उल्लेख करते हुए, जवानों की स्मृति में पौधारोपण कर राष्ट्र को प्रकृति और पर्यावरण के प्रति सजग रहने का संदेश दिया है।

राव नरबीर सिंह ने हरियाणावासियों से अपील की कि वे आगामी वन महोत्सव के अवसर पर प्रदेश के वीर जवानों की स्मृति में अधिक से अधिक पौधारोपण करें। उन्होंने स्वयं चरखी दादरी से एक पेड़ माँ के नाम–2 अभियान की शुरूआत कर लोगों को इस अभियान से जुड़ने का आान किया है।

मंत्री राव नरबीर ने कहा कि उनके पास सैनिक कल्याण के साथ–साथ वन और पर्यावरण विभाग की जिम्मेदारी भी है। इस नाते प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए प्राकृतिक संतुलन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना उनका कर्तव्य है।

उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण पर्यावरण असंतुलन एक वैश्विक चिंता बन चुका है और हमें प्रकृति के साथ अपने रिश्तों को फिर से मजबूत करना होगा। इसी दिशा में एक पेड़ माँ के नाम–2.0 अभियान के तहत तालाबों, नदियों के किनारे और सार्वजनिक स्थलों पर नीम, पीपल और बड़ जैसे वृक्षों की त्रिवेणी लगाने की योजना बनाई गई है।

जीव जिंदल, गर्वित धवन व मोनिका बंसल 1 जुलाई से संभालेंगे पदभार

रोटरी, रोट्रैक्ट व इनरव्हील क्लब के नवनिर्वाचित प्रधानों का कार्यकाल 1 जुलाई से प्रारम्भ

अनिल गोयल
लाडवा

शहर की अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक संस्थाओं रोटरी, रोट्रैक्ट व इनरव्हील क्लब के नए प्रधान 1 जुलाई से अपना पदभार संभालेंगे। रोटरी क्लब के पूर्व प्रधान अमित सिंघल ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए रोटरी क्लब का प्रधान संजीव जिंदल, रोट्रैक्ट क्लब का प्रधान गर्वित धवन व इनरव्हील क्लब का प्रधान मोनिका बंसल को चुना गया है। उनके अनुसार ये तीनो प्रधान आगामी 1 जुलाई से अपना पदभार संभालेंगे। रोटरी के नवनियुक्त प्रधान संजीव जिंदल की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें उन्होंने सदस्यों का धन्यवाद करते हुए कहा कि जिस विश्वास के साथ क्लब के सदस्यों ने उन्हें यह पद सौंपा है, उस पर वह हर प्रकार से खरा उतरने का प्रयास करेंगे और रोटरी द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए

सामाजिक कार्यों में वृद्धि लाएंगे। उनके अनुसार 1 जुलाई को रोटरी अन्नपूर्णा दिवस पर वृद्धाश्रम में भंडारा लगाकर सत्र प्रारम्भ किया जायेगा और 5 जुलाई को पदग्रहण समारोह आयोजित किया जायेगा। इस बैठक में आने वाले सभी प्रोजेक्ट के प्रोजेक्ट चैयरमेन नियुक्त किये गए। आगामी इनरव्हील प्रधान मोनिका बंसल ने अगले वर्ष इनरव्हील द्वारा किये जाने वाले कार्यों के बारे में बताते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए इनरव्हील क्लब भरपूर काम करेगी। रोट्रैक्ट के अगले प्रधान गर्वित धवन ने सम्बोधित करते हुए कहा कि रोट्रैक्ट लाडवा का न केवल मंडल 3080 में बहुत बड़ा नाम है बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोट्रैक्ट लाडवा की अपनी अलग पहचान है। जिसे वो अपने कार्यों से और ऊंचाइयों तक ले जाने का काम करेंगे। बैठक में 2 लक्की ड्रा निकाले गए जिसमें मुनीश सिंघल, रोजी व अमित सिंघल विजेता रहे। इस अवसर पर रोटरी प्रधान नरेश गर्ग, विकास सिंघल, दुर्गेश गोयल, सुनील गर्ग, डॉ अमृत गर्ग, रविकांत गिरधर, पवनीश गोयल, अरुण करूड़वाल, डिम्पल गुम्बर, विशाल मित्तल, राजेश वर्मा, राजेश मिगलानी, गौरव गोयल, राजेश सरदाना, नरेश कंसल, अरुण सैनी, सुमीत गर्ग, अरविन्द जिंदल, राजीव गर्ग, अमित कंसल, विपीन मित्तल, बलजीत सिंह, जसविन्दर सिंह, विकल गर्ग, अरविन्द गोयल, राजन कंसल, विनोद गर्ग, प्रदीप बांगर सहित तीनो क्लबों के सदस्यों ने नवचयनित प्रधानों को बधाई दी।

संक्षिप्त-समाचार

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पूर्व विधायक नसीम अहमद की मां के देहांत पर किया शोक व्यक्त

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को पूर्व विधायक नसीम अहमद के फिरोजपुर झिरका स्थित निवास स्थान पर पहुंचकर उनकी माता के देहांत पर शोक प्रकट किया तथा शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए कामना की तथा परिवार को इस अपूरणीय क्षति से उबरने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिवंगत जुम्मी बेगम की सादगी समाज के लिए एक मिसाल है। वे धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं और उन्होंने हमेशा समाज व गरीब कल्याण के लिए कार्य किया, उनका इस दुनिया से जाना हमारे लिए अपूरणीय क्षति है। इस अवसर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी व गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सरकार सबको साथ लेकर चलते हुए करवा रही एक समान विकास कार्यः रणबीर गंगवा

चंडीगढ़। हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सबका साथ-सबका विकास के मूल मंत्र के साथ प्रदेश के सभी हिस्सों में एक समान कार्य करवाए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत है। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा रोहतक में 24 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित बरसाती जल डिस्पोजल केन्द्र के उद्घाटन के उपरांत उपस्थितगण को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रोहतक शहर की भौगोलिक स्थिति कटोरानुमा है तथा वर्षा के दौरान इस क्षेत्र में जलभराव हो जाता था। सरकार द्वारा नागरिकों की इस समस्या के निदान के लिए बरसाती जल डिस्पोजल सैंटर का निर्माण किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के हर घर में नल व नल में स्वच्छ जल के सपने को साकार करने की दिशा में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग निरंतर कार्य कर रहा है। विभाग द्वारा स्वच्छ पेयजल, बेहतर सीवर व्यवस्था व बरसाती जल निकासी के प्रबंधों को निरंतर बेहतर किया जा रहा है। भविष्य में भी सरकार द्वारा नागरिकों को सभी मूलभूत बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने सुना प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम

चंडीगढ़। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि प्रदेश की तरक्की में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की सफलता के लिए जनभागीदारी अति आवश्यक है। जनता के सहयोग से जहां विकास को गति मिलती है, वहीं सरकारी योजनाओं का पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना भी सुनिश्चित होता है। कल्याणकारी योजनाओं के जमीनी स्तर पर लागू करने में जन सहयोग की अपनी भूमिका होती है। विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, पौधारोपण, नशा मुक्ति अभियान जैसे कार्यक्रमों के प्रति भी जन जागरण होना चाहिए। यह सभी वर्तमान समय के ज्वलंत विषय हैं और इनको जन साधारण के साथ मिलकर ही प्राप्त किया जा सकता है। कैबिनेट मंत्री रविवार को जींद के दनौदा खुर्द में प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सुन रहे थे। मन की बात कार्यक्रम का यह 123वां संस्करण था, जिसे कैबिनेट मंत्री के साथ ग्रामीणों ने भी सुना। इस मौके पर श्री कृष्ण कुमार बेदी ने गांव के विकास कार्यों के लिए 25 लाख रुपये देने की भी घोषणा की। साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत को अन्य जरूरी विकास कार्यों का प्रस्ताव भेजने के लिए भी कहा ताकि उनके एस्टीमेट बनाए जा सकें और ग्रामीणों को विकास परियोजनाओं का लाभ पहुँचाया जा सके। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम देशभर में लोकप्रिय है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों से सीधा जुड़कर अत्यंत ज्वलंत विषयों पर चर्चा की जाती है। प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया साहस और साधना के समन्वय का संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है।

भाजपा सरकार में किसानों के साथ बड़ा धोखाः कुमारी सैलजा

संवाददाता
चंडीगढ़

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री, उत्तराखंड की प्रभारी, सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा में किसानों को खाद की किल्लत से जूझने पर भाजपा सरकार पर करारा प्रहार किया है। सांसद ने कहा कि नायब सैनी के नेतृत्व वाली हरियाणा सरकार और केंद्र में बैठी भाजपा की डबल इंजन सरकार ने किसानों को केवल धोखा दिया है। ना न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर पूरी खरीदी हो रही है और ना ही खरीफ फसल की बुवाई के लिए आवश्यक खाद का इंतजाम किया गया है। भाजपा ने सदैव किसानों को आश्वासन देकर गुमराह किया है।

मीडिया को जारी एक बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की लापरवाही और नीति विफलता के कारण प्रदेश के किसानों को डीएपी और यूरिया जैसे आवश्यक खाद की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। कई जिलों में हालात ऐसे हैं कि

किसान खाद पाने के लिए लाइन में खड़े हैं, लेकिन स्टॉक उपलब्ध नहीं है। दूसरी ओर, जो खाद उपलब्ध है, उसमें भी कालाबाजारी और बिचौलियों की मनमानी देखी जा रही है। उन्होंने कहा, केंद्र से हरियाणा को खरीफ फसलों के लिए जितना खाद मिलना चाहिए था, उसका आधा स्टॉक भी राज्य को नहीं मिल पाया है। किसानों को खाद के नाम पर गैरजरूरी सामान जबरन खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जो अत्यंत शर्मनाक है। सांसद ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में खाद की मांग और आपूर्ति में भारी अंतर है। सरकार वास्तविक स्थिति को छिपाकर यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि सब कुछ ठीक है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी और दिल्ली में बैठे उनके नेता किसानों के जख्मों पर नमक छिड़क रहे हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि किसानों की आर्थिक स्थिति पहले ही कमजोर है और अब समय पर खाद न मिलने से खरीफ फसलों की बुवाई संकट में पड़ गई है। ऐसे में उत्पादन में गिरावट आना तय है, जिससे किसानों को भविष्य में और गहरे नुकसान का सामना करना पड़ेगा। कुमारी सैलजा ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों के अधिकारों की लड़ाई संसद से लेकर सड़कों तक लड़ेगी और जब तक खाद की आपूर्ति सुचारू नहीं होती तथा कालाबाजारी पर रोक नहीं लगती, तब तक सरकार को चैन से नहीं बैठने दिया जाएगा। सांसद ने कहा कि हरियाणा का किसान सब समझ रहा है और समय आने पर भाजपा को इसका जवाब देगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में भारत प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसरः श्रुति चौधरी

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी ने आज यहां कार्यकताओं के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सुना। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री के गतिशील और दूरदर्शी नेतृत्व में भारत द्वारा वैश्विक स्तर पर हासिल की गई उल्लेखनीय प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम एक सशक्त और अनूठा मंच है जो सीधे प्रधानमंत्री को आम जनता से जोड़ता है और देशभर के नागरिकों को प्रेरणा एवं दिशा प्रदान करता है। श्री मोदी के कुशल मार्गदर्शन में भारत अब हर क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास के साथ-साथ वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री के संदेश केवल एक सरकारी पहल नहीं बल्कि यह देश के प्रत्येक नागरिक के

लिए एक प्रेरणा स्त्रोत है, जो राष्ट्र निर्माण और सामाजिक कल्याण में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने यह भी बताया कि ऐसे कार्यक्रमों से न केवल विकास की गति तेज होती है, बल्कि लोगों में एकता, सामाजिक समरसता और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना भी बढ़ती है। श्रुति चौधरी ने हरियाणा के जनसमूह से अपील की कि वे सरकार की योजनाओं में सक्रिय रूप से भाग लें और प्रदेश एवं देश के विकास के लिए अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर एक समृद्ध और विकसित भारत की ओर अग्रसर हैं, जो प्रधानमंत्री के संकल्प और विजन का साकार रूप है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं हर वर्ग तक पहुंच रही हैं और सभी को इसका लाभ मिल रहा है, जिससे आम आदमी की जिंदगी बेहतर हो रही है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सहित अन्य गणमान्य भी मौजूद रहे।

प्रत्येक समाज के महापुरुषों की जयंती सरकारी स्तर पर मना रही है हरियाणा सरकारः रणबीर गंगवा

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के लोक निर्माण और जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि समाज को जोड़ने और अंधविश्वास मिटाने का कार्य संत कबीर ने अपने पूरे जीवन में किया। वे एक ऐसे युगदृष्टा थे, जिन्होंने जाति, पंथ और ऊंच-नीच से ऊपर उठकर मानवता का संदेश दिया। लोक निर्माण मंत्री रविवार को हिसार में संत कबीर छात्रावास में आयोजित संत कबीर साहब के 627वें प्रकाशोत्सव समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कबीर छात्रावास के लिए 21 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा भी की। उन्होंने संत कबीर छात्रावास की व्यवस्थाओं की भी सराहना की और आश्वासन दिया कि सरकार द्वारा ऐसे संस्थानों को और अधिक मजबूत करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर माहौल मिल सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार समाज के

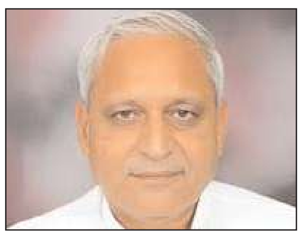

सभी वर्गों को साथ लेकर चल रही है। सभी महापुरुषों की जयंती अब राज्य सरकार द्वारा आधिकारिक रूप से मनाई जा रही है, जिससे समाज में एकता और जागरूकता का संदेश फैल रहा है। उन्होंने कहा कि डीएससी समाज के अधिकारों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकता है। अब समाज के युवा बिना सिफारिश, बिना खर्चे के सरकारी नौकरियों में चयनित हो रहे हैं। रणबीर गंगवा ने कहा कि मुख्यमंत्री की नीतियों का ही परिणाम है कि पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से हजारों युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है। सरकार बिना खर्ची, बिना पर्ची के सिद्धांत पर काम कर रही है और युवाओं को उनकी मेहनत का फल दिया जा रहा है।

पलवल के लोग समाज के लिए प्रेरणादायी कार्य करें तो प्रधानमंत्री मन की बात कार्यक्रम में करेंगे चर्चाः खेल मंत्री

गौरव गौतम ने कार्यकताओं व आमजन संग सुना प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता, खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है और पूरी दुनिया में भारत की सफलता की चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि मन की बात केवल सरकार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह पूरे देश और जनता का कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश और दुनिया के कोने-कोने से प्रेरणादायक बातें साझा करते हैं, जो सभी को उत्साहित और प्रेरित करती हैं।

खेल राज्य मंत्री रविवार को पलवल में पार्टी कार्यकताओं व आमजन के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का 123 वां संस्करण को सुन रहे थे। उन्होंने कहा कि वे हर महीने के अंतिम रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम

अवश्य सुनते हैं, जिससे उन्हें प्रेरणा और ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि मन की बात सुनने के लिए हर किसी में उत्साह रहता है। उन्होंने कहा कि पलवल के लोग यदि समाज हित में अच्छा कार्य करें और किसी के लिए प्रेरणा बने तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में पलवल जिला के लोगों की चर्चा भी अवश्य करेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश भारत विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है। विकसित और आत्मनिर्भर भारत विजन देश की आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 तक भारत देश को आत्मनिर्भर और समृद्ध अर्थव्यवस्था में बदलने के लिए सरकार का दूरदर्शी विजन है। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि हम सभी के सामूहिक प्रयासों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा भारत 2047 तक अवश्य ही विकसित और आत्मनिर्भर भारत बनेगा।

देश की युवा पीढ़ी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने का मार्ग करेगी प्रशस्त : गौरव गौतम

चंडीगढ़। हरियाणा के युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता, खेल और कानून राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि शिक्षकों तथा सामाजिक संगठनों का दायित्व है कि वे प्रतिभाओं को मंच प्रदान करें और उन्हें आगे बढ़ाएं। हर बच्चे में प्रतिभा छुपी होती है और बस उसे निखारने की जरूरत होती है। खेल मंत्री रविवार को पलवल में आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि जेई व नीट पेपर में टॉप रैंक हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने उपरांत बोल रहे थे। उन्होंने मेधावी और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भारत देश की युवा पीढ़ी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्होंने युवाओं से आान किया कि अपने जीवन में किसी भी प्रकार का शॉर्टकट न अपनाएं बल्कि नवाचार के माध्यम से अपने जीवन में सफलता अर्जित करें और देश को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण आंचल के युवा भी शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। खेल मंत्री ने सभी विद्यार्थियों को अपने जीवन में इसी प्रकार पूरी मेहनत से सफल होकर देश-प्रदेश में अपने क्षेत्र का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार खिलाडियों को पूरा मान-सम्मान दे रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं से मैडल जीतने वाले खिलाडियों को सरकारी नौकरी के साथ-साथ करोड़ों रुपए की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाती है।

संपादकीय

भीड़ भगदड़ से कब तक मासूम गंवाएंगे जानें, इसका तुरंत स्थायी हल ढूंढना समय की अहम मांग

जी हां भारत जैसे जनसंख्या-प्रधान देश में, बड़े आयोजनों—धार्मिक मेलों, स्टेडियम, रेलवे प्लेटफार्मों— भीड़ भगदड़ मचना एक आम सी बात हो चली है। यह इतिहास ही नहीं बल्कि समय समय पर घटित होने वाली घटनाएं गवाह हैं कि अक्सर उत्साह और उमंग के साथ भरपूर उक्त स्थलों पर भीड़-भाड़ के बीच, एक छोटी चूक सैंकड़ो, हजारों लोगों की जिंदगीयां लील जाती हैं और कईयों को जख्मी कर जीवन भर का दर्द दे जाती हैं। यह सच है कि 'भीड़ भगदड़' यानी स्टैंपीड को सिर्फ आकस्मिक हादसा नहीं कहा जा सकता—यह प्रशासन, संरचना और मानवीय व्यवहार के समन्वित टूटने का खतरनाक नतीजा होता है। जिससे हम कभी नहीं सीख पाते और ये क्रमानुसार आज भी जारी है। गर हम बात करें हाल ही में ओडिशा के पुरी जिले में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान श्री गुंडिचा मंदिर के पास रविवार तड़के हुई एक भगदड़ की जिसमें कम से कम तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई है और लगभग 50 अन्य घायल हो गए। जब वहां धक्का-मुक्की हो गई और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। सरकार ने वहां मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों के या तो तबादले कर दिये या फिर उन्हें सस्पेंड कर दिया है क्या इस खतरनाक मंजर की यह सजा काफी है। यह अलग सवाल है। आगे बढ़ने से पहला आइये समझते हैं भारत में भीड़ भगदड़ की प्रमुख घटनाओं के संक्षिप्त इतिहास को। गर देखा जाये तो भारत में पिछले कुछ दशक में कई भीषण भगदड़ की घटनाएं घटित हुई हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख हैं जैसे वर्ष 1995 में बछेड़ी, मध्य प्रदेशः धार्मिक मेले में भगदड़ में करीब 300 लोग मारे गए।, 2008 - नर्मदा नदी पर नर्मदा दर्शन मेले के दौरान करीब 130 लोगों की जान गई, 2013 मामा के टिब्बा, हरिद्वार में केदारनाथ मेले के समय भगदड़ हुई, जिसमें कई लोग घायल हुए, 2021 इंदौर, आरती वापसी के दौरान रेल्वे स्टेशन पर भगदड़, दर्जनभर लोग घायल हुए। इन घटनाओं को बारीकी से आंकें तो पायेंगे कि इन सब में कई बातें एक समान थीं यानी प्रबंधन की कमी, एक्सेस रूट बंद, रियल-टाइम कंट्रोल की व्यवस्था का अभाव, और अनियोजित भीड़ का संचार। अब बात करते हैं भगदड़ के उन अहम कारणों की जिनसे ये पैदा होती है। यह सच है कि आयोजन स्थल पर लोग पर्याप्त जानकार नहीं होते—एग्जिट रास्तों, आपातकालीन संकेतों व निरंतर सूचना फ्लो की अनुपस्थिति में मृत्यु एवं चोट की घटनाएँ बढ़ जाती हैं। इसके अलावा आयोजक सुरक्षा व भीड़ नियंत्रण की नीतियाँ निर्धारित नहीं रखते या उनका सतत अमल नहीं करते। पुलिस, एजेंसियों व वालंटियर का समन्वय बाधित हो सकता है। द्वार, गेट, खाद्य व पेय के ठेले, रुकावटें, रेलिंग आदि भी भगदड़ को और उग्र बना देते हैं। यह भी देखा गया है कि अगर किसी को धक्का लगने, गिरने या बीमार पड़ने की स्थिति आती है, तो समय पर बचाव, चिकित्सा या ट्रॉमा केंद्र वहां होता ही नहीं है। आयोजक अक्सर मीडिया, प्रशासन, ट्रेनों, बसों आदि से जुटे आंकड़ों की आधारहीन कयास पर निर्भर रहते हैं, जिससे कई गुना भीड़ स्थल पर पहुंच जाती है। अब बात करते हैं कि सरकारों को अपने स्तर पर इन भगदड़ों को रोकने के लिए कारगर योजना बनानी चाहिएं। भीड़ भगदड़ से जान बचाने के लिए केवल चेतावनी काफी नहीं है—इसके पीछे संगठित, योजनाबद्ध नीति एवं कार्यान्वयन की प्रतिबद्धता जरूरी है। आयोजन स्थल के आधार पर भीड़ की गतिशीलता का अनुमान लगाने मॉडल तैयार किया जाना चाहिए। किसी मेला, पूजा स्थल या स्टेडियम में संभावित टर्नओवर, प्रमुख एंट्री/एग्जिट प्वाइंट और भीड़ बहाव का आकलन करना चाहिए। सी सी टी वी कैमरे, ड्रोन, भीड़ की आवाजाही मॉनीटरिंग सेंसर लगाए जाने चाहिए। इन्हें कंट्रोल रूम से जोड़ा जाना चाहिए ताकि भीड़ में असामान्यता लगते ही व्यवस्थापक तुरंत कार्रवाई करें। हर स्थल पर आगमन व निकास की स्पष्ट रूपरेखा होनी चाहिए। इससे रास्ता अवरुद्ध नहीं होगा। संकेत (पेंट, साइनबोर्ड, डिजिटल बोर्ड) एवं जमीन रंग कोड सहायक हो सकते हैं। प्रशिक्षित वालंटियरों को भगदड़ रोकने, प्राथमिक चिकित्सा, भीड़ समायोजन, सूचना प्रसार, और आपातकालीन स्थिति में मार्गदर्शन की भूमिका सिखाई जानी चाहिए। टीवी, रेडियो, सोशल मीडिया और स्थानीय भाषाओं में प्रचार होना चाहिए—'जहां दो गेट, वहाँ प्राथमिकता', 'भीड़ को पीछे धककना जानलेवा' जैसे संदेश प्रभावी होते हैं। अनुमति लेने से पहले स्थल की संरचना, मार्ग, क्षमता, वन-वे सिस्टम, आपातकालीन निकासी गेट, और प्रथम उपचार कक्षों का ऑडिट आवश्यक है। आयोजन में नियमों का पालन सुनिश्चित करें। आयोजन से दिन पहले विभागीय दल के साथ ड्रिल, वॉकथ्रू करिए ताकि इमरजेंसी में दोषों का पता चलते संभलने का अभ्यास मिल जाए। उपलब्ध इलाके में आईसीयू, एम्ब्युलेंस, दमकल, पर्सनल ट्रैकिंग सिस्टम जैसी सुविधाएँ होनी चाहिए। गेट व मार्ग व्यवस्था में बैरिकेड, मांगलिक कुशनिंग टेप, झुंड नियंत्रका का उपयोग करके प्रवाह को रेगुलेट करना चाहिए। ट्रेन, बस, मेट्रो, निजी वाहन स्थल पर आने-जाने वाले यातायात को समन्वित करें। भीड़ कम होने पर स्टेशनों पर विशेष व्यवस्था रखें। कई एसे सफल अंतर्राष्ट्रीय उदाहरण हैं जो इन हालात में खासे कारगर साबित होते रहे हैं। एविएशन में एग्जिट रिसर्च अनुसंधान में प्रकाशित तथ्य बताते हैं कि जितने ज्यादा लोग एक दरवाजे से निकास करते हैं, उतनी धीमी गति से सब बाहर निकलते हैं। इसलिए कई द्वारों की रणनीति अपनाई जाती है। फुटबॉल स्टेडियम (ब्राजील, यूरोप)-डेल्टा संरचना (एक भीड़ नाभिक से कई इमरजेंसी निकास मार्ग) महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों के लिए अलग व्यवस्था। जापान—टोक्यो ओलंपिक्स- भीड़ को समूहों में बांटकर निरंतर मार्गदर्शन, साइनसेटिंग, हवाई मार्गदर्शन का इस्तेमाल किया गया। इन मॉडलों को स्थानीय संदर्भ में ढालना महत्त्वपूर्ण है। देसी मेलों व मेलों की प्रकृति चीजों में तकनीकी मानकों के साथ सांस्कृतिक संवेदनशीलता का संतुलन चाहिए। अब समझते हैं हमारी राज्य व केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में। एन डी एम ए एवं राज्य एजेंसियों कई भीड़ नियंत्रण नियमावली 2017 जारी कर चुकी हैं। रेलवे बोर्ड, आर पी एफ, प्रशासन, स्थानिक पुलिस क्लाउड कंट्रोल प्रोटोकॉल बनाते रहे हैं। मंदिरों, मथाओं व धामों में क्राउड मैनेजमेंट सिस्टम लागू हो रहे हैं। बावजूद इनके अभी बहुत कुछ करना बाकी है। जैसे वास्तविक स्थल पर तुरंत उपयोग में लाने वाले कंट्रोल रूम व इमरजेंसी सेंटर सरकारों द्वारा पूरी तरह स्थापित नहीं हुए। सांसद/विधायक हर आयोजन स्थल की निर्माण समीक्षा कराने में सक्रिय नहीं होते। सूचना तंत्र (एस एम एस, रेडियो, लोक-गीत) स्थानीय भाषाओं में भेदभाव करता है। कॉरपोरेट—भीड़ नियंत्रण उपकरण, कंट्रोल सेंसर, मॉडरेशन सिस्टम उपलब्ध कराएं। नगर निगम/स्थानीय प्रशासन—नगरिकों को विशेष जागरूकता देने वाले संदेश, स्कूल-स्काउटों को ट्रेनिंग देना आदि। अंत में कह सकते हैं कि भारत में भीड़ भगदड़ की घटनाएं महज रैंडम दुर्घटनाओं जैसा नहीं हैं—यह संरचनात्मक, संगठनात्मक, जागरूकता-तंत्र व तकनीकी महारत की कमी का नतीजा है। समन्वित पायलट प्रोजेक्ट—जैसे धार्मिक मेले, रेलवे स्टेशनों, स्टेडियम आदि में—एक्शन प्लान, मॉनिटरिंग, अभ्यास, सिस्टम ऑडिट देकर व्यापक स्तर पर जीरो स्टैम्पिड नीति अपनाई जानी चाहिए।

आज का राशिफल

मेषः आज आपके दोस्तों का साथ मिलेगा, जिससे रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। हालांकि लेन-देन में जल्दबाजी नुकसानदायक हो सकती है। आप विरोधियों पर भारी पड़ेंगे और आपकी योजनाएं फलदायी साबित होंगी। पिता से जुड़ी कोई चिंता रह सकती है।

वृषभः दिन थोड़ा कमजोर रह सकता है, पर सहयोगियों से मदद मिलेगी जिससे कुछ बड़े काम पूरे हो सकते हैं। अहं की वजह से रिश्तों में दरार आ सकती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अपेक्षित सफलता पाने में थोड़ी कठिनाई होगी। अनचाहे खर्च बजट बिगाड़ सकते हैं।

मिथुनः वैवाहिक जीवन में सुधार दिखेगा। आज के दिन आपको अपनी किसी उलझन का समाधान मिलेगा। घर में सामान्य माहौल बना रहेगा। आय के नए स्रोत मिल सकते हैं। तकनीकी पढ़ाई से जुड़े छात्रों को अच्छे परिणाम मिलेंगे।

कर्कः आज आपके निर्णय लेने की योग्यता की परीक्षा हो सकती है। राजनीति से जुड़े लोग विरोधियों को लेकर सतर्क रहें। जीवनसाथी संग सुकून भरा समय बिताने का मन होगा। विदेश व्यापार से लाभ संभव है, शोध या अनुसंधान से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी।

सिंहः पुराने कर्ज को लेकर मन में चिंता रह सकती है। पारिवारिक मामलों में थोड़ी असहजता होगी। झूठ बोलने से बचें नहीं तो मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कार्यस्थल पर दिन अच्छा रहेगा, लेकिन वरिष्ठों से बहस करने से परहेज करें।

कन्याः यदि स्वास्थ्य समस्या है, तो सावधानी बरतें क्योंकि तकलीफ बढ़ सकती है। अनुभवी लोगों की सलाह को नजरअंदाज न करें। लाभ के अवसर मिलेंगे। नई चीजें सीखने में रुचि बढ़ेगी। व्यवसाय में तकनीकी बदलाव संभव है। पेट से जुड़ी समस्या हो सकती है।

तुलाः पाचन से जुड़ी तकलीफ हो सकती है। दूसरों की सलाह पर अंधे विश्वास से बचें। व्यर्थ विवादों से दूरी रखें। आज के दिन नम्रता बनाए रखें। काम में मन नहीं लग सकता। पैतृक संपत्ति को लेकर घर में तनातनी हो सकती है।

वृश्चिकः आज के दिन आपको अच्छे समाचार मिल सकते हैं। आज कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार में आज विस्तार संभव है। प्रेम संबंधों में आज मधुरता रहेगी। समाज में आपकी छवि सकारात्मक बनी रहेगी।

धनुः आज के दिन आपकी मनोदशा थोड़ी नकारात्मक रह सकती है, पर व्यापार में उपलब्धियां मिलेंगी। आज के दिन नए बिजनेस सौदे तय हो सकते हैं। मेहनत का अच्छा फल मिलेगा। माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकरः व्यस्त दिनचर्या के बावजूद परिवार के लिए समय निकालें। थकान और मानसिक तनाव महसूस हो सकता है। गुस्से पर काबू रखें। सर्वाइकल या गर्दन दर्द की समस्या हो सकती है। प्रेम जीवन में धोखा मिल सकता है।

कुंभः आज के दिन आपकी दिनचर्या अस्थिर रह सकती है। नौकरी में आज आपके अधिकार बढ़ सकते हैं। आज के दिन छात्रों को प्रोजेक्ट में सफलता मिलने की संभावना है। मन बेचैन रह सकता है, पर्याप्त विश्राम लें।

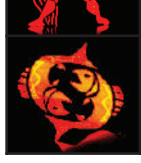
मीनः आज आपको तनाव से राहत मिलेगी। आज के दिन काम में सफलता सहजता से मिलेगी। आज के दिन आप घर के साज-सज्जा की योजना बना सकते हैं। निवेश से लाभ संभव है। विलासिता की ओर झुकाव रहेगा।

रेयर अर्थ मिनरल्स और ईंधन-तेल में आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम

इंजी. राजेश पाठक (हि.स.)

कभी केवल तेल था, अब इसके साथ रेयर अर्थ मिनरल्स भी आ जुड़ा है किसी देश की आर्थिक संप्रभुता को प्रबल बनाए रखने के लिए। क्योंकि जहां कोई भी उत्पादन होता है, वहाँ मैगनेट की जरूरत पड़ती है, जैसे विंड टर्बाइन, विद्युत जेनेरेटर्स ; इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स, एयरक्राफ्ट इंजन, कार आदि। मैगनेट चाहिए तो जरूरी है आपके पास रेयर अर्थ मिनरल्स हों, जिससे ये बनकर तैयार होती है। रेयर अर्थ मिनरल्स आज चीन के पास सर्वाधिक 42 मिलियन टन हैं, जबकि इसके शोधित प्रारूप की दृष्टि से दुनिया की 90% आपूर्ति ये करता है। भारत के पास भी 7 मिलियन टन का वर्तमान रिजर्व है और दुनिया में रूस के बाद पांचवें नंबर पर है; जबकि अमेरिका के पास दुनिया का केवल 2% ही है। वैसे भारत में अभी एक्स्प्लॉरैशन चल रहा है, और संभावना है ये क्षमता 15 मिलियन टन के ऊपर पहुँच सकती है।

अभी स्थिति ये है कि भारत को इसे चीन से आयात करना पड़ रहा है। क्योंकि अब से पहले इसका नियंत्रण देश के पब्लिक सेक्टर 'इंडियन रेयर अर्थ मिनरल्स लिमिटेड' के अधीन था। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो इन सरकार नियंत्रित सेक्टर्स की सुस्त कार्य प्रणाली से सब सुपरिचित हैं। लेकिन अमेरिका के टैरिफ-वार के चलते अब चीन ने इसको शस्त्र के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। साथ ही औद्योगिक विस्तार के साथ भारत की भी आवश्यकता बढ़ गई है। पिछले वर्ष हमें जरूरत थी 4.5 हजार टन की, जबकि देश में उत्पादन हुआ कुछ सौ टन। इसलिए भारत ने अब एक 1000 करोड़ की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेन्टीव -स्कीम भी शुरू कर दी है, साथ ही पब्लिक सेक्टर का एकाधिकार खत्म कर प्राइवेट सेक्टर को आमंत्रित किया जा रहा है। कहते हैं राजस्थान के रेगिस्तान में इसका अथाह भंडार पड़ा है, जहां अभी तक गहरी खुदाई हुई ही नहीं। क्योंकि जिसे करना था वो था पब्लिक सेक्टर का उपक्रम। उसके लिए अब रास्ता खोल दिया गया है, अश्विनी वैष्णव के द्वारा। अब ये काम प्राइवेट सेक्टर सम्पन्न करेगा। इतना भर नहीं, ऑस्ट्रेलिया के पास 6 टन रेयर अर्थ मिनरल्स है। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने समझौता कर निश्चित किया है कि इस दिशा में मिलकर काम करेंगे।

दूसरी तरफ खबर है कि देश में अंडमान के समुद्री तट के निकट तेल का 4.5 बिलियन बैरल्स का बड़ा भंडार मिला है। इतना बड़ा कि जब यहाँ से तेल निकलना शुरू हो जाएगा, तो इसकी मात्रा कम से कम 2.50 लाख बेरल्स प्रति दिन होगी। जबकि वर्तमान में बॉम्बे हाई से सर्वाधिक 1.35 लाख बैरल्स प्रतिदिन प्राप्त होता है। यहाँ 1970 से हमें तेल मिल रहा है जो कि वर्तमान में प्राप्त कुल मात्रा का 35% है। कुछ समय पहले ही हमें बॉम्बे-हाई के पास ही दो जगह तेल के भंडार मिले हैं- सूर्यमणि और वज्रमणि। साथ ही त्रिपुरा में कुछ दिन पूर्व 200 तेल के कुएं में से कुछ में ऑईल एक्स्प्लॉरैशन (अन्वेषण) चल रहा है, तो कुछ में से तेल निकालना भी शुरू कर दिया है। इसी प्रकार कृष्ण-गोदावरी बेसिन में 5 कुँओं में से 45 हजार बैरल्स प्रतिदिन तेल मिलने का अनुमान है। फिर बिहार के समस्तीपुर और यूपी के बलिया जिले में भी तेल पाया गया है।

क्या कारण है कि पिछले कुछ समय से लगातार नित्य नए तेल भंडार का पता चल रहा है ? ऑईल-फील्ड से सामान्यता जहाँ तेल मिलता है, वहाँ गैस भी पायी जाती है। आज की स्थिति में सोनार और राडार तकनीकी और साथ ही रिसोर्स- सेटेलाइट से तेल को खोज निकलने का काम भी शुरू हो चुका है. जबकि इसके पहले पता नहीं क्यों इस और ध्यान ही नहीं दिया गया। इसी प्रकार इस व्यवसाय से जुड़े अन्दर की खबर रखने वालों की मानें तो आयातकों से मिलने वाले भारी कमीशन के चलते कभी निजी कंपनियों को इस क्षेत्र से दूर रखा गया जिससे यथास्थिति बनी रहे लेकिन अब जब से मोदी सरकार केंद्र की सत्ता में आयी 'ओपन लाइसेंसिंग पालिसी' के तहत जो अब तक अप्राप्त रहा उसे पाने के लिए इन निजी क्षेत्र की कंपनियों को भी मौका दिया जाना शुरू हो चुका है। 2016 में सिंगल हाइड्रोकार्बन एक्सप्लोरेशन एण्ड लाईसेंसिंग पालिसी (ल्पएछढ) लागू कर पहले से स्थिति को आसान किया गया है।

आज सुनने में विचित्र लग सकता है, लेकिन पहले तेल के कुएं से अगर कोई कंपनी को तेल निकालने का ठेका मिलता था, तो तेल के साथ निकलने वाली गैस भले हवा में उड़कर व्यर्थ नष्ट हो जाये पर ठेके की शर्त से बंधी कंपनी उसको स्टोर नहीं कर सकती थी।

लेकिन अब नई नीति के अंतर्गत कुएं से प्राप्त होने वाली हर उपयोगी चीज देश हित में कंपनी स्टोर कर सकती है। इतना भर नहीं, अब ओपन एरिया लाइसेंसिंग पालिसी (डअछढ)के अंतर्गत कोई कंपनी तेल को खोज निकालने के काम के प्रस्ताव को भी लेकर आ सकती है। जबकि पहले सरकार के पास ही ये अधिकार सुरक्षित थे और जो कि अपनी सुस्त गति से चलने के लिए अभिशिप्त थे।

पहले डीआरडीओ, कोस्ट गार्ड और इसरो जैसे संगठनों ने बहुत बड़े क्षेत्र को सामरिक दृष्टि से प्रतिबंधित कर रखा था। लेकिन अब सरकार ने इन क्षेत्रों को ऑइल एक्स्प्लॉरैशन के लिए खोल दिया है; साथ ही एक्स्ट्रैक्शन (निकालने) के लिए भी। खबर है, शेवरॉन, एक्सोन मोबिल, फ्रांस की टोटल एनेरजीस जैसी ऑइल एक्स्प्लॉरैशन कॉम्पनियों ने भारत से संपर्क करना शुरू भी कर दिया है। बताया जाता है, अंडमान में जिस तेल भंडार का पता चला है अगर उसकी पूरी क्षमता का उपयोग किया जाए तो उससे हमारी अगले 70 साल की कुल जरूरत संभव हो सकेगी।

दूसरी ओर, पहले कभी तेल के लिए हम खाड़ी देशों पर ही निर्भर थे। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इसके साथ ही दायरा बढ़ाते हुए वेनेजुएला, गुयाना और यूक्रेन-रशियन युद्ध के बाद हमने रूस से तेल लेना शुरू किया। वो भी रुपए में साथ ही 30% डिस्काउंट रेट पर। फिर कतर से भी हमारी डील रुपए में है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार अभी हम 30 से भी अधिक देशों से तेल आयात कर रहे हैं। इतना ही नहीं अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंध लगा रखा था, डॉलर में तेल ले नहीं सकते था। तो हमने चावल के बदले ईरान से तेल खरीदना शुरू कर दिया। साथ ही हमने कतर-गुयाना जैसे देशों के साथ लॉन्ग टर्म ट्रैड-डील साइन कर ली, जिसमें तेल की कीमत शर्तों के अधीन ही तय होंगी, बदलते हालातों से नहीं। आर्कटिक नॉर्थ पोल पर तेल के बड़े भंडार का पता चला और रूस वहाँ पहुँच गया। तो भारत ने कहा हम भी आ रहे हैं आप के साथ। सऊदी अरब में कुछ समय पहले नरेन्द्र मोदी का दौरा हुआ। इसमें सहमति बनी कि सऊदी अरब अपने तेल को भारत में रिफाइन्ड करवाएगा।

अंडमान में सालों से एक गैस-ज्वालामुखी स्थल है। और जो वहाँ घूमने जाता है, वो यहाँ भी आता है। लेकिन हम तेल आयात करते रहे, इस ओर ध्यान ही नहीं दिया गया। कृष्ण-गोदावरी बेसिन में 20 साल पहले तेल मिल चुका था, अब उसको निकालने की दिशा में आगे बढ़ा जा रहा। बॉम्बे हाई पर रिलायंस रिग 40-50% की क्षमता पर काम कर रही थी। अब उसको कहा गया है, ये अधिकतम स्तर तक ले जाया जाए।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अंतरिक्ष की नई उड़ानः एक्सिओम-4 और भारत की वैश्विक पहचान

एक्सिओम-4 मिशन भारत के अंतरिक्ष इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण है। वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ल की सहभागिता से यह मिशन सिर्फ तकनीकी उपलब्धि नहीं बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की उपस्थिति का प्रतीक बन गया है। अमेरिका की एक्सिओम-4 स्पेस और नासा के सहयोग से हुआ यह अभियान भारत को मानव अंतरिक्ष यात्रा के क्षेत्र में नई ऊंचाईयों पर ले गया है। वैज्ञानिक प्रयोगों, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर यह मिशन आने वाले गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की नींव मजबूत करता है।

41 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद जब भारत का कोई प्रतिनिधि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की ओर रवाना हुआ, तो यह महज एक मिशन नहीं था, बल्कि भारत के अंतरिक्ष विज्ञान, वैश्विक कूटनीति और वैज्ञानिक प्रतिष्ठा का पुनर्जन्म था। एक्सिओम-4 मिशन में भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ल की भागीदारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब अंतरिक्ष की दौड़ में सिर्फ एक सहभागी नहीं, बल्कि एक संभावित नेतृत्वकर्ता के रूप में देखा जा रहा है।

इस मिशन के माध्यम से भारत ने एक साथ कई स्तरों पर उपलब्धियाँ प्राप्त कीं। सबसे पहले, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से बात करें तो भारत ने इस मिशन के तहत सात प्रमुख वैज्ञानिक प्रयोग अंतरिक्ष में भेजे। ये सभी प्रयोग सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण पर आधारित थे और इनका उद्देश्य जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझना था। मेथी और मूंग जैसे बीजों पर किया गया अध्ययन भारतीय कृषि तकनीकों की विशिष्टता को अंतरिक्ष तक ले गया। इससे यह प्रमाणित होता है कि भारत की पारंपरिक खेती भी वैज्ञानिक शोध के लिए प्रासंगिक और आधुनिक है।

इसके अतिरिक्त, सूक्ष्मजीवों, माइक्रोएल्गी और मांसपेशियों के पुनरुत्पादन पर आधारित प्रयोगों ने दीर्घकालिक अंतरिक्ष यात्रा में जीवन समर्थन प्रणालियों के विकास में भारत की उपयोगिता को सिद्ध किया। इससे स्पष्ट है कि भारत केवल अंतरिक्ष में मौजूदगी दर्ज कराने नहीं बल्कि उसमें नवाचार और अनुसंधान के स्तर पर योगदान देने आया है।

शुभांशु शुक्ल का स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन यान को सफलतापूर्वक डॉक करना और अंतरिक्ष में आपातकालीन स्थितियों का प्रशिक्षण प्राप्त करना, आने वाले गगनयान मिशन के लिए अमूल्य अनुभव है। यह भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन के लिए एक मजबूत बुनियाद का कार्य करेगा।

एक्सिओम-4 ने यह भी दिखा दिया कि भारत अब व्यावसायिक अंतरिक्ष उड़ानों में भी प्रवेश कर चुका है। एक्सिओम-4 स्पेस और भारतीय स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस के बीच हुआ समझौता दर्शाता है कि भारत अब केवल सरकारी संसाधनों पर निर्भर नहीं रहना चाहता, बल्कि निजी क्षेत्र के सहयोग से सस्ते और

प्रियंका सौरभ (हि.स.)

नवीन समाधान विकसित करने की दिशा में अग्रसर है। यह भारतीय अंतरिक्ष नीति की आत्मनिर्भरता और स्टार्टअप संस्कृति की सफलता की कहानी है।

रणनीतिक दृष्टि से देखें तो एक्सिओम-4 भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते सहयोग का प्रतीक है, विशेषकर आईसीईटी और आर्टेमिस समझौते जैसी व्यवस्थाओं के अंतर्गत। भारत ने इस मिशन के जरिए न केवल अमेरिका बल्कि वैश्विक दक्षिण-उत्तर सहयोग की भावना को भी मजबूती दी। इस मिशन में भारत के साथ पोलैंड और हंगरी जैसे देशों के अंतरिक्ष यात्री भी शामिल थे। यह वैश्विक समावेशिता और साझेदारी का प्रतीक था।

यह मिशन भारत की ₹सॉफ्ट पावर₹ को भी बढ़ावा देता है। जब दुनिया के समाचार चैनलों पर भारत का नाम मानव अंतरिक्ष यात्रा के साथ जोड़ा गया, तो यह सिर्फ तकनीकी नहीं, कूटनीतिक जीत भी थी। भारत ने यह दिखा दिया कि वह केवल उपग्रह भेजने वाला देश नहीं, बल्कि अंतरिक्ष में मानव भेजने और सहयोग करने वाला देश बन चुका है।

एक्सिओम-4 मिशन से भारत के निजी अंतरिक्ष स्टार्टअप्स को भी नया आत्मविश्वास मिला है। स्काईरूट और अग्निकुल कॉसमॉस जैसी कंपनियाँ अब वैश्विक सहयोग की दिशा में अपने कदम बढ़ा रही हैं। यह भारत के लिए निवेश, तकनीकी सहयोग और वैज्ञानिक नवाचार के नए द्वार खोलने वाला साबित हो सकता है।

इसके अतिरिक्त, इस मिशन ने भारत को गगनयान के लिए आवश्यक अनुभव प्रदान किया है। एक्सिओम-४ को विशेषज्ञों ने ₹बीमा नीति₹ की संज्ञा दी है, जिसका तात्पर्य है कि इस मिशन से भारत को उन जोखिमों को समझने और नियंत्रित करने का अवसर मिला जो गगनयान जैसे जटिल मिशनों में सामने आ सकते हैं। साथ ही, यह अनुभव भारत के भविष्य के अंतरिक्ष स्टेशन ₹भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन₹ के निर्माण की दिशा में भी सहायक होगा।

यह भी महत्वपूर्ण है कि शुभांशु शुक्ल को नासा में आठ महीने का कठोर प्रशिक्षण मिला, जिससे भारत को अब अंतरिक्ष यात्रियों की प्रशिक्षण क्षमता को लेकर एक नया मानक मिल गया है। भविष्य में भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को इसी स्तर पर प्रशिक्षित किया जा सकता है।

एक्सिओम-4 मिशन ने भारत को संयुक्त राष्ट्र के ₹संयुक्त राष्ट्र बा' अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग पर समिति₹ जैसे वैश्विक मंचों पर अधिक प्रभावी आवाज प्रदान की है। जब कोई देश मानव अंतरिक्ष उड़ान करता है, तो वह न केवल विज्ञान में बल्कि वैश्विक नीति निर्माण में भी एक नई भूमिका निभाने लगता है।

इस पूरे अभियान ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अब केवल प्रेक्षक नहीं, बल्कि भागीदार है। यह मिशन भारत के लिए एक 'लिफ्ट-ऑफ मोमेंट' साबित हुआ है – एक ऐसा क्षण जब एक राष्ट्र केवल तकनीकी क्षेत्र में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, रणनीति और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में भी उड़ान भरता है।

अब यह आवश्यक है कि भारत इस उपलब्धि को गगनयान जैसे आगामी मिशनों और अंतरिक्ष क्षेत्र में दीर्घकालिक रणनीतियों के साथ जोड़कर आगे बढ़े। नीति निर्माण से लेकर बजट आवंटन तक और अंतरिक्ष शिक्षा से लेकर अंतरराष्ट्रीय सहयोग तक –एक्सिओम-4 जैसे मिशनों को भारत की दीर्घकालिक अंतरिक्ष रणनीति का हिस्सा बनाना होगा।

अंततः एक्सिओम-४ केवल एक उड़ान नहीं थी, यह भारत की वैज्ञानिक प्रतिष्ठा, वैश्विक सहभागिता और भविष्य की अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की संभावनाओं की घोषणा थी। भारत अब अंतरिक्ष की दौड़ में पीछे नहीं, बल्कि अगली पंक्ति में खड़ा है।

सृजन से लोकमंगल

हृदयनारायण दीक्षित (हि.स.)

अस्तित्व की अभिव्यक्ति है प्रकृति। अस्तित्व है अंतहीन। सृजन प्रकृति का धर्म है। प्रतिपल नई कोंपल, नई कली, नव पराग, नव मकरंद। कीट-पतिंग भी नवसृजन हैं। नन्हीं गौरैया के मुंह में दाना डालती गौरैया माता या अपने बच्चे को पेट में चिपकाए इस डाल से उस डाल पर छलांग लगाती बन्दरिया। बछड़े को चाट-चूमकर शक्तिशाली गोवंश तैयार करती गोमाता। सृजन के विधाता देव ब्रह्मा हैं। वे कभी थकते नहीं। बार-बार अथक सृजन। अकथ विस्तार। गीत, काव्य, संगीत और समूचा साहित्य प्रकृति की सृजन शक्ति ही विस्तार है। प्रकृति रचती-गढ़ती है तो यह कर्म प्रकृति है और मनुष्य रचता है तो संस्कृति। प्रकृति में सत चित आनन्द की त्रयी है तो संस्कृति में सत्य, शिव और सुन्दर की त्रय-दिव्यता है। प्रकृति में सुन्दरतम सृजन की गहन अभीप्सा है। मनुष्य प्रकृति का भाग है इसलिए मनुष्य भी सुन्दरतम सृजन की कामना से भरापूरा है। बस चित्त प्रशांत होना चाहिए।

आनन्द हमारी सर्वोत्तम अभीप्सा है। हरेक सृजन का लक्ष्य आनन्द है। यह आनन्द स्वयं तक ही सीमित नहीं है। सृजन धर्म स्वयं का अतिक्रमण करता है और लोक आनन्द व लोकमंगल का हेतु सेतु बनता है। प्रकृति के पास असीम अभिव्यक्ति स्वातन्त्र्य है। प्रकृति का अभिव्यक्ति स्वातन्त्र्य संविधान की देन नहीं। वह वर्षा रचती है, कभी आंधी के साथ, कभी आंधी के पूर्व और कभी आंधी के बाद भी। वह गहन उमस के बीच भी वर्षा ले आती है। आकाश में इन्द्रधनुष रचने के लिए उसे इन्द्र या वरुण देवों की अनुमति नहीं चाहिए। मनुष्य को भी अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता है। इस स्वतन्त्रता का सदुपयोग लोकमंगल के लिए ही होना चाहिए। अन्तस में सत चित आनन्द का गीत है। सत्य, शिव और सुन्दर इसी की अभिव्यक्ति है। भारतीय परंपरा में सृजन का दिक्सूचक यही केन्द्र है।

शाश्वत तत्वों को सृजन का विषय बनाने की भारतीय परम्परा महत्वपूर्ण है। तात्कालिक विकृतियों को हटाना और शाश्वत मूल्यों की प्रतिष्ठा जरूरी है। संस्कृति के सारगर्भ से जुड़ने की यह बात महत्वपूर्ण है। साहित्य का प्रभाव समाज पर पड़ता है और समाज का साहित्य पर भी। रामकथा में रावण के चरित्र वर्णन का समाज पर गहरा असर पड़ा है, कोई भी व्यक्ति अपने बच्चों का नाम रावण नहीं रखता। विभीषण भी नहीं रखता, यद्यपि विभीषण ने राम का सहयोग किया था लेकिन देशभक्ति प्रश्नवाचक थी। लोक ने अच्छे कार्य के बावजूद उसे 'घर का भेदी' ही कहा।

लेखन सृजन निरुद्देश्य नहीं होते। तुलसीदास ने अपने सृजन को 'स्वान्तः सुखाय' बताया था। स्वसुख के लिए काम करना उचित भी है। सबके अपने सुख होते हैं। तुलसी का सुख लोकमंगल का विस्तार है। प्रत्यक्ष भूमण्डल के सभी लोगों और लोकों का मंगल। फिर स्व सुख और स्वान्तः सुख में अन्तर भी है। स्वान्तः में अन्तस का अन्तिम छोर है। भारतीय चिन्तन में स्व अन्तस का अन्तिम छोर विराट से जुड़ा हुआ है। तुलसी के राम अखिल लोकदायक विश्रामा हैं, उनकी राम कथा 'सुरसरि सम सबका हित होई' से ध्येयबद्ध है। सृजन का उद्देश्य लोकमंगल ही है। होना भी चाहिए।

सृजन आनन्दवर्द्धन होता है। इसका लक्ष्य लोकमंगल है। यह निराशा की तमस में आशा का दीप प्रज्वलन है। शाश्वत और चिरन्तन का नूतन आख्यान है। दृश्यमान विभाजित अनेकता के भीतर एकता का दर्शन है और सामूहिक उल्लास का संयोजन भी। भरत मुनि ने नाट्यशास्त्र में सुखान्त पर जोर दिया था। सांस्कृतिक मयार्दा का संवर्द्धन और शीलरस का संवर्द्धन भी साहित्यकार का दायित्व है। कथित प्रगतिशीलता में नेह-स्नेह के आत्मीय रिश्तों के प्रति आक्रामकता है। पिता भारतीय परम्परा में देव कहे गए हैं। हम सब माता-पिता का विस्तार हैं। वे न होते तो हम न होते लेकिन नवलेखन में प्रायः माता-पिता की वैसी प्रतिष्ठा नहीं है। महाभारतकार भी कवि या साहित्यकार थे। उनके सृजन में यक्ष प्रश्न हैं। यक्ष ने पूछा, 'युधिष्ठिर। धरती से भी भारी क्या है? और आकाश से भी ऊंचा क्या?' युधिष्ठिर ने कहा, 'माता पृथ्वी से भारी है और पिता आकाश से भी ऊंचा।' ऐसे लेखन में माता-पिता की प्रतिष्ठा है। परिवार प्रीतिकर संस्था है। प्रगतिशीलता उसे तोड़ रही है।

परिवार का विकल्प नहीं। परिवार को मजबूत करने वाला लेखन समय की आवश्यकता है। ऋग्वेद में नदियों को प्रणाम किया गया है। नदियां प्रणाम के योग्य हैं भी। वे जलमाताएं हैं। विज्ञान भी नदियों की महत्ता स्वीकार कर चुका है। वैदिक साहित्य में विश्वामित्र और नदी का संवाद अनूठा है। विश्वामित्र जैसे पूर्वजों ने नदियों से संवाद में भरतवंशियों की तरफ से तमाम आश्वासन दिए थे। वे आश्वासन हमारे साहित्य का हिरण्य कोष हैं। लेकिन हम सबने वे आश्वासन तोड़े हैं। नदी और मनुष्य की प्रीति शून्य हो चुकी है। नदियों ने कहा था, 'यह संवाद याद रखना, हमारा ध्यान रखना। तुम पार उतरो, हम वैसे ही नीचे झुक रही हैं जैसे बच्चे को स्तनपान कराने के लिए मां झुकती है।' विश्वामित्र ने कहा था, 'हे नदियों, मैं आपकी स्तुति करता रहूंगा।' सामन्ती काल में अनेक चारण राजाओं की प्रशंसा गाते थे। लेकिन वे स्तोता नहीं थे, उनके गायन स्तुति नहीं थे और न ही स्तोत्र। स्तोता होना बड़ी कठिन साधना है। मन, क्रम, वचन और अन्तस से उगा सृजन ही किसी को स्तोता बनाता है। विश्वामित्र ने नदियों को आश्वासन दिया था हम भारत के लोग आपके स्तोता रहेंगे, जलमाताओं का पोषण करेंगे, तन से, मन से।

वैदिक साहित्य में प्रकृति के कण-कण के प्रति आत्मीयता है। कथित प्रगतिशील दृष्टि में प्रकृति उपभोक्ता सामग्री है और भारतीय परम्परा में यही प्रकृति नमस्कारों के योग्य है। तुलसीदास के सृजन में भौतिक जगत सीयराममय है और बारम्बार प्रणम्य है- सीयराम मय सब जग जानी करूऊँ प्रणाम जोरि जुग पानी। प्रकृति के प्रति अंगांगी भाव की सतत अभिव्यक्ति जरूरी है। भारतीय संविधान में राज्य के नीति निदेशक तत्व हैं। लेखन, सृजन के भी नीति निदेशक तत्व हैं। भले ही वे संहिताबद्ध नहीं हैं, लेकिन उनका अस्तित्व है। मां-पिता की प्रतिष्ठा महत्वपूर्ण तत्व है। कथा, कहानी और काव्य में इस तत्व को ध्यान में रखना चाहिए। स्त्री आदरणीया है, माँ है, बहन है, पुत्री है, श्रद्धेय है। सम्पूर्णता का भाग है। उसे अलग करके देखना-लिखना अनुचित है। भारतीय काम सेक्स नहीं, सृजन अभिलाषा है। यहाँ काम भी अध्यात्म है।

हम सांस्कृतिक राष्ट्र हैं। करोड़ों भरतवंशी एक जन हैं। इनकी एक एकात्म अनुभूत संस्कृति है। इस संस्कृति का विकास दर्शन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से परिपूर्ण हमारे पूर्वजों ने ही किया था। उन पूर्वजों, अग्रजों, मार्गदर्शकों के प्रति आदरभाव का पुरश्चरण अपरिहार्य है और सांस्कृतिक तत्वों का भी। लेखन में हम कल्पना के पंख लगाकर उड़ते हैं, यथार्थवादी भी हो सकते हैं लेकिन भारतीय शील-मयार्दा के गंधमादन क्षेत्र के मधुरसा का उल्लंघन उचित नहीं। मधुरसा सांस्कृतिक प्रवाह का संवर्द्धन ही सृजन का ध्येय है। विचार अभिव्यक्ति की बातें ठीक हैं, लेकिन विकार-अभिव्यक्ति की नहीं।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

युद्ध नशों विरुद्ध के 120वें दिन पंजाब पुलिस द्वारा 114 नशा तस्कर गिरफ्तार; 4.1 किलो हेरोइन, 9.6 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद

पुलिस टीमों द्वारा छह जिलों में 332 मेडिकल स्टोरों की जांच

संवाददाता

चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर चल रहे ₹ युद्ध नशों विरुद्धह्व के 120वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 114 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 4.1 किलो हेरोइन और 9.6 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की है। इस प्रकार सिर्फ 120 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 19,735 हो गई है।

यह विशेष ऑपरेशन पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव के निर्देशों पर पंजाब के सभी 28 जिलों में एक साथ चलाया गया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस आयुक्तों, उपायुक्तों और एसएसपी को पंजाब को नशा मुक्त बनाने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। पंजाब सरकार ने नशों के खिलाफ इस अभियान की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में पांच सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी भी गठित की है।

ऑपरेशन का विवरण देते हुए स्पेशल डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) अर्पित शुक्ला ने बताया कि 85 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 1100 से अधिक पुलिस कर्मचारियों की भागीदारी वाली 180 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्यभर में 367 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान राज्य भर में 77 एफआईआर दर्ज की गईं। उन्होंने आगे बताया कि पूरे दिन चले इस अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने 399 संदिग्ध व्यक्तियों की भी जांच की।

स्पेशल डीजीपी ने बताया कि पंजाब सरकार ने नशों के खात्मे के लिए ह्यतीन स्तरीय रणनीतिह्न - प्रवर्तन (इन्फोर्समेंट), नशा मुक्ति (डी एडिक्शन) और रोकथाम (प्रिवेंशन) - लागू की है और पंजाब पुलिस ने इस रणनीति के तहत आज 54 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास के लिए इलाज लेने के लिए तैयार किया है।

नशा छुड़ाने के प्रयासों के तहत पंजाब पुलिस ने 54 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और इलाज करवाने के लिए राजी किया

इसके साथ ही पुलिस टीमों द्वारा आज कमिश्नरेट जालंधर, होशियारपुर, एसबीएस नगर, जालंधर ग्रामीण, कपूरथला और रूपनगर सहित छह जिलों में 332 दवा दुकानों (मेडिकल स्टोरों) की भी जांच की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं वहां से नशीली गोलियां या अन्य मादक दवाएं तो नहीं बेची जा रही हैं और वे दवाइयों की बिक्री से जुड़े निर्धारित नियमों का पालन कर रहे हैं या नहीं।

अमृतसर उत्तरी के विधायक कुंवर विजय प्रताप आम आदमी पार्टी से निलंबित

एजेंसी (हि.स.)

चंडीगढ़

पंजाब की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आआपा) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अमृतसर उत्तरी विधानसभा सीट से विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह को पांच साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया है। कुंवर विजय प्रताप सिंह पंजाब कैडर के पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं और वे अपनी सरकार की कार्य प्रणाली से असंतुष्ट थे। बिक्रमजीत सिंह मजीठिया की गिरफ्तारी के बाद कुंवर प्रताप के बयानों से पार्टी उनसे नाराज चल रही थी।

अमृतसर उत्तरी विधानसभा सीट से विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह पंजाब कैडर के आईपीएस अधिकारी रह चुके हैं। उन्हें आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी में शामिल किया था। कुंवर विजय प्रताप सिंह पंजाब में विभिन्न पदों पर रहते हुए कई बड़े मामलों को बेनकाब करने को लेकर जहां सुर्खियों में रहे, वहीं वर्ष 2022 में हुए चुनाव से पहले उन्होंने आम आदमी पार्टी ज्वाइन की। आम आदमी पार्टी ने उन्हें अमृतसर उत्तरी सीट से उम्मीदवार बनाया था और वे जीत गए थे।

कुंवर विजय प्रताप सिंह बरगाड़ी गोली कांड पर दी गई अपनी रिपोर्ट पर सरकार की ओर से कोई कार्रवाई न किए जाने को लेकर नाराज थे। वह विधानसभा के भीतर और बाहर कई बार मौजूदा सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा चुके थे। हाल ही में उन्होंने विजिलेंस ब्यूरो द्वारा अकाली नेता विक्रमजीत सिंह मजीठिया को गिरफ्तार किए जाने के बाद मजीठिया के पक्ष में बयान दिया था। जिसके बाद पार्टी हाईकमान उनसे नाराज चल रही थी। मजीठिया की गिरफ्तारी के बाद कुंवर विजय प्रताप सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि वर्ष 2022 में जब बिक्रमजीत मजीठिया जेल में थे तब पंजाब सरकार ने न तो उनसे कोई पूछताछ की न ही कोई चालान पेश किया गया और बाद में उन्हें जमानत मिल गई।

विजय प्रताप ने मजीठिया की गिरफ्तारी पर कहा था कि वह मजीठिया से पहले भी असहमत थे और आगे भी असहमत रहेंगे लेकिन परिवार की इज्जत सभी की साझी होती है। चाहे वह नेता हो या अभिनेता अमीर हो या गरीब, दोस्त हो या विरोधी। आम आदमी पार्टी विधायक विजय प्रताप ने कहा था कि विजिलेंस की रेड डालना गलत है और पूर्व सरकारों की तरह मौजूदा सरकार भी विजिलेंस का दुरुपयोग कर रही है। कुंवर विजय प्रताप के इन बयानों से नाराज पार्टी ने रविवार को एक पत्र जारी करके उन्हें पांच साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया है। पार्टी ने यह कार्रवाई करके कई नेताओं को अनुशासन का पाठ पढ़ाया है।

क्रिकेट खेलते-खेलते मैदान में दिल का दौरा पड़ने से खिलाड़ी का निधन

एजेंसी (हि.स.)

चंडीगढ़

पंजाब के फिरोजपुर जिले में रविवार को क्रिकेट खेलते समय एक नौजवान का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। हादसा उस समय हुआ जब हरजीत सिंह ने छक्का मारा और अगले ही पल मैदान पर गिर पड़े। इस घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है।

फिरोजपुर के गुरुहरसहाय में रविवार सुबह डीएवी स्कूल के मैदान में कुछ युवा सामान्य की भांति क्रिकेट खेल रहे थे। क्रिकेट खेलते समय 49 रन बनाकर खेल रहे नौजवान हरजीत सिंह ने एक बॉल पर छक्का मार दिया। एक अन्य खिलाड़ी बॉल लेने के लिए चला गया और हरजीत सिंह साथी बैटसमैन से बात करने लगा। इसी दौरान हरजीत सिंह को दिल का दौरा पड़ गया। साथी खिलाडियों ने उसे पहले सीपीआर दिया। इसके बाद हरजीत को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में मौत का कारण दिल का दौरा बताया जा रहा है। पेशे से बढ़ई हरजीत शौकिया तौर पर क्रिकेट खेलता था। इस घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया।

डॉ. साजीना खान को मुंबई में मिला मिसेज रॉयल ग्लोबल क्वीन इंटरनेशनल 2025 का खिताब

संवाददाता

चंडीगढ़

चंडीगढ़ से ताल्लुक रखने वाली बहुआयामी व्यक्तित्व की धनी लेखिका, शिक्षिका और लाइफ कोच डॉ. साजीना खान को मिसेज फैब्युलस विनर झ्र रॉयल ग्लोबल क्वीन इंटरनेशनल 2025 के खिताब से नवाजा गया। यह भव्य आयोजन कल मुंबई में डॉ. नीलम पराडिया के नेतृत्व में टोपाज इवेंट्स द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें दुनिया भर से प्रतिभागियों ने इस प्रतिष्ठित ताज के लिए प्रतिस्पर्धा की।

भावनाओं से अभिभूत डॉ. साजीना खान ने इस जीत को वर्षों की मेहनत, उद्देश्य और समर्पण का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक खिताब नहीं था – यह मेरी यात्रा, संघर्ष और सपनों का एक निर्णायक क्षण में मिलन था। उनकी यह यात्रा प्रेरणादायक रही। फाइनल से ठीक एक दिन पहले वे दुबई में ग्लोबल लिटरेरी लीजेंड अवार्ड प्राप्त कर रही थीं। वहाँ से सीधे मुंबई आईं – अंतरराष्ट्रीय यात्रा, प्रतियोगिता की तैयारियों और अपनी सातवीं किताब पर काम करते हुए उन्होंने संतुलन बनाए रखा, जो उनके समर्पण और दृढ़ता का प्रमाण है।

डॉ. खान ने मंच का उपयोग खासकर महिलाओं और युवाओं के लिए साहित्यिक सशक्तिकरण और भावनात्मक उपचार को बढ़ावा देने के अपने मिशन को उजागर करने के लिए किया। उन्होंने कहा कि कहानियों के माध्यम से मैंने लोगों को खामोशी से ताकत की ओर बढ़ते देखा है। उन्होंने लेखन कार्यक्रम, मानसिक स्वास्थ्य संवाद और मार्गदर्शन की पहल शुरू करने की योजना साझा की।

संक्षिप्त-समाचार

रिश्वत लेते सब-इंस्पेक्टर को विजिलेंस ब्यूरो ने किया काबू

चंडीगढ़। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही सख्त मुहिम के दौरान, जिला फाजिल्का के थाना अमीर खास में तैनात सब-इंस्पेक्टर (एस.आई.) रवीपाल को 8,000 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया है। इस संबंध में आज यहां जानकारी देते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि यह गिरफ्तारी फिरोजपुर जिले के गुरूहर सहाए निवासी की शिकायत के आधार पर की गई है। प्रवक्ता ने आगे बताया कि शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो से संपर्क कर आरोप लगाया था कि आरोपी एस.आई. ने हाईकोर्ट में एक रिट पिटिशन का जवाब तैयार करने और जमा करवाने तथा शिकायतकर्ता के खिलाफ दर्ज पुलिस केस से संबंधित चार्जशीट जिला अदालत में पेश करने के बदले 10,000 रुपए रिश्वत की मांग की थी। प्रवक्ता ने बताया कि शिकायत की जांच के बाद विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाकर उक्त पुलिस कर्मचारी को दो सरकारी गवाहों की उपस्थिति में शिकायतकर्ता से 8,000 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत विजिलेंस ब्यूरो थाना, फिरोजपुर रेंज में मामला दर्ज कर लिया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी को कल अदालत में पेश किया जाएगा और मामले की आगे की जांच जारी है।

शिवांगी ने की को-स्टार हर्षद की एनर्जी और टैलेंट की दिल खोलकर तारीफ

चंडीगढ़ । लोकप्रिय टेलीविजन शो बड़े अच्छे लगते हैं नया सीजनह्न सिर्फ अपनी भावनात्मक कहानी के लिए ही नहीं, बल्कि अपने लीड पेयर हर्षद चोपड़ा (ऋषभ) और शिवांगी जोशी (भाग्यश्री) के बीच की लाजवाब रोमांटिक केमिस्ट्री के लिए भी दर्शकों के बीच खासा चर्चित हो रहा है। जहां दर्शक ऑन-स्क्रीन उनकी परफॉर्मेंस के दीवाने हैं, वहीं पर्दे के पीछे भी दोनों की आपसी सराहना देखने को मिल रही है। हाल ही में शिवांगी जोशी ने हर्षद के साथ काम करने के अनुभव को लेकर अपने विचार साझा किए और अपने को-स्टार के लिए सिर्फ तारीफ ही की। अपने को-स्टार के बारे में शिवांगी ने कहा, ₹हर्षद सेट पर हर दिन एक अलग ही ऊर्जा लेकर आते हैं। उनकी डेडिकेशन और टैलेंट वाकई प्रेरणादायक है। उनके अभिनय में एक सहजता है जो हमारे सीन को और प्रभावशाली बना देती है। समय के साथ हमारे बीच एक खूबसूरत बॉन्ड बन गया है। हमारे बीच आपसी सम्मान और सहजता है, जो इमोशनल सीन को गहराई देने में बहुत मदद करती है। इन दोनों की केमिस्ट्री शो की सबसे बड़ी खासियतों में से एक बन गई है, और साफ दिखता है कि ऑफ-स्क्रीन उनकी अच्छी ट्यूनिंग ही उन इमोशन से भरपूर पलों को जन्म देती है जिनसे दर्शक जुड़ जाते हैं।

खाद्य सुरक्षा टीम ने की जांच, खाद्य एवं पेय पदार्थों के 7 नमूने एकत्रित किए

जालंधर। खाद्य एवं पेय पदार्थों में मिलावट की रोकथाम के लिए उठाए जा रहे कदमों की कड़ी के तहत खाद्य सुरक्षा टीम जालंधर ने कमिश्नर खाद्य एवं ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन दिलराज सिंह के निर्देशानुसार शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों के 7 नमूने एकत्रित किए। सहायक कमिश्नर खाद्य डॉ. हरजोत पाल सिंह की देख-रेख में खाद्य टीम ने मिट्ठू बस्ती और बस्ती शेख रोड क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों से संबंधित विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों के 7 नमूने आगे की जांच के लिए एकत्रित किए गए, जिनमें खाद्य तेल, घी, चायपत्ती, कद्दू आदि शामिल है। इस दौरान टीम ने खाद्य विक्रेताओं को उनकी वार्षिक आय के अनुसार खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लाइसेंस प्राप्त करने के बारे में भी जागरूक किया। सहायक कमिश्नर ने कहा कि शहरवासियों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ सुनिश्चित करने के लिए यह निरीक्षण अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा।

गुरसेवा क्लिनिक एंड डायग्नोस्टिक सेंटर ने किया निशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन

मोहाली । स्थानीय फेज 11 में गुरुद्वारा श्री सिंह सभा के पास स्थित गुरसेवा क्लिनिक एंड डायग्नोस्टिक सेंटर ने निशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया जिसमें 40 से अधिक लोगों ने श्वास ,छाती एवं एलेर्जी से जुडी बिमारियों का टैस्ट करवाया और चिकित्सीय परामर्श का लाभ उठाया । डॉक्टर प्रभनूर सिंह ने बताया कि गुरसेवा क्लिनिक में ओपीडी सेवाएं, डे केयर सुविधा, अल्ट्रासाउंड, ईसीजी, डिजिटल एक्स-रे और रक्त परीक्षण जैसी सभी सुविधाएं कम कीमतों पर एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। हर शुक्रवार को निःशुल्क स्पाइरोमीट्री कैंप का आयोजन किया जाता है, जिससे अस्थमा और सीओपीडी जैसी सांस की बीमारियों की जल्द पहचान और प्रबंधन में मदद मिलती है। गुणवत्ता, पारदर्शिता और सेवा भावना के साथ काम करने वाला यह क्लिनिक फेज 11 और आस-पास के क्षेत्रों के लोगों का भरोसा जीत रहा है। बिना किसी अनावश्यक खर्च के, सटीक जांच और अनुभवी परामर्श इस क्लिनिक की विशेषता हैं।

भगवंत मान सरकार के अथक प्रयासों से पठानकोट की लीची ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में बनाई जगह

संवाददाता

चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने राज्य के लीची किसानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कदम रखने के लिए बधाई दी। उल्लेखनीय है कि पंजाब की लीची अब देश की सीमाओं को पार कर दोहा, कतर तक पहुँच गई है।

यहाँ जारी एक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पंजाब के उत्पादों को वैश्विक बाजारों तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप पहली बार पठानकोट की मीठी और स्वादिष्ट लीचियां दोहा, कतर के स्टोर्स तक पहुँच चुकी हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब के किसानों ने अपनी कठिन मेहनत और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के बलबूते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान प्राप्त कर एक नया अध्याय रचा है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आने वाले समय में पंजाब की उपजाऊ मिट्टी में उगने वाले फलों के साथ-साथ राज्य के अन्य उत्पाद भी देश और दुनिया के बाजारों में पेश किए जाएंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह पंजाब के किसानों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि पहली बार यह स्वादिष्ट मीठी लीचियां अंतरराष्ट्रीय बाजार की शेल्फों पर बिक रही हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह मील का पत्थर पंजाब के मेहनती और काबिल किसानों के लिए वैश्विक स्तर पर मान्यता के एक नए युग की शुरूआत का संकेत है।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार पहले से ही फलों और सब्जियों की खेती को प्रोत्साहित कर फसल विविधीकरण को मजबूती देने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। उन्होंने बल देकर कहा कि किसानों को उनकी आय बढ़ाने के लिए पारंपरिक गेहूं-धान के चक्र से बाहर निकालना बेहद आवश्यक है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब में फलों और सब्जियों की खेती के लिए असीम संभावनाएं हैं और सरकार राज्यभर में फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए नई पहल करती रहेगी।

डिप्टी कमिश्नर ने प्लाट मालिकों को 10 जुलाई तक खाली प्लाटों से कूड़ा-कचरा हटाने के दिए निर्देश

संवाददाता

जालंधर

डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने जिले भर के प्लाट मालिकों को 10 जुलाई 2025 तक अपने खाली प्लाटों से कूड़ा-कचरा व अन्य अपशिष्ट हटाने के सख्त निर्देश जारी किए है और चेतावनी दी है कि निर्देशों का पालन न करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डा. अग्रवाल ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि खाली प्लाटों में कूड़े-कचरे के ढेर और रुका हुआ बरसाती पानी लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है, क्योंकि इनमें हानिकारक बैक्टीरिया और कीड़े पनपते है, जिनसे विशेषकर मानसून के मौसम में कई तरह की बीमारियां फैलने का खतरा रहता है। बी.एन.एस.एस. की धारा 163 के तहत आदेश जारी करते हुए डा. अग्रवाल ने प्लाट मालिकों की जिम्मेदारी तय की है कि वे जन स्वास्थ्य की रक्षा के लिए अपने प्लाटों की सफाई सुनिश्चित करें।

मानसून के दौरान बीमारियों से बचाव के लिए आदेश जारी; सरकारी विभाग द्वारा कूड़ा-कचरा साफ करने पर रिकवरी की कार्यवाही होगी शुरू

उन्होंने आगे निर्देश दिए कि प्लॉट मालिकों को कचरे के अवैध डंपिंग को रोकने के लिए अपने खाली प्लॉट के चारों ओर चारदीवारी या फेसिंग का निर्माण करना चाहिए। सरकारी विभागों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में खाली जमीनों सहित खाली संपत्तियों से कचरा साफ करवाएं। डिप्टी कमिश्नर ने अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (शहरी विकास) और नगर निगम जालंधर को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में इन आदेशों को सख्ती से लागू करें और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने इन विभागों को यह भी निर्देश दिए कि यदि 10 जुलाई, 2025 के बाद सरकारी एजेंसियों द्वारा इनमें से किसी भी प्लॉट की सफाई की आवश्यकता होती है तो प्लॉट मालिकों के खिलाफ वसूली प्रक्रिया शुरू करें। डा.अग्रवाल ने जोर देकर कहा कि ये आदेश पूरी तरह से सार्वजनिक स्वास्थ्य के हित में नागरिकों को बीमारियों से बचाने के लिए जारी किए गए है, खासकर चल रहे मानसून के मौसम के दौरान जब वेक्टर जनित बॉर्न बीमारियां तेजी से फैल सकती है। उन्होंने स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने और निवासियों के स्वास्थ्य की रक्षा करने के लिए जालंधर प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई।

परेशानी

जलभराव से आम लोगों के आवगमन में भारी परेशानी

बारिश से राजपुरा हुआ जलमग्न, उजागर हुई खस्ता हाल पानी निकासी की व्यवस्था, प्रशासन पूरी तरह बेखबर

एजेंसी

राजपुरा

शहर में शनिवार हुई बारिश ने नगर कौंसिल की पोल खोल कर रख दी है। बारिश के बाद शहर की सड़कों पर जमा हुए पानी की निकासी भी अच्छी तरह से नहीं हो सकी। इससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालात यह थे कि सड़कों पर पैदल चलना तो दूर की बात वाहनों से भी निकलना लोगों का मुश्किल हो रहा था कई लोगों के वाहनों में पानी भर जाने की वजह से उनके वाहन बंद हो गए तथा वह खड़े पानी में से अपने वाहनों को घसीटते हुए नजर आए। ऐसा ही हाल शहर की मुख्य बाजार शास्त्री मार्केट, जवाहर मार्केट, बांस बाजार, महावीर मंदिर रोड, कालका रोड, पुराना राजपुरा, गौशाला रोड, ठाकुरद्वारा रोड, गुरु अर्जुनदेव कॉलोनी की मुख्य सड़क पर बारिश का पानी देखने को मिला जहां पर कई दुकानों के अंदर तक पानी घुस गया, वहीं शहर के अंडरब्रिज के नीचे पानी भर जाने से वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। लोगों का इतना बुरा हाल देखने को मिला कि लोग वहां के खड़े पानी से पैदल निकलने में भी परहेज करने लगे। समाज सेवी कमल वर्मा ने बताया कि नगर कौंसिल को प्रापर्टी टैक्स के रूप में अच्छी खासी आमदन होती है लेकिन दुकानदारों को किसी भी प्रकार की सुविधा नहीं दी जाती। नगर कौंसिल को कई बार शिकायत करने के बावजूद भी मामला जस का तस बना हुआ है। इस संबंध में नगर कौंसिल के प्रधान नरेंद्र शास्त्री ने बताया कि यह ज्यादा मामला महावीर मंदिर के नजदीक का है जहां नई पाइप लाइन डाली गई थी जिससे पानी की निकासी ना होने के कारण समस्या आई हो सकती है इसके लिए नीचे पाइप लाइन में मिट्टी जमा है या कोई और अन्य कारण इसकी जांच कर जल्द पानी की निकासी के उचित प्रबंध करवाए जाएंगे ताकि दुकानदारों व इलाका वासियों को राहत मिल सके।

राजेंद्र नाथ लाहिड़ी का बलिदान राष्ट्र की अमित धरोहरः योगी

मुख्यमंत्री ने 'काकोरी ट्रेन एक्शन' के नायक राजेंद्रनाथ लाहिड़ी की जयंती पर उनको नमन किया

कहा, वीर नायक, महान क्रांतिकारी राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ के 'काकोरी ट्रेन एक्शन' के नायक राजेंद्रनाथ लाहिड़ी की जयंती पर उनको नमन करते हुए कहा कि उनका बलिदान राष्ट्र की अमित धरोहर है।

योगी आदित्यनाथ ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में कहा, 'काकोरी ट्रेन एक्शन' के वीर नायक, महान क्रांतिकारी राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन! इसी पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा, आपका (लाहिड़ी) बलिदान राष्ट्र की अमित धरोहर है, जो हमें सदैव देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा का पथ दिखाता रहेगा। राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी का जन्म 29 जून 1901 को बंगाल में वर्तमान पावना जिला के मोहनपुर गांव में हुआ था।

परिस्थितियों के कारण मात्र नौ वर्ष की उम्र में ही वह बंगाल से अपने मामा के घर उत्तर प्रदेश के वाराणसी आ गए। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में उनकी शिक्षा-दीक्षा हुई। उन दिनों वाराणसी क्रांतिकारी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र हुआ करता था। अंग्रेजी हुकूमत से लड़ने के लिए ब्रिटिश माउजर (राइफल) खरीदने के वास्ते पैसे का प्रबंध करने के लिए पं. रामप्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खां के साथ मिलकर राजेन्द्र लाहिड़ी ने अपने आधा दर्जन अन्य सहयोगियों के साथ नौ अगस्त 1925 की शाम सहारनपुर से चलकर लखनऊ पहुंचने वाली आठ डाउन ट्रेन पर काकोरी रेलवे स्टेशन पर धावा बोल दिया और सरकारी खजाना लूट लिया।इस घटना का मकसद था कि इस लूट से इकट्ठा होने वाले पैसों से हथियार खरीदे जाएं और भारत पर कब्जा करने वाले अंग्रेजों के खिलाफ उनका इस्तेमाल किया जाए। अंग्रेजों ने इसे डकैती का नाम दिया और इसमें शामिल राष्ट्रनायकों को अपराधी करार दिया। इतिहास में इस घटना को 'काकोरी कांड' के नाम से जाना गया, लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार ने इस घटना के नाम में बदलाव कर इसे 'काकोरी ट्रेन एक्शन' कहा।

इस मामले में चार क्रांतिकारियों राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी, पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह और अशफाक उल्ला खां को फांसी की सजा सुनाई गई।अंग्रेजी हुकूमत द्वारा सभी क्रांतिवीरों को प्रदेश की अलग-अलग जेलों में रखा गया। राजेन्द्र नाथ लाहिडी को गोंडा जेल भेजा गया, जहां उन्हें 17 दिसंबर 1927 को फांसी पर लटका दिया गया।

उत्तराखंडः चारधाम यात्रा एक दिन के लिए स्थगित

देहरादून। उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश के कारण पर्वतीय जनपदों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। नदी-नाले उफान पर हैं। भारी वर्षा और भूस्खलन की आशंकाओं को देखते हुए चारधाम यात्रा को अगले 24 घंटे के लिए स्थगित किया गया है।यात्रियों और लोगों की सुरक्षा को लेकर संबंधित जिलों के प्रशासन को अलर्ट पर रखा गया है और राहत व बचाव दलों को सक्रिय किया गया है। गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान मौसम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की जानमाल की सुरक्षा के मद्देनजर यह एहतियाती कदम उठाया गया है, ताकि मार्गों पर फंसे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जा सके।कमिश्नर ने बताया कि आगे की यात्रा को लेकर निर्णय कल मौसम की स्थिति और मार्गों की समीक्षा के पश्चात लिया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और मौसम सामान्य होने तक यात्रा स्थलों की ओर प्रस्थान न करें।

ओडिशा भगदड़ मामलाः डीजीपी ने घटनास्थल का जायजा लिया, 3 श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि

फोटोः हि.स.

जांच शुरू, अन्य घायल

एजेंसी (हि.स.)

भुवनेश्वर

पुरी के गुंडीचा मंदिर के पास रविवार तड़के हुई भगदड़ की घटना के बाद ओडिशा के पुलिस महानिदेशक वाई.बी. खुरानिया ने मौके पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया। हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं।

डीजीपी खुरानिया ने बताया कि हादसे की जांच शुरू कर दी गई है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए त्वरित सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे दर्शन के दौरान पुलिस के निर्देशों का पालन करें और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में मोबाइल फोन से तस्वीरें लेने से बचें, क्योंकि इससे अव्यवस्था फैल सकती है।

हम श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित और व्यवस्थित दर्शन सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से विभिन्न स्थानों पर पुलिस द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन का अनुरोध किया है। उधर, पुरी के जिलाधिकारी सिद्धार्थ शंकर स्वाईं ने तीन श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मृतकों के शवों का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, छह लोग घायल हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी की स्थिति स्थिर बताई जा रही है।घटना रविवार सुबह लगभग 4:20 बजे उस समय हुई जब 'पहुड़ा' अनुष्ठान के बाद भारी संख्या में श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए उमड़ पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उसी समय ह्यचरमालाह्न लकड़ी से लदा एक ट्रक अचानक भीड़ में प्रवेश कर गया, जिससे भगदड़ मच गई और लगभग श्रद्धालु घायल हो गए।

प्रशासन ने घटनास्थल पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है और अतिरिक्त बल की तैनाती की गई है। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि रथ यात्रा के सुचारु संचालन के लिए सभी को संयम और सतर्कता बरतनी चाहिए।

भारत-पाक सीमा के करीब युवक और नाबालिग लड़की के शव मिले

एजेंसी (हि.स.)

जैसलमेर

जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के समीप करीब 10-12 किलोमीटर अंदर भारतीय सीमा क्षेत्र साधेवाला में एक युवक और एक नाबालिग लड़की के सड़े-गले शव बरामद हुए हैं। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार शव करीब सात दिन पुराने हैं।

फोटोः हि.स.

पाकिस्तानी सिम व आईडी कार्ड बरामद

शवों के पास से पाकिस्तान की सिम और एक आईडी कार्ड भी मिला है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि दोनों युवक-युवती पाकिस्तानी हो सकते हैं। एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि बरामद आईडी कार्ड में युवक का नाम रवि कुमार (18 वर्ष) लिखा हुआ है। शव सीमा क्षेत्र के काफी अंदर साधेवाला इलाके में पड़े मिले हैं। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) और स्थानीय पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी है। शवों को रामगढ़ सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया गया है। पोस्टमार्टम के बाद मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल, यह साफ नहीं हो पाया है कि युवक और लड़की भारतीय हैं या पाकिस्तान के। घटना की गंभीरता को देखते हुए बीएसएफ, पुलिस और खुफिया एजेंसियां मामले की गहन जांच में जुट गई हैं। सीमावर्ती गांवों में पूछताछ की जा रही है। संभावना जताई जा रही है कि दोनों वीजा पर भारत आए हो सकते हैं या तारबंदी पार कर अवैध रूप से भारतीय सीमा में घुसे हों। एजेंसियां यह भी पता लगाने में लगी हैं कि कहीं मामला जासूसी, घुसपैठ या अंतरराष्ट्रीय तस्करी से तो जुड़ा नहीं है।

इजराइल ने हमास के टॉप कमांडर इसा अल-इसा को मार गिराने का दावा किया

तेल अवीव। हमास के साथ संघर्ष में इजराइल को अहम कामयाबी मिली है। इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने दावा किया है कि उसने हमास की मिलिट्री विंग के संस्थापकों में से एक हखाम मुहम्मद इसा अल-इसा को मार गिराया है। अल-इसा को 7 अक्तूबर को इजराइल पर हुए हमले का मास्टरमाइंड माना जाता है। आईडीएफ ने शनिवार देर रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स इसकी जानकारी देते हुए बताया है कि उसने हखाम मुहम्मद इसा अल-इसा को मार गिराया है। आईडीएफ के मुताबिक अल-इसा हमास की सैन्य शाखा का संस्थापक था जिसने हमास की ताकत बढ़ाने, ट्रेनिंग कराने और 7 अक्तूबर के नरसंहार की योजना बनाई थी। इजराइल ने अपना इरादा साफ करते हुए कहा है कि वह 7 अक्तूबर के हमले में शामिल सभी आतंकियों को तलाश कर खत्म करने की रणनीति पर काम कर रहा है।

उत्तराखंडः यमुनोत्री हाईवे पर सिलाई बैंड के पास फटा बादल, 8 से 9 मजदूर लापता

बादल फटने से 10 मीटर यमनोत्री हाइवे बह गया

एजेंसी (हि.स.)

उत्तरकाशी

फोटोः हि.स.

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में शनिवार आधी रात यमुनोत्री क्षेत्र में सिलाई बैंड के पास बादल फटने से भारी नुकसान हुआ है। यहां 8-9 मजदूरों के लापता होने की सूचना है। मौके पर पुलिस, प्रशासन, एसडीआरएफ ने रेस्कक्यू शुरू कर दिया है।

यमनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर पालीगाड से 4 किलोमीटर आगे सिलाई बैंड के पास रात करीब 3 बजे बादल फटने की घटना हुई है। जिसके बाद से 8-9 मजदूरों की लापता होने की सूचना है। साथ ही करीब 10 मीटर यमनोत्री हाइवे बह गया है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि सिलाई बैंड के पास एक होटल निमार्णाधीन है, जिसके मजदूर नजदीक कैंप में निवास कर रहे थे। कैंप में करीब 19 मजदूर थे, जिसमें 8-9 मजदूर लापता हैं। वहीं, भारी मलबा आने से सिलाई बैंड के पास करीब 10 मीटर नेशनल हाइवे का हिस्सा बह गया है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस की टीम मौके पर है और मजदूरों की तलाश जारी है। जिलाधिकारी आपदा परिचालन केंद्र से लगातार निगरानी कर रहे हैं। कुथनौर गांव में भी बादल फटने से ग्रामीणों की क्षति हुई है। हालांकि किसी प्रकार की कोई जन या पशुहानि की सूचना नहीं है। यमुना नदी के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। यमुना नदी के किनारे बसे लोगों को अलर्ट किया गया है। स्थानीय निवासी सामाजिक कार्यकर्ता महावीर सिंह पंवार ने बताया कि यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर जगह जगह बादल फटने से रोड 2 से 3 स्थानों पर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है।

संक्षिप्त-समाचार

उत्तराखंड में नदियां उफान पर, श्रीनगर डैम से छोड़ा जाएगा 2500-3000 क्यूमेक्स पानी, अलर्ट जारी

देहरादून। उत्तराखंड में पिछले तीन दिनों से हो रही बारिश अब आफत बनकर बरस रही है। गढ़वाल के श्रीनगर में अलकनंदा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। ऊपरी जनपदों में हो रही अत्यधिक वर्षा के कारण जीवीके डैम श्रीनगर से आगे की ओर लगभग 2500-3000 क्यूमेक्स पानी छोड़े जाने को लेकर जिलाधिकारी पौड़ी ने कीर्तिनगर, देवप्रयाग, तपोवन, मुनिकीरेती क्षेत्र में नदी किनारे के क्षेत्रों में लगातार अलर्ट जारी करने के निर्देश दिए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून ने अगले 24 घंटों का अलर्ट जारी किया है। चारधाम यात्रा मार्गों पर अत्यधिक वर्षा व मार्गों के अवरुद्ध होने और मलबा आने के चारधाम यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर ही रोका जा रहा है। जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल ने बताया कि टिहरी में लगातार बारिश के कारण यह कदम उठाया गया है। नदी किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क किया गया है।

इजराइल-ईरान तनाव के बीच सिंगापुर ने सुरक्षा बढ़ाई

सिंगापुर। इजराइल और ईरान के बीच हालिया तनाव को देखते हुए सिंगापुर ने अपनी सुरक्षा बढ़ा दी है। चीनी भाषा के दैनिक 'लियानहे जाओबाओ' ने सिंगापुर के गृह मंत्री के. शनमुगम के हवाले से कहा, ₹आप उम्मीद कर सकते हैं कि इस क्षेत्र के लोग, या यहां तक कि चरमपंथी संगठनों के अन्य लोग, इजराइली, अमेरिकी या अन्य पश्चिमी देशों की संपत्तियों के खिलाफ एक मुद्दा बनाना चाहेंगे और मुस्लिम संपत्तियों पर धुर दक्षिणपंथियों की ओर से भी हमले हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि सिंगापुर अलग-अलग परिदृश्यों पर काम कर रहा है क्योंकि आप ₹कभी भी पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हो सकते।मंत्री ने कहा, सुरक्षा एक संयुक्त जिम्मेदारी है और सरकार 'एसजीसिक्योर' (सिंगापुर सुरक्षा) कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को जागरूक करने की कोशिश कर रही है।

सर्बिया में दंगा रोधी पुलिस के साथ झड़प के बाद कई प्रदर्शनकारी हिरासत में लिए गए

बेलग्रेड। सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक के खिलाफ राजधानी बेलग्रेड में शनिवार को हुए व्यापक प्रदर्शन के दौरान सरकार विरोधी कई प्रदर्शनकारियों को दंगा रोधी पुलिस के साथ झड़प के बाद गिरफ्तार कर लिया गया।सर्बिया में वुसिक की सत्ता के खिलाफ सर्बिया के विश्वविद्यालय के छात्रों के नेतृत्व में लगभग आठ महीने से असंतोष जारी था, जिसके बाद अब हजारों प्रदर्शनकारियों ने यह प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी राजधानी के केंद्रीय स्लाविया स्क्वायर और उसके आसपास के कई ब्लॉक में जमा हो गए और उन्होंने 'हम चुनाव चाहते हैं' के नारे लगाए। पुलिस ने हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों को हथकड़ी लगाई, हालांकि प्रदर्शनकारियों की दंगा रोधी पुलिस के साथ झड़प के दौरान एक अधिकारी घायल भी हुआ। पुलिस ने बताया कि छह पुलिस अधिकारी और अज्ञात संख्या में नागरिक घायल हुए हैं। राष्ट्रपति वुसिक ने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा, आखिर हमेशा सर्बिया की जीत होती है।

मुंबई हवाई अड्डे पर थाईलैंड से आए यात्री के पास से मिले 16 जिंदा सांप, गिरफ्तार

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर थाईलैंड से आए एक यात्री का पकड़ा गया है जिसके पास से केन्याई सैंड बोआ और होंडुरन मिल्क स्नेक सहित 16 जीवित सांप मिले हैं। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार रात को थाईलैंड की राजधानी बैंकाक से मुंबई पहुंचने पर सीमा शुल्क कर्मचारियों ने यात्री को रोक लिया। उन्होंने बताया कि यात्री के सामान में 16 जीवित सांप मिले, जिनमें दो केन्याई सैंड बोआ, पांच राइनोसरस रैट स्नेक, तीन अल्बिनो स्नेक, दो होंडुरन मिल्क स्नेक , एक कैलिफोर्निया किंगस्नेक, दो गार्टर स्नेक और एक अल्बिनो रैट स्नेक शामिल थे। अधिकारी ने बताया कि वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो और सीमा शुल्क विभाग वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार सांपों को उनके मूल देश में वापस भेजने के लिए काम कर रहे हैं।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आत्मघाती हमले में 13 लोगों की मौत

हमले में महिलाओं और बच्चों सहित 14 असैन्य कर्मी घायल

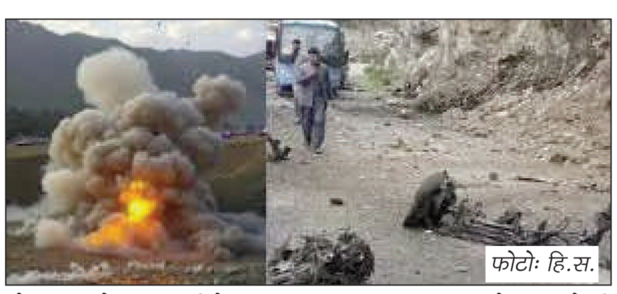
फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

पेशावर

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को एक आत्मघाती हमले में सुरक्षा बल के कम से कम 13 कर्मियों की मौत हो गयी। सेना की मीडिया इकाई ने यह जानकारी दी।

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा, आतंकवादियों द्वारा योजनाबद्ध और सुनियोजित एक कायरतापूर्ण हमले में, आज उत्तरी वजीरिस्तान जिले के मीर अली क्षेत्र में सुरक्षा बलों के काफिले को निशाना बनाया गया। आईएसपीआर के मुताबिक शनिवार सुबह खड्डी गांव में एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन को बम निरोधक इकाई के माइन-रेसिस्टेंट एम्बुश प्रोटेक्टेड (एमआरएपी) वाहन से टकरा दिया। उसने बताया कि हमले में महिलाओं और बच्चों सहित 14 असैन्य कर्मी घायल हो गए, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई गई है।

सूत्रों ने बताया कि घटना के समय सैन्य आवाजाही के कारण इलाके में कर्फ्यू लगाया गया था। सुरक्षा एजेंसियों ने विस्फोट के बाद राहत अभियान शुरू किया है। उन्होंने बताया कि हाफिज गुल बहादुर समूह से जुड़े आतंकवादी समूह उसुद अल-हरब ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर ने आत्मघाती हमले की कड़ी निंदा की है। मुख्यमंत्री ने कहा, हम उन बहादुर सुरक्षाकर्मियों और उनके परिवारों को सलाम करते हैं जिन्होंने देश के लिए अपना बलिदान दिया है। इस घटना को हाल के महीनों में उत्तरी वजीरिस्तान में सबसे घातक घटनाओं में से एक बताया जा रहा है और इसने क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

मणिपुर में दो उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के बिष्णुपुर और तेंगनौपाल जिलों से प्रतिबंधित संगठन से जुड़े दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।ये गिरफ्तारियां शनिवार को की गईं।पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (ताइबंगनबा) के एक सक्रिय सदस्य को बिष्णुपुर में ओइनम उषाखांगदाबी स्थित उसके आवास से पकड़ा गया, जबकि प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक सदस्य को भारत-म्यांमा सीमा के पास तेंगनौपाल में पकड़ा गया।उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को इंफाल पूर्व जिले में नगारियान हिल के पास एक अभियान के दौरान एक राइफल, बंदूकें, कारतूस और एक हथगोला समेत हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किया था। अधिकारी ने बताया कि इस बीच, स्थानीय लोगों से सूचना मिलने के बाद तेंगनौपाल जिले में बम निरोधक दस्ते के कर्मियों ने एक 'पुराने बिना फटे बम' को निष्क्रिय कर दिया।

पूर्व मिनेसोटा हाउस स्पीकर मेलिसा हॉर्टमैन को अंतिम विदाई

एजेंसी (हि.स.)

मिनियापोलिस

फोटोः हि.स.

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और मिनेसोटा के गवर्नर टिम वॉल्ज शनिवार को मिनेसोटा की पूर्व हाउस स्पीकर मेलिसा हॉर्टमैन के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। 1,000 से अधिक शोक संतप्त नागरिकों के बीच यह श्रद्धांजलि सभा उनके राजनैतिक योगदान और मानवीय मूल्यों को याद करते हुए आयोजित की गई।

गवर्नर टिम वॉल्ज ने अपने भाषण में कहा, मेलिसा हॉर्टमैन मिनेसोटा के इतिहास की सबसे प्रभावशाली स्पीकर थीं। मैं उन्हें एक दोस्त, मार्गदर्शक और सबसे प्रतिभाशाली विधायक के रूप में याद करता हूं। उन्होंने कहा कि हॉर्टमैन ने जनसेवा को अपना जीवन बनाया और उनकी नीतियों ने लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बनाया। गवर्नर वॉल्ज ने कहा, मेलिसा और मार्क के जीवन से हमें यह सीखना चाहिए कि हम राजनीति और जीवन में कैसे एक-दूसरे से पेश आएं। जोश के साथ लड़ें, लेकिन इंसानियत को न भूलें।मेलिसा हॉर्टमैन की दो सप्ताह पहले एक हमले में हत्या कर दी गई थी, जिसमें उनका पति मार्क भी मारे गए थे। यह हमला एक ऐसे व्यक्ति ने किया जो खुद को पुलिस अधिकारी बताकर उनके घर पहुंचा था। इसे ₹राजनीतिक हत्या₹ करार देते हुए जांच की जा रही है। इस हमले में एक राज्य सीनेटर और उनकी पत्नी भी गंभीर रूप से घायल हुए थे। हॉर्टमैन मिनेसोटा के इतिहास की पहली महिला थीं जिन्हें राजकीय सम्मान के साथ राज्य की संसद रोटुंडा में लेट इन स्टेट किया गया। यह पहली बार था जब किसी दंपति और उनके पालतू कुत्ते को भी यह सम्मान दिया गया।

एलन मस्क का साधा ट्रंप के कर एवं व्यय कटौती विधेयक पर निशाना

एजेंसी (हि.स.)

वाशिंगटन

फोटोः हि.स.

उद्योगपति एलन मस्क ने शनिवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापक कर एवं व्यय कटौती विधेयक के प्रति एक बार फिर नाराजगी जताते हुए कहा कि जिस विधेयक को रिपब्लिकन पार्टी के सांसद पारित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, उससे नौकरियां खत्म हो जाएंगी और उभरते उद्योग ठप्प पड़ जाएंगे। मस्क ने शनिवार को एक्स पर लिखा, सीनेट का नवीनतम मसौदा विधेयक अमेरिका में लाखों नौकरियां खत्म कर देगा और हमारे देश को भारी रणनीतिक नुकसान पहुंचाएगा। मस्क ने यह बात ऐसे समय में कही है जब सीनेट को लगभग 1,000 पृष्ठों वाले विधेयक पर खुली बहस के लिए मतदान कराना है। उन्होंने कहा, इससे पुराने उद्योगों को तो लाभ होगा, लेकिन यह उभरते उद्योगों को गंभीर नुकसान पहुंचाता है।ह्न टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ ने बाद में एक पोस्ट में लिखा कि यह विधेयक रिपब्लिकन पार्टी के लिए राजनीतिक आत्महत्या होगी।

कर, व्यय कटौती विधेयक ने सीनेट में महत्वपूर्ण प्रक्रियात्मक चरण पार किया

वाशिंगटन। अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट में कर छूट, व्यय में कटौती और निर्वासन निधि में वृद्धि के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विधेयक ने एक महत्वपूर्ण प्रक्रियात्मक चरण को बमुश्किल पार कर लिया है। इस विधेयक को पारित करने की निर्धारित समयसीमा चार जुलाई है। शनिवार देर रात सीनेट की बैठक के दौरान प्रक्रियात्मक चरण में हुए मतदान में विधेयक के पक्ष में 51 जबकि विरोध में 49 वोट पड़े। दोनों वोट बराबर होने की सूरत में 'टाई ब्रेक' के लिए उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस सदन में मौजूद थे।विपक्षी सांसद बातचीत के लिए एकत्र हुए तो सदन में तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई और गतिरोध पैदा होने के कारण घंटों तक मतदान रुका रहा।

साक्षात्कार 'शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र' से प्राचीन ग्रंथों को बचाने की ऐतिहासिक पहल

ज्ञान के आधार पर भारत को विश्वगुरु बनाने का मूल प्राचीन ग्रंथों में निहित : एकनाथ शिंदे

एजेंसी (हि.स.)

वाराणसी

भारत अपनी प्राचीन सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और प्रचार-प्रसार की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठा रहा है। काशी की पवित्र भूमि पर देश का पहला 'शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र' का शुभारम्भ हुआ है, जिसका उद्देश्य उद्देश्य वेदों, उपनिषदों, पुराणों और अन्य प्राचीन ग्रंथों का डिजिटलीकरण कर अगली पीढ़ियों तक ज्ञान का यह अनमोल भंडार पहुंचाना है।

इस केंद्र की स्थापना को भारत को ह्यज्ञान आधारित विश्वगुरुह्न बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम माना जा रहा है। इसी विषय पर महाराष्ट्र सरकार के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से बहुभाषी संवाद समिति 'हिन्दुस्थान समाचार' ने विशेष बातचीत की। प्रस्तुत है प्रमुख अंशः 'शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र' जैसी पहल की भूमिका और आवश्यकता पर बात करते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा कि इक्कीसवीं सदी में भारत को ज्ञान के आधार पर विश्वगुरु बनने का जो सपना है, उसका मूल हमारे प्राचीन ग्रंथों और संस्कृतिक विरासत में निहित है। इन ग्रंथों में केवल धार्मिक सामग्री ही नहीं, बल्कि विज्ञान, दर्शन, जीवनशैली और संस्कृति की गहराइयां छिपी हैं। हमारे शास्त्र हमारी संस्कृति की आत्मा हैं। ये केवल धार्मिक नहीं, बल्कि जीवन शैली, विज्ञान और दर्शन का भी अद्भुत संगम हैं। यदि हम इन्हें संरक्षित नहीं करेंगे, तो अगली पीढ़ी यह कभी नहीं जान पाएगी कि भारत क्या था।

पुरातन ग्रंथों के संरक्षण में डिजिटलीकरण के महत्व और सरकार की भूमिका को लेकर शिंदे ने कहा कि काशी में देश के पहले संग्रहालय का शुभारंभ हुआ है, जो सिर्फ ग्रंथों के संग्रह का केंद्र नहीं होगा, बल्कि शोध, अध्ययन और उनके डिजिटल रूपांतरण का भी प्रमुख माध्यम बनेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के माध्यम से इस ज्ञान को अनेक भाषाओं में आम जनता तक पहुंचाने की योजना भी बनाई जा रही है। इसमें केंद्र और राज्य सरकारों का सहयोग सराहनीय है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा केंद्रीय बजट में सांस्कृतिक विरासत और शिक्षा के लिए विशेष प्रावधान की घोषणा इसका प्रमाण है। ठाणे जिले (महाराष्ट्र) से इस अभियान की

फोटोः हि.स.

शुरूआत के विशेष महत्व को समझाते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र का ठाणे जिला संतों की भूमि रही है। ठाणे का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व गहरा है। वहां के प्राच्यविद्या विशेषज्ञ डॉ. बेडेकर के पास 60,000 से अधिक दुर्लभ ग्रंथों का संग्रह है, जिसे संरक्षित करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। यहीं से इस अभियान को गुरुपूर्णिमा से औपचारिक रूप से आरंभ किया जाएगा। प्राचीन ग्रंथों के संरक्षण के इस कार्य में युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए शिंदे ने कहा कि युवाओं की भागीदारी इस प्रयास में निर्णायक होगी। यदि युवा हमारी संस्कृति, धर्मग्रंथों और स्थापत्य की गहराई को समझेंगे, तो वे इसे दूसरों तक भी पहुंचा सकेंगे। इस कार्य को जिस गति से करने की आवश्यकता है। उसके लिए युवा जोश और दृढ़ इच्छाशक्ति की जरूरत होगी। भारत एक युवा राष्ट्र है, यही युवा इसे ज्ञान में अग्रणी बना सकते हैं। इन युवाओं का कर्तव्य बनता है कि वो अपनी ऊर्जा से राष्ट्र को प्रगति की राह पर ले जाए और भारत को आध्यात्मिक शक्ति के रूप में स्थापित करते हुए इसे विश्व गुरू बनाने में योगदान दें।

शिंदे ने इस पुनीत कार्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के योगदान को विशेष रूप से उल्लेखनीय बताया। उन्होंने कहा कि संघ न केवल इन ग्रंथों का संरक्षण कर रहा है, बल्कि चुनौतियों को अवसर मानकर राष्ट्रप्रेम और संस्कृति चेतना का संचार भी कर रहा है। यह चेतना ही देश के युवाओं को सही मार्ग पर लाने या बनाए रखने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष संघ का शताब्दि वर्ष भी है। ऐसे में यह शताब्दी वर्ष एक उपयुक्त अवसर है, जिसमें हम इस पहल को शुरू कर रहे हैं। गुरुपूर्णिमा से शुरू होकर यह कार्य राष्ट्रव्यापी रूप लेगा। वेदों-उपनिषदों के ज्ञान पर शिक्षण संस्थानों में समावेश की योजना पर उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत इन ग्रंथों के अंशों को पाठ्यक्रम में शामिल करने का प्रस्ताव तैयार हो रहा है। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे बिंदुओं के रूप में जानकारी यदि बचपन से दी जाए, तो बच्चों में संस्कृतिक चेतना और ज्ञान दोनों की वृद्धि संभव है। उन्होंने कहा कि डिजिटलीकरण का उद्देश्य ही केवल संग्रह तक सीमित नहीं है, बल्कि हर जिले में यह कार्य होना चाहिए ताकि हर शिक्षण संस्था इस ज्ञान से जुड़ सके।

प्राचीन ग्रंथों के संरक्षण और प्रचार-प्रसार की इस योजना को एक राष्ट्रीय जागरण की ओर बढ़ता कदम बताते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह पहल एक साधारण संग्रहालय निर्माण से कहीं आगे की योजना है। यह भारतीयता के मूल, उसकी चेतना और उसकी वैज्ञानिक सोच को पुनः प्रतिष्ठित करने का प्रयास है। यदि सरकार, समाज और युवा मिलकर इस दिशा में कार्य करें, तो यह सिर्फ अतीत का संरक्षण नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाला कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि जैसे कहा जाता है कि ज्ञान बांटने से बढ़ता है और ये प्राचीन ज्ञान ही भारत को पुनः विश्वगुरु बनाएगा।

स्मृति मंधाना के शतक से भारत ने इंग्लैंड को पहले टी20 में 97 रन से हराया

महिला क्रिकेट टीम ने पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल की

- भारतीय गेंदबाजों ने विपक्षी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया

एजेंसी (हि.स.)

नॉटिंघम

फोटोः हि.स.

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को नॉटिंघम में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड को 97 रन से करारी शिकस्त देकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

भारत की इस शानदार जीत की नायक रहीं कप्तान स्मृति मंधाना, जिन्होंने दमदार शतक जड़कर टीम की नींव मजबूत की। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत सधी हुई रही, लेकिन असली कमाल कप्तान स्मृति मंधाना ने किया। उन्होंने 55 गेंदों पर 103 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 14 चौके और 3 छक्के शामिल थे। उनके साथ जेमिमा रॉड्रिग्स (32 रन) और दीप्ति शर्मा (28 रन) ने भी अहम योगदान दिया। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 210 रन बनाए, जो कि इंग्लैंड के खिलाफ भारत का अब तक का सर्वाधिक टी20 स्कोर है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम की शुरूआत बेहद खराब रही। शुरूआती झटकों के बाद कप्तान नेट सिवर ब्रंट ने 41 गेंदों में 66 रन बनाकर लड़ाई की कोशिश जरूर की, लेकिन उन्हें कोई खास सहयोग नहीं मिला। इंग्लैंड की पूरी टीम 14.5 ओवर में 113 रन पर सिमट गई।

भारतीय गेंदबाजों ने विपक्षी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। श्री चरणी ने अपनी शानदार गेंदबाजी से 4 विकेट झटके, जबकि दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। अमनजोत कौर और अरुंधति रेड्डी ने भी 1-1 सफलता हासिल कर इंग्लैंड की कमर तोड़ दी।

अब दोनों टीमें 01 जुलाई को ब्रिस्टल में दूसरे टी20 मुकाबले में आमने-सामने होंगी। भारत इस जीत को दोहराने की कोशिश करेगा, जबकि इंग्लैंड वापसी की रणनीति पर काम करेगा।

चेल्सी और पाल्मेरास क्लब विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में

- चेल्सी ने बेनफिका को 4-1 से हराया

एजेंसी (हि.स.)

चार्लोट (अमेरिका)

फोटोः हि.स.

क्रिस्टोफर एनकुंकू ने अतिरिक्त समय में रिबाउंड पर गोल किया जिससे चेल्सी ने बेनफिका को 4-1 से हराकर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूनामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। खराब मौसम और बिजली कड़कने के कारण इस मैच में व्यवधान पड़ा और इसे पूरा होने में करीब पांच घंटे लगे।

चेल्सी क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को फिलाडेल्फिया में पाल्मेरास से भिड़ेगा। पाल्मेरास ने शनिवार को खेले गए अंतिम 16 के एक अन्य मैच में बोटाफोगो को 1-0 से हराया। दोनों टीम निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थी। एनकुंकू ने 108वें मिनट में गोल करके चेल्सी को बढ़त दिलाई। इसके बाद पेड्रो नेटो और किरनान डेव्सबरी हॉल ने अतिरिक्त समय में गोल करके चेल्सी की बड़ी जीत सुनिश्चित की। इससे पहले रीस जेम्स ने 64वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके चेल्सी को 1-0 की बढ़त दिला दी। लेकिन खेल समाप्त होने में जब केवल चार मिनट का समय बचा था तब बिजली कड़कने के कारण मैच रोक दिया गया और इसके फिर से शुरू होने में दो घंटे की देरी हुई।

इसके बाद जब खेल शुरू हुआ तो बेनफिका को इंजरी टाइम में पेनल्टी मिली क्योंकि गेंद मालो गुस्टो के हाथ से टकरा गई थी। एंजेल डि मारिया ने पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर बराबर कर दिया। उधर फिलाडेल्फिया में पॉलिन्हो ने अतिरिक्त समय में दो डिफेंडरों के बीच से गोल करते हुए गोल दागा जिससे पाल्मेरास ने ब्राजील के लीग प्रतिद्वंद्वी बोटाफोगो को 1-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। निर्धारित समय तक दोनों टीम गोल रहित बराबरी पर थी जिसके बाद पॉलिन्हो ने 100वें मिनट में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।

तन्वी और आयुष अमेरिकी ओपन के फाइनल में

एजेंसी (हि.स.)

आयोवा (अमेरिका)

फोटोः हि.स.

प्रतिभाशाली भारतीय शटलर तन्वी शर्मा और आयुष शेट्टी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अमेरिकी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया।भारत की 16 वर्षीय गैरवरीयता प्राप्त खिलाड़ी तन्वी ने महिला एकल के सेमीफाइनल में यूक्रेन की सातवीं वरीयता प्राप्त पोलिना बुहरोवा को 34 मिनट में 21-14, 21-16 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। यह उनकी यूक्रेन की खिलाड़ी के खिलाफ करियर की दूसरी जीत थी। फाइनल में तन्वी का मुकाबला अमेरिका की शीर्ष वरीयता प्राप्त बेइवेन झांग से होगा। पुरुष एकल में भारत के चौथी वरीयता प्राप्त आयुष ने शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व के छठे नंबर के चीनी ताइपे के चोऊ टिएन चेन को एक घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में 21-23, 21-15, 21-14 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। अब आयुष का सामना कनाडा के तीसरे वरीय ब्रायन यांग से होगा। यांग ने चीनी ताइपे के लियाओ झूओ-फू को 21-10, 21-12 से हराया। क्वार्टर फाइनल में तन्वी ने अपने से ऊंची रैंकिंग वाली मलेशियाई खिलाड़ी करुपाथेवन लेत्शाना को 21-13, 21-16 से जबकि आयुष ने चीनी ताइपे के जूनियर विश्व चैंपियन कुओ कुआन लिन को 22-20, 21-9 से हराया था।

रवि शास्त्री ने मैनेजमेंट से गिल को कप्तान बनाए रखने का आग्रह किया

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले रोहित शर्मा ने इस फॉर्मेट से संन्यास का एलान कर दिया था। ऐसे में शुभमन गिल को भारतीय टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई। गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम लीड्स में खेला गया पहला टेस्ट हार चुकी है। इस बीच भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने टीम मैनेजमेंट से शुभमन गिल को कप्तान बनाए रखने का आग्रह किया है, भले ही भारत इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज हार जाए। लीड्स टेस्ट में हार के बाद शास्त्री ने नए और युवा कप्तान गिल की तारीफ की। उन्होंने गिल की मैच्योरिटी की तारीफ की। इतना ही नहीं पूर्व हेड कोच ने टीम मैनेजमेंट से अनुरोध किया कि उन्हें 3 साल तक कप्तान बनाए रखें। शास्त्री ने विजडन से कहा, ‹वह बहुत मैच्योर हो गया है। जिस तरह से वह मीडिया को संभालता है, जिस तरह से वह प्रेस कॉन्फ्रेंस में, टॉस में बात करता है, वह बहुत मैच्योर हो गया है। उसे तीन साल तक टीम में रहने दें। सीरीज में जो भी हो उसमें कोई बदलाव न करें। तीन साल तक उसके साथ बने रहें। मुझे लगता है कि वह आपके लिए अच्छा प्रदर्शन करेगा। शास्त्री का मानना है कि गिल में महान खिलाड़ियों में से एक बनने के सभी गुण हैं।

अंपायर के फैसले पर आपत्ति जताई तो आईसीसी ने वेस्टइंडीज के कोच डेरेन सैमी पर लगाया जुमार्ना

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

ऑस्ट्रेलिया ने बारबाडोस के ब्रिजटाउन में खेले गए पहले टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराकर तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इस टेस्ट मैच में थर्ड अंपायर के कई ऐसे फैसले रहे, जिस पर वेस्टइंडीज टीम के हेड कोच डैरेन सैमी ने आपत्ति जताई थी। अब थर्ड अंपायर के फैसलों पर सवाल उठाने पर डैरेन सैमी पर जुमार्ना लगा है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने उन पर 15 प्रतिशत मैच फीस का जुमार्ना लगा दिया है। साथ ही उनके अनुशासनात्मक रिकार्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ दिया गया है। दरअसल, वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच में थर्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक की ओर से कुछ फैसले दिए गए, जिन पर विवाद देखने को मिला। वेस्टइंडीज के हेड कोच डैरेन सैमी ने इन्हीं फैसलों पर नाराजगी जताते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस में सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि आप खुद को ऐसी स्थिति में नहीं डालना चाहते जहां आप कुछ खास अंपायरों के बारे में सोच रहे हों। क्या इस टीम के खिलाफ कुछ है? लेकिन जब आप एक के बाद एक फैसले देखते हैं, तो यह सवाल उठता है। इसके बाद आईसीसी ने अब अंपायर के फैसलों के खिलाफ बोलने पर सैमी पर एक्शन लिया है। आईसीसी के अनुसार वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरन सैमी पर पहले मैच के दूसरे दिन आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है। सैमी को आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.7 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो किसी अंतरराष्ट्रीय मैच में घटित किसी घटना या किसी खिलाड़ी, खिलाड़ी सहयोगी कर्मी, मैच अधिकारी या किसी अंतरराष्ट्रीय मैच में भाग लेने वाली टीम के संबंध में सार्वजनिक आलोचना या अनुचित टिप्पणी से संबंधित है।

इसके अतिरिक्त, सैमी के अनुशासनात्मक रिकार्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ दिया गया है, जो 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध है। आईसीसी के मुताबिक सैमी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टेस्ट मैच गुरुवार, 3 जुलाई से खेला जाएगा।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में शतक लगाना बहुत खास हैः स्मृति मंधाना

एजेंसी (हि.स.)

नॉटिंघम

फोटोः हि.स.

भारत की कार्यवाहक कप्तान स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ यहां खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपनी टीम को 97 रन से जीत दिलाने के बाद कहा कि इस प्रारूप में शतक लगाना उनके लिए विशेष मायने रखता है क्योंकि वह नैसर्गिक तौर पर पावर हिटर नहीं हैं। मंधाना ने अपने 149वें मैच में अपना पहला टी20 शतक लगाया।

मंधाना ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, यह अच्छा अहसास है, क्योंकि यह प्रारूप ऐसा है जिसमें एक बल्लेबाज के तौर पर मुझे लगातार प्रयास और सुधार करते रहना होगा। यह मेरे लिए बहुत नैसर्गिक प्रारूप नहीं है। उन्होंने कहा, मैं पावर हिटर नहीं हूं और मुझे अपनी टाइमिंग पर भरोसा रखकर शॉट मारना पसंद है लेकिन मैं अपनी पावर हिटिंग पर भी काम करने की कोशिश कर रही हूं। इस सलामी बल्लेबाज ने कहा, इस प्रारूप में शतक बनाना वास्तव में खास है। मैंने टेस्ट क्रिकेट और एक दिवसीय क्रिकेट में भी शतक लगाए हैं, लेकिन यह दोनों प्रारूप मेरी बल्लेबाजी शैली के अधिक अनुकूल हैं। मंधाना ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं था कि वह यहां पहले मैच में शतक लगाने में सफल रहेगी। उन्होंने कहा, मैंने नहीं सोचा था कि में पहले मैच में ही शतक लगाने में सफल रहूंगी। मैं इससे पहले कुछ अवसरों पर यहां तक पहुंचने से चूक गई थी और मैं बहुत खुश हूं कि आज मैं इसे हासिल करने में सफल रही। पिछले 10 वर्षों में 70 और 80 रन पर आउट होना निराशाजनक था।

हूल दिवसः आदिवासी संघर्ष की दास्तां, नौ सिपाहियों की हत्या से शुरू हुआ संथाल विद्रोह

हूल संथाली भाषा का शब्द है, जिसका मतलब होता है विद्रोह। 30 जून, 1855 को झारखंड के आदिवासियों ने अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचार के खिलाफ पहली बार विद्रोह का बिगुल फूंका। इस दिन 400 गांवों के 50000 लोगों ने साहिबगंज के भोगनाडीह गांव पहुंचकर अंग्रेजों से आमने-सामने की जंग का एलान कर दिया। आदिवासी भाइयों सिद्धो-कान्हो और चांद-भैरव के नेतृत्व में तब संथालों ने मालगुजारी नहीं देने और अंग्रेज हमारी माटी छोड़ो का जोर-शोर से एलान किया। अंग्रेजों ने तब संथाल विद्रोहियों से घबराकर उनका दमन प्रारंभ किया। इसकी प्रतिक्रिया में आदिवासियों ने अंग्रेजी सरकार की ओर से आए जमींदारों और सिपाहियों को मौत के घाट उतार दिया। तब विद्रोहियों को सबक सिखाने के लिए अंग्रेजों ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं। चांद और भैरव को अंग्रेजों ने मार डाला। इसके बाद सिद्धो और कान्हो को भोगनाडीह में ही पेड़ से लटकाकर 26 जुलाई 1855 को फांसी दे दी गई। संथाल की माटी के इन्हीं शहीदों की याद में हर साल 30 जून को हूल दिवस मनाया जाता है। एक अंग्रेज इतिहासकार हंटर ने लिखा है कि इस महान क्रांति में लगभग 20000 आदिवासियों को मौत के घाट उतार दिया गया। गया। हालांकि, संथालों के इस बलिदान पर कोई भी अंग्रेज सिपाही ऐसा नहीं मिला, जो शर्मिंदा न हुआ हो।

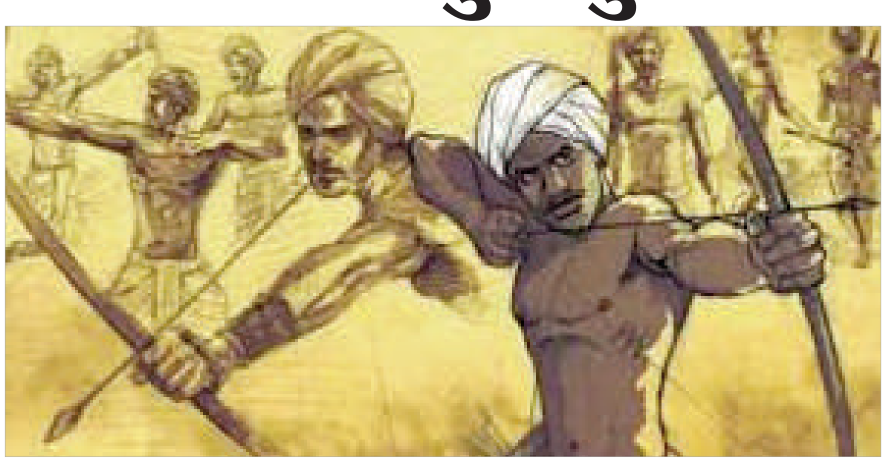

बेहद प्रभावशाली विद्रोह था हूल क्रांति

भले हम 1857 के सिपाही विद्रोह को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का पहला विद्रोह मानते हैं, लेकिन संथाल के आदिवासियों का हूल विद्रोह भी बेहद प्रभावशाली रहा था। तब संथाल विद्रोह मुट्ठी भर आदिवासियों ने शुरू किया जो बाद में जन आंदोलन बन गया। संथालियों ने अपने परंपरागत हथियारों के दम पर ही ब्रिटिश सेना को पस्त कर दिया था। 1855 के संथाल विद्रोह में 50000 से अधिक लोगों ने अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो का आह्वान किया था।

हूल क्रांति की देन है संथाल परगना

हूल क्रांति से पहले बंगाल प्रेसिडेंसी के अंदर आने वाला यह क्षेत्र काफी दुर्गम-दुरुह था, जहां पहाड़ों और घने जंगलों के कारण दिन में भी आना-जाना आसान नहीं था। यहीं से आदिवासियों ने विद्रोह का बिगुल फूंका था। वर्तमान में संथाल परगना के नाम से जाना जाने वाला यह क्षेत्र पहाड़ की तलहटी में रहने वाले पहाड़िया समुदाय बहुल था। यहां के लोग तब जंगल झाड़ियों को काटकर खेती योग्य बनाते और उसे अपनी जमीन समझते थे। ये लोग अपनी जमीन की मालगुजारी किसी को नहीं देते। जबकि ईस्ट इंडिया कंपनी के जमींदार उनसे जबरन लगान वसूली करते थे। पहाड़िया लोगों को सेठ-साहूकार से कर्ज लेना पड़ता था। अत्याचार इस कदर बढ़ गया कि आदिवासियों ने संथाल विद्रोह का बिगुल फूंक दिया। इस इलाके में रहने वाले आदिवासी समुदाय को संथाल के नाम से जाना जाता है। वे बोंगा देवता की पूजा करते हैं, जिनके हाथ में बीस अंगुलियां होती हैं। ऐसी मान्यता है कि बोंगा देवता के कहने पर ही भोगनाडीह गांव के चुन्नी मांडी के चार बेटे सिद्धो, कान्हो, चांद और भैरव ने मालगुजारी और अंग्रेजों के अत्याचार के खिलाफ 30 जून 1855 को संथाल में डुगडुगी पीटकर विद्रोह का एलान किया था।

बंदोबस्त अधिनियम

जनवरी 1856 में जब हूल क्रांति समाप्त हुआ, तब इस इलाके को समेकित तौर पर संथाल परगना का नाम दिया गया। जिसका मुख्यालय दुमका बनाया गया। हूल क्रांति के 44 साल बाद वर्ष 1900 मे मैक पेरहांस कमेटी ने आदिवासियों की जमीन की सुरक्षा के लिए एक बंदोबस्त अधिनियम बनाया। इसमें यह प्रावधान किया गया कि आदिवासी की जमीन, कोई दूसरा आदिवासी ही खरीद सकता है। खरीदने और बेचने वालों के घर एक ही इलाके में होना चाहिए। झारखंड में आदिवासी जमीन का हस्तांतरण आज भी इन शर्तों को पूरा करने के बाद करने का प्रावधान है। 1949 में पारित संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम में 1900 के बंदोबस्ती नियम को जोड़ा गया है, जो आज भी पूरे प्रदेश में लागू है।

छापामारी युद्ध लड़ते थे संथाल विद्रोही

धीरे-धीरे संथाली सैनिकों की संख्या बढ़कर 30000 हो गई। समाज के सभी तबके का साथ मिलने के बाद वे बेहद मजबूत हो गए। तब यहां-वहां जमींदार और महाजन बड़ी संख्या मारे गए। उनके डर से भागलपुर का मजिस्ट्रेट राजमहल भाग गया। सिद्धो-कान्हू-चांद-भैरव की सेना फिर बंगाल के मुर्शिदाबाद की ओर बढ़ती गई। यहां 15 जुलाई 1855 को ब्रिटिश सेना के साथ लड़ाई में 200 से अधिक संथाली सैनिक शहीद हो गए। सिद्धो, कान्हू, भैरव भी बुरी तरह घायल हो गए। हालांकि, तब भीसंथाल आंदोलन नहीं रुका। इसके बाद संथाल विद्रोही छापामारी युद्ध पद्धति से अंग्रेजों पर हमला बोलने लगे। इसके बाद 10 नवंबर 1856 को अंग्रेजों ने संथाल के पूरे इलाके को सेना के सुपर्द कर दिया। तब इस इलाके में गांव के गांव जलाए जाने लगे। सिद्धो, कान्हू, चांद और भैरव को मार डाला गया। वे संथाल विद्रोह में शहीद हुए। कहा जाता है कि इनकी दो बहनें फूलो और झानू भी हूल क्रांति में शामिल थी। अंग्रेजों के दमन से इनकी महान क्रांति का अंत हो गया, जिसमें हजारों संथालियों ने अपनी शहादत दी। हजारों संथाल हजारीबाग जेल में बंदी बनाकर रखे गए। संथाल विद्रोह का परिणाम यह हुआ कि बाद में यहां के लिए विशेष काश्तकारी अधिनियम लागू हुआ।

संथालियों ने दारोगा और 9 सिपाहियों को मार डाला

मंगल पांडे की अगुआई वाली 1857 के गदर से दो साल पहले संथाल में विद्रोह का बिगुल बज उठा। विद्रोह के नायक सिद्धो, कान्हू, चांद और भैरव चार भाई थे। ब्रिटिश शासन, जमींदार, महाजन, बनिया तथा साहूकार की शोषण नीति के खिलाफ आदिवासियों की व्यापक गोलबंदी हुई। कर्ज अदा नहीं करने पर पूरे परिवार को बंधुआ मजदूर बना लेते, मालगुजारी नहीं देने पर उनकी जमीन नीलाम कर दी जाती थी। तब अंग्रेजों को रेलवे लाइन बिछाने के लिए अधिकाधिक जमीन और बड़ी संख्या में मजदूर की आवश्यकता थी। बंगाल के उपराज्यपाल की मीटिंग का विवरण दिनांक 12 सितंबर 1855 को लिखा गया था। जिसमें संथाल विद्रोह के बारे में बताया गया है। उसके कुछ अंश मुझे राजमहल रेलवे लाइन के ठेकेदारों से ऐसा आग्रह मिला है कि संथाल विद्रोह के दौरान बाधित रेल कार्यों को फिर से शुरू करना होगा। संथालों, आदिवासियों को निशस्त्र करने की आवश्यकता पर बहुत जोर दिया गया है। चूंकि, संथालों का युद्ध, कुल्हाड़ी, तलवारें और स्टील की नोक वाले तीर-धनुष से लड़ा जा रहा था, इसलिए उनसे ये वापस लिया जाना चाहिए.। सिद्धो को 30 जून 1855 को भोगनाडीह गांव में 10000 लोगों की सभा में राजा बनाया गया। कान्हू को मंत्री, चांद को प्रशासक और भैरव को आदिवासियों ने सेनापति बनाया। अंग्रेजी राज गया और अपना राज कायम हुआ की शंखनाद की गई। इसके बाद अंग्रेजी सरकार को मालगुजारी देना बंद हो गया। फिर 7 जुलाई 1855 को संथाली वीरों ने दमनकारी दारोगा और 9 सिपाहियों को घेरकर मार डाला। यहीं से हूल क्रांति की शुरूआत हुई।

सोशल मीडिया डे

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया लोगों के जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है। यह न केवल दुनिया भर के लोगों से जुड़ने का जरिया बन चुका है, बल्कि यह सूचनाओं का भंडार, एंटरटेनमेंट का सोर्स और अब बिजनेस में अहम भूमिका निभा रहा है। हर साल 30 जून को सोशल मीडिया डे मनाया जाता है, जो सोशल मीडिया के महत्व और इसके समाज पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में बताता है। सोशल मीडिया डे एक खास दिन है जो सोशल मीडिया के महत्व और इसके समाज पर पड़ने वाले प्रभावों को याद दिलाता है।

सोशल मीडिया डे का इतिहास

सोशल मीडिया डे की शुरूआत साल 2010 में हुई थी, जब Mashable नामक एक सोशल मीडिया कंपनी ने इसे मनाने का फैसला किया था। इस दिन का उद्देश्य लोगों को सोशल मीडिया की शक्ति और इसके सकारात्मक प्रभावों के बारे में जागरूक करना था। तब से यह दिन दुनिया भर में मनाया जाता है, जिसमें लोग अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अपने अनुभवों को शेयर करते हैं और सोशल मीडिया के इस्तेमाल से होने वाले फायदों के बारे में चर्चा करते हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स

30 जून को विश्व सोशल मीडिया दिवस मनाया जाता है। यह दिन का उद्देश्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के महत्व और ग्लोबल कम्यूटेशन में उनकी भूमिका को बढ़ावा देना है।

साल 2010 में पहला सोशल मीडिया दिवस मनाया गया।

1997 एंड्रयू वेनरिच ने पहली सोशल नेटवर्किंग साइट, SixDegrees लॉन्च की।

2001 SixDegrees बंद हो गया।

2002 Friendster, Myspace और Facebook जैसी साइटें लोकप्रिय हुईं।

आज Twitter, Instagram, LinkedIn और Snapchat सहित कई अन्य सोशल मीडिया साइटें मौजूद हैं।

उद्देश्य

- सोशल मीडिया डे लोगों को सोशल मीडिया के बारे में जागरूक करने और इसके इस्तेमाल से होने वाले फायदों और जोखिमों को समझने का मौका देता है।
- यह दिन सोशल मीडिया के सकारात्मक उपयोग पर ध्यान देने और लोगों को दूसरों के साथ जुड़ने, विचारों का आदान-प्रदान करने और दुनिया में सकारात्मक
- बदलाव लाने के लिए इसका उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने का अवसर प्रदान करता है।
- यह दिन लोगों को सोशल मीडिया का उपयोग करते समय सुरक्षित और जिम्मेदार रहने के बारे में शिक्षित करने का अवसर प्रदान करता है, जिसमें उनकी व्यक्तिगत
- जानकारी को सुरक्षित रखना और ऑनलाइन धोखाधड़ी और उत्पीड़न से बचाव करना शामिल है।
- यह दिन लोगों को समान रुचियों और लक्ष्यों वाले अन्य लोगों के साथ जुड़ने और ऑनलाइन समुदाय बनाने का अवसर प्रदान करता है।
- यह दिन व्यवसायों को अपने उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देने और नए ग्राहकों तक पहुंचने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने का अवसर प्रदान करता है।

सहनशील बच्चे ही बड़े हो कर ऊंचाईयों को छूते हैं

संवाददाता
चंडीगढ़

जो बच्चे बचपन में ही सहनशीलता, प्यार, नम्रता आदि मानवीय गुणों को अपनाते हैं वही बच्चे ही बड़े हो कर ऊचाईयों को छूते हैं क्योंकि ऐसे बच्चे किसी की बात पर तुरन्त प्रतिक्रिया नहीं देते, उनके साथ यदि कोई गल्त व्ययवहार करे तो उनमें बदले की भावना भी नहीं होती, उनमें दूसरों की भावनाओं को समझने उनका सम्मान करने और उनसे कुछ सीखने की क्षमता होती है, ऐसे बच्चों में चुनौतियों का सामना करने की क्षमता दूसरों के मुकाबले अधिक होती है, और वे बड़े हो कर न केवल अपने परिवार का नाम रोशन करते हैं बल्कि अपने समाज व देश का नाम भी रोशन करते हैं ये उद्गार आज यहां सैक्टर 30. में स्थित निरंकारी सत्संग भवन में हुए जोन लैवल बाल समागम में हजारों की संख्या में उपस्थित बच्चों, नौजवानों, महिलाओं और पुरूषों को सम्बोधित करते हुए देहली से आए सन्त निरंकारी मण्डल के प्रचार विभाग के को-ओरडिनेटर श्री हेमराज शर्मा जी ने व्यक्त किए।

1960 के दशक में स्टैनफोर्ड युनिवर्सिटी में प्रोफसर वाल्टर मिशेल द्वारा बच्चों में सहनशीलता पर की गई रिसर्च की चर्चा करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि प्रोफैसर मिशेल ने पाया कि जिन बच्चों में बचपन में ही सहनशीलता थी वे बच्चे बड़े हो कर दूसरों के मुकाबले अच्छे अच्छे पदों पर तैनात थे या उनके बिजनैस बहुत अच्छे चल रहे थे, इसलिए बच्चों में जितना अधिक हो सके बचपन से ही सहनशीलता लाई जाए ताकि ये बड़े हो कर न केवल अपना जीवन सुखमयी तरीके से व्यतीत कर सकें बल्कि परिवार, समाज और देश के लिए सेवक बन सकें।

बच्चों में सहनशीलता लाने की विधि की चर्चा करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि बच्चों को सतुगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज द्वारा दिया जा रहा ब्रहमज्ञान प्रदान करने व अधिक से अधिक सत्संग करने से उनके अन्दर सहनशीलता का विकास होता है लेकिन इसके लिए उनके माता-पिता को भी गुरमत को अपनाने व सत्संग सेवा सिमरन में पीछे नहीं रहना इसलिए बच्चों को सत्संग में भेजना जरूरी है ताकि बच्चे बड़े हो कर एक अच्छे नागरिक बनने सके।

इस बाल समागम में छोटे से छोटे और बड़े से बड़े बच्चों ने सत्संग में दी जाने वाली शिक्षाओं को जीवन में अपनाने बारे अनेक भाषाओं का सहारा लेते हुए गीत, कविता, स्पीच व स्किट आदि के रूप में व्यक्त करके सभी श्रोताओं के मनों को मोह लिया। इस अवसर पर यहां के जोनल इन्चार्ज श्री ओ पी निरंकारी व यहां के संयोजक श्री नवनीत पाठक जी ने इस अवसर पर उपस्थित सभी बच्चों, उनके इन्चार्ज, उनके माता-पिता जिन्होंने बच्चों को यहां अपनी अपनी आईटम्ज पेश करने में सहयोग दिया सभी का हृदय से धन्यवाद किया और सतुगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज से सभी को हर तरह के सुख प्रदान करने की प्रार्थना की।

एनएसएसओ क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ ने मनाया 19वां सांख्यिकी दिवस

संवाददाता
चंडीगढ़

अर्थशास्त्र, योजना एवं सांख्यिकी के क्षेत्र में प्रोफेसर पी.सी. महालनोबिस के अतुलनीय योगदान की स्मृति में एनएसएसओ (एफओडी) के क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ ने 29 जून 2025 को मिनी हॉल, केंद्रीय सदन, सेक्टर-9, चंडीगढ़ में 19वां सांख्यिकी दिवस मनाया।इस वर्ष का विषय राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 75 वर्ष है। समारोह का उद्घाटन उप महानिदेशक श्री दीपक मेहरा ने किया, जिन्होंने प्रो. महालनोबिस के जीवन और कार्यों पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि, प्रेस सूचना ब्यूरो के निदेशक (सेवानिवृत्त) श्री पवित्र सिंह ने भारतीय सांख्यिकी प्रणाली में प्रो. महालनोबिस के योगदान और दैनिक जीवन में सांख्यिकी की उपयोगिता पर विचार व्यक्त किए। श्री आर.के. मोर, अतिरिक्त निदेशक, आर्थिक और सांख्यिकीय विश्लेषण विभाग, हरियाणा ने राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण की ऐतिहासिक यात्रा साझा की, जबकि वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी (सेवानिवृत्त) श्री वासुदेव शर्मा ने डेटा संग्रहण के दौरान अपने अनुभवों और चुनौतियों को साझा किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने प्रो. महालनोबिस को पुष्पांजलि अर्पित की। साथ ही प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन और पोस्टर प्रदर्शनी जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों और विश्वविद्यालय के छात्रों सहित लगभग 60 प्रतिभागियों ने सक्रिय भागीदारी की। यह कार्यक्रम न केवल सांख्यिकी के महत्व को रेखांकित करने में सफल रहा, बल्कि राष्ट्रीय विकास में इसके योगदान के प्रति जागरूकता भी बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हुआ।

रिजर्व बैंक ओम्बड्समैन कार्यालय ने सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग पर जागरूकता मैराथन का आयोजन किया

संवाददाता
चंडीगढ़

फिटनेस और डिजिटल बैंकिंग जागरूकता को एक साथ लाने की पहल के तहत, रिजर्व बैंक ओम्बड्समैन कार्यालय, चण्डीगढ़ ने आज एफिल टॉवर प्रतिकृति, सेक्टर 10 में सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग के लिए मैराथन का आयोजन किया। यह आयोजन रिजर्व बैंक एकीकृत लोकपाल योजना 2021 और सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग प्रथाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए रिजर्व बैंक के चल रहे प्रयासों का हिस्सा था।

इस कार्यक्रम को ओम्बड्समैन राजीव द्विवेदी ने हरी झंडी दिखाकर आरंभ किया। इस अवसर पर उप ओम्बड्समैन नवीन के आदर्श और आरबीआई, चण्डीगढ़ के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए आरबीआई ओम्बड्समैन ने डिजिटल वित्तीय धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं और बैंक ग्राहकों के बीच व्यवहारिक जागरूकता की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। आरबीआई ओम्बड्समैन ने कहा कि यहां तक कि सबसे शिक्षित पेशेवर भी जटिल धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं।इन धोखाधड़ी का मूल कारण, ज्यादातर मामलों में, भय, जल्दबाजी या लालच से प्रेरित लापरवाह व्यवहार है। प्रतिभागियों को धोखेबाजों के सबसे आम तौर-तरीकों के बारे में जागरूक किया गया, जिसमें डिजिटल गिरफ्तारी का डर और निवेश प्रस्तावों के माध्यम से लालच देना आदि शामिल हैं। धावकों के साथ क्या करें और क्या न करें पर व्यावहारिक सलाह साझा की गई।

डॉ. प्रज्ञा शारदा के काव्य संग्रह 'खामोशियां' का विमोचन

संवाददाता
चंडीगढ़

संवाद साहित्य मंच और आचार्य कुल संस्था की ओर से आज कम्युनिटी सेंटर सेक्टर 43 के सभागार में प्रसिद्ध लेखिका डॉ. प्रज्ञा शारदा के काव्य संग्रह खामोशियाँ का विमोचन, चर्चा और काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साहित्यकार और प्रोग्राम एगजेक्टिव, आकाशवाणी जालंधर के सोहन कुमार, विशिष्ठ अतिथि प्रेमलता, एरिया पार्षद और प्रसिद्ध कवि दीपक चनारथल रहे।पुस्तक पर प्रपत्र वरिष्ठ साहित्यकार प्रेम विज, अशोक नादिर, डॉ. विनोद शर्मा, डॉ अनीश गर्ग और अन्नु रानी शर्मा ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संगीता शर्मा कुंद्रा 'गीत' द्वारा और सरस्वती वंदना पल्लवी रामपाल ने की। कार्यक्रम के आरंभ में केके शारदा ने सबका स्वागत किया और धन्यवाद पार्षद प्रेमलता ने किया। तत्पश्चात काव्य संग्रह की लेखिका डॉक्टर प्रज्ञा शारदा ने अपनी रचना प्रक्रिया की जानकारी देते हुए अपनी कुछ रचनाओं की प्रस्तुति दी।

पुस्तक पर प्रपत्र पढ़ते हुए वरिष्ठ साहित्यकार प्रेम विज ने कहा कि खामोशियाँ काव्य संग्रह में खामोशियाँ बहुत कुछ कह जाती हैं, उसे समझने वाला चाहिए। कवियत्री ने कविताओं में आम आदमी की वेदना, संघर्ष और द्वंद्व को कविताओं में पेश किया है। कविवर डॉ. विनोद शर्मा ने काव्य संग्रह पर बोलते हुए कहा कि इस काव्य संग्रह में आपको समाज और परिवार के सभी पक्ष मिल जाएंगे। लेखिका ने खुली आँख से रिश्ते, संबंधों को देखा और उन्हें कविताओं में प्रस्तुत किया। शायर अशोक नादिर ने पुस्तक पर बोलते हुए कहा कि उनकी कविताएं हमारे समाज और परिवार के इर्द-गिर्द घूमती हैं। लेखिका ने इन सभी को खुली आँख से देखा और इन्हें कविताओं में प्रस्तुत किया। कविवर डॉ. अनीश गर्ग ने पुस्तक पर बोलते हुए कहा कि कविताओं में दैनिक जीवन से प्रसंग लिए गए हैं, जोकि बहुत प्रभावशाली है। अन्नु रानी शर्मा ने काव्य संग्रह पर बोलते हुए कहा कि कवित्री का एक लंबा अनुभव इन कविताओं में हमें देखने को मिलता है। उन्होंने जीवन में और अपने परिवार में जो कुछ भी देखा उसे कविताओं में प्रस्तुत किया है। ऑल इंडिया रेडियो की उद्घोषक मोनिका मेहता ने काव्य संग्रह पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर ट्राई सिटी के हिंदी ,पंजाबी और उर्दू के लगभग 55 कवि उपस्थित रहे। इस अवसर पर सुरजीत सिंह धीर ने प्रज्ञा शारदा की कविता खामोशी तरन्नुम में प्रस्तुत की। इनके अलावा किशोर कुमार, वीणा ढींगरा, राज विज, पल्लवी रामपाल, एमएल अरोड़ा, गुरदर्शन सिंह मावी, कृष्णा गोयल, आरके भगत, मंजू चौहान, लाजपत राय गर्ग, संतोष गर्ग, नीरू मित्तल, डेजी बेदी, ब्रिज भूषण शर्मा, अनिल चिंतक, विंदर माझी, अनीता गगरेजा, सतवंत कौर गिल, पाल अजनबी, एम.एल. अरोड़ा, तजेंद्र ठाकुर, एम. एम जुनेजा, राजेंद्र सिंह, नितिन रामपाल, अन्नु शर्मा, करिश्मा वर्मा, पूनम, शिक्षित, गुरमीत कौर, मनजीत कौर आदि भी उपस्थित रहे।

डीएसपी नॉर्थ ईस्ट विजय कुमार से मुलाकात कर मनीमाजरा की समस्याओं पर चर्चा की

संवाददाता
मनीमाजरा

युवा कांग्रेस नेता पवनदीप सिंह सनी की अगुआई में युवा कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने डीएसपी नॉर्थ ईस्ट विजय कुमार से मुलाकात करके मनीमाजरा में बढ़ती जनसमस्याओं और कानून-व्यवस्था से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल में अमीर चंद मिठू, गुरविंदर और जसपाल सिंह आदि भी शामिल थे। उन्होंने क्षेत्र में ट्रैफिक, सार्वजनिक सुरक्षा, तथा युवा कल्याण से जुड़ी समस्याओं पर पुलिस प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। डीएसपी विजय कुमार ने प्रतिनिधियों को भरोसा दिलाया कि संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। पवनदीप सिंह सनी ने कहा कि जनता की आवाज उठाना हमारा कर्तव्य है और हम हमेशा क्षेत्र के लोगों के हित के लिए तत्पर रहेंगे।

पारस हेल्थ में पंचकूला की पहली रोबोटिक सर्जरी प्रणाली 'दा विंची ' का भव्य उद्घाटन

संवाददाता
चंडीगढ़

पारस हेल्थ पंचकूला ने उत्तरी भारत की चिकित्सा तकनीक में एक नई उपलब्धि दर्ज करते हुए पंचकूला की पहली एडवांस्ड रोबोटिक सर्जरी प्रणाली झ दा विंची कका सफलतापूर्वक उद्घाटन किया। यह तकनीक अब दुर्लभ और जटिल सर्जरी को और अधिक सुरक्षित, सटीक और कम दर्दनाक बना देगी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री अजय छगती, आईएएस, सचिव झ स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान, चंडीगढ़ ने औपचारिक रूप से इस प्रणाली का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा, ्यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि पंचकूला जैसे शहर में विश्वस्तरीय तकनीक लाई जा रही है।रोबोटिक सर्जरी भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान की जरूरत है, और पारस हेल्थ ने इस दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. मनीष बंसल (डायरेक्टर जनरल, हेल्थ सर्विसेस), श्री तरुण भंडारी (मुख्यमंत्री, हरियाणा के राजनीतिक सचिव), श्री जय कौशिक (नगर पार्षद), और श्रीमती सीमा चौधरी (पूर्व महापौर, पंचकूला) शामिल रहे। दा विंची कदुनिया की सबसे उन्नत मिनिमली इनवेसिव रोबोटिक सर्जरी प्रणाली मानी जाती है।इससे छोटे चीरे, कम रक्तस्राव, हल्का दर्द और मरीजों के लिए तेज रिकवरी संभव होती है। पारस हेल्थ के सीओओ विनीत अग्रवाल ने कहा, यह तकनीक हमारे उस मिशन को दशार्ती है, जिसके तहत हम मेट्रो शहरों से बाहर भी विश्वस्तरीय इलाज उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डॉ. पंकज मित्तल, फैसिलिटी डायरेक्टर, पारस हेल्थ पंचकूला ने कहा, दा विंची कसिस्टम हमारे मरीजों को जटिल सर्जरी में बेहतर परिणाम देने में मदद करेगा।यह तकनीक इलाज के स्तर को एक नई ऊंचाई देगी। इस तकनीक का उपयोग यूरोलॉजी, गाइनोकॉलॉजी, ऑन्कोलॉजी, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल व जनरल सर्जरी जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा। इससे पंचकूला व आसपास के मरीजों को बिना बड़े शहर जाए आधुनिकतम इलाज मिल सकेगा। डॉ. जीएस सेठी, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. राजन साहू, डॉ. करन मिधा, और डॉ. अमित बंसल सहित वरिष्ठ चिकित्सकों ने बताया कि यह तकनीक दुर्लभ और जोखिमपूर्ण मामलों में भी सर्जरी को सुरक्षित और अधिक प्रभावी बनाएगी।

धार्मिक स्थलों को अतिक्रमण के नोटिसों बारे हिंदू पर्व महासभा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

चंडीगढ़ में वर्ष 2009 से पहले स्थापित धार्मिक स्थानों के प्रत्येक मामले की समीक्षा करना आवश्यक : हिंदू पर्व महासभा चंडीगढ़

संवाददाता
चंडीगढ़

हिंदू पर्व महासभा, चण्डीगढ़ की बैठक श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 37 सी चंडीगढ़ में हुई जिसमें शहर के सभी मंदिरों के पदाधिकारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। संस्था के महासचिव कमलेश चंद्र सूरी ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित पूर्ण आदेशों का पालन किए बिना नगर निगम एवं प्रशासन द्वारा मंदिरों एवं अन्य धार्मिक स्थलों को अतिक्रमण के नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2009 से पहले स्थापित मंदिरों/धार्मिक स्थानों के प्रत्येक मामले की समीक्षा करना आवश्यक है। जिन धार्मिक संस्थानों को नोटिस जारी किए गए हैं उनमें से कई प्राचीन हैं और उनमें से भी कुछ महाभारत काल के हैं और कुछ चंडीगढ़ की स्थापना से पहले से ही निर्मित हैं। संस्था के अध्यक्ष बीपी अरोड़ा ने बताया कि न्यायालय के निदेशों का अनुपालन करने के लिए धार्मिक संस्थानों के प्रबंधन के पक्ष को सुनने और केस टू केस एग्जामिन करने के बाद हिंदू पर्व महासभा को भी एक अवसर दिया जाए जो सभी मंदिरों का एक प्रतिनिधि निकाय है। बैठक में वरिष्ठ भाजपा नेता अरुण सूद भी उपस्थित रहे और उन्होंने अपने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। अरोड़ा एवं सूरी ने सभी उपस्थित धार्मिक संस्थानों के पदाधिकारियों से अपील की कि जिनको प्रशासन की तरफ से नोटिस आए हुए हैं, वह अपना पक्ष रखने के लिए आवश्यक दस्तावेज लेकर 30 जून को निगम के कार्यालय में संबंधित अधिकारियों के पास अवश्य जमा करवा दें। महासभा ने प्रशासन से मंदिरों को आवश्यक कागजात जमा करने की अवधि 15 दिन बढ़ाने की भी मांग की।

बैठक में हिंदू पर्व महासभा के रमेश मल्होत्रा, मुख्य संरक्षक, वाईके सरना, वरिष्ठ उप प्रधान, लक्ष्मी नारायण सिंगला, राम धन अग्रवाल, रतनलाल, पदम चंद राय, राजेंद्र गुप्ता, अनुज कुमार सहगल, देस राज बंसल एवं अजय कौशिक,प्रेस सचिव आदि भी उपस्थित रहे। अरोड़ा ने ये भी जानकारी दी कि अरुण सूद की अगुआई में हिंदू पर्व महासभा का एक प्रतिनिधिमंडल इसी मुद्दे को लेकर प्रशासक को मिला था तथा प्रशासक ने आश्वासन दिया था कि वह मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों के हित में उचित कदम उठाएंगे।

संक्षिप्त-समाचार

नेत्रदानी हरविंदर सिंह दे गए दो लोगो को रोशनी, परिवार सम्मानित

डेराबस्सी। 49 वर्षीय समाजसेवी हरविंदर सिंह पुत्र अजीत सिंह निवासी एटीएस विला, डेराबस्सी मरणोपरांत नेत्रदान कर दो लोगो के जीवन में रोशनी दे गए थे। रविवार को हरविंदर सिंह के अंतिम भोग व अरदास के दौरान भारत विकास परिषद विवेकानंद द्वारा उनके छोटे भाई सिमरनजीत सिंह विकी को सम्मानित किया गया। हरविंदर सिंह पिछले कुछ समय से किडनी और लीवर की बीमारी से पीड़ित थे। हरविंदर सिंह अपने पीछे पत्नी, बेटा और बेटी छोड़ गए हैं। उनके भाई सिमरनजीत विक्की ने बताया कि हरविंदर सिंह पिछले काफी समय से बीमार चल रहे थे। भारत विकास परिषद विवेकानन्द के परामर्श पर पीजीआई से आए डॉक्टर्स द्वारा नेत्रदान किया गया था। उपेश बंसल ने बताया कि भाविप विवेकानन्द द्वारा अब तक 3 लोगो का नेत्रदान करवा चुका हैं जिससे कि 6 लोगो के अंधकारमह जीवन में उजाला हो सका है। उन्होंने लोगो से अपील की वो अपने आसपास नेत्रदान बारे लोगो को ज्यादा से ज्यादा जागरूक करे ताकि जो लोग बिल्कुल नहीं देख सकते उनके जीवन में रोशनी की जा सके। हरविंदर सिंह का अंतिम भोग एटीएस लाइफस्टाइल के क्लब हाउस में संपन्न हुआ।

ओपेरा गार्डन सोसाइटी में करोड़ो रुपए लगाकर खरीदे फ्लैट, सुविधाएं जीरो

जीरकपुर। ढकोली क्षेत्र में पड़ती ओपेरा गार्डन नामक सोसायटी के लोगों द्वारा पिछले एक हफ्ते से सुविधाएं ना मिलने के कारण काली पट्टी बांधकर बिल्डर खिलाफ रोष प्रदर्शन किया जा रहा था जिसे रविवार को समाप्त कर दिया गया है। सोसाइटी निवासियों ने आज एक प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि उनकी किसी भी मांग पर बिल्डर द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा। इसीलिए उन्होंने आज अपना धरना समाप्त करके कल सोमवार को डिप्टी कमिश्नर मोहाली से मिलने का फैसला लिया है। इस सोसाइटी निवासियों अशोक सक्सेना, अशवनी, अनिता गोयल, सुनीता राजपुत, गीतू शर्मा, निर्मल कुमार, सुषमा, रीना, कमलेश कुमार, सुरिंदर सिंह, मनु गोयल, नीरज शर्मा, मञ्जुला कैथरत व अन्य प्रदर्शनकारीयों ने बताया की यह सोसायटी पिछले 15 वर्षो से बन रही है और अब तक पूरी नहीं हुई है। जिस कारण उन्हें बेसिक सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है। लोगों ने बताया की जिस समय हमने यहां करोड़ो रुपए की लागत से फ्लैट खरीदे थे तो बिल्डर ने क्लब हॉउस, ऐसी हेल्थ क्लब, लाइब्रेरी, इंडोर गेम्स, मिन्नी थिएटर, स्विमिंग पूल, 24 घंटे थ्री टायर सिक्योरिटी, 24 घंटे पॉवर बैकअप, जॉगिंग ट्रेक चिल्ड्रन प्लै एरिया, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, शॉपिंग एकरेड, कलसटर कोट, हाई स्पीड एलीवेटर, मैगा सेंटरल पार्क आदि जैसी सुविधाएं देने का वादा किया था। लेकिन आज तक कोई सुविधा हमें नही दी गई है। जब भी हम अपनी सुविधाओं के लिए बिल्डर से बात करना चाहते हैं तो वह हमें मिलते ही नही और ना ही हमारी बात का कोई सही जवाब दिया जाता है। इसके इलावा उनका स्टॉफ हमने धमकिया भी देता है, जिसकी हमने पुलिस शिकायत भी की हुई है।

ट्रैक्टर के पुर्जे बनाने वाली एक फैक्ट्री में घुसा बारिश का पानी

डेराबस्सी। डेराबस्सी नगर परिषद के तहत बरवाला रोड पर सैदपुरा से पहले पानी की निकासी न होने से सड़क व आसपास का बरसाती पानी लगातार ट्रैक्टर के पुर्जे बनाने वाली एक फैक्ट्री में घुस रहा है। करीब दो फीट तक पानी में जहां कंपनी की मशीनों व कच्चे माल को नुकसान पहुंच रहा है, वहीं वर्कर्स को करंट लगने का खतरा भी बढ़ गया है। फैक्ट्री में पहुंचने तक रास्ता नहीं रहा है। इसी के चलते आधे से अधिक वर्कर बीते तीन दिन में ही नौकरी ही छोड़ गए। जानकारी मुताबिक सैदपुरा इंडस्ट्रीय पार्क-ब्लॉक ए के सामने एटीएस की ओर आरके गुप्ता इंडस्ट्रीज मौजूद है। इसके मालिक रामकरण गुप्ता व आशू गुप्ता ने बताया कि इलाके इस क्षेत्र में दो फैक्ट्री बनी हैं जबकि बाकी में खाली प्लॉट पड़े हैं। बीते चार साल से इस एरिया में निकासी प्रबंध न होने से बरसाती पानी जमा हो जाता है। हालांकि उन्होंने फैक्ट्री की लेवल दो फीट ऊंचा भी उठाया परंतु बगल में एक बिल्डर द्वारा दीवार किए जाने से पानी की निकासी और कम हो गई।